gradeup
Prep Smart. Score Better.

मासिक करंट अफेयर्स यूपीएससी और पीसीएस परीक्षाओं के लिए

जुलाई 2019

www.gradeup.co

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.07.2019

1. **PUNCH मिशन**

- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के एक भारतीय सौर भौतिक विज्ञानी दीपांकर बनर्जी को नासा द्वारा PUNCH मिशन के सह-अन्वेषक के रूप में चुना गया है।

संबंधित जानकारी

PUNCH (पोलैरिमीटर टू यूनीफाई कोरोना एंड हेलिओस्फेयर) मिशन

- इसमें सूटकेस के आकार के चार सूक्ष्म उपग्रहों का एक तारामंडल शामिल होगा जो पृथ्वी की परिक्रमा करेगा और यह अध्ययन करेगा कि कोरोना कैसे बना, जो की सूर्य का वातावरण है, जो ग्रहों के बीच से जुड़ा होता है।
- इस मिशन का उद्देश्य सूर्य के बाहरी कोरोना से परे के क्षेत्रों की तस्वीरें लेना है।
- यह सौर हवा और कोरोनल द्रव्यमान उत्सर्जन की निगरानी करने में मदद करेगा- जो कि प्लाज्मा के विशाल द्रव्यमान हैं जो सूर्य के वातावरण से बाहर निकलते हैं।
- कोरोनल द्रव्यमान उत्सर्जन, पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष मौसम की घटनाओं को प्रभावित और संचालित कर सकता है।
- इस मिशन के 2022 में शुरू होने की उम्मीद है।

नोट: भारत अपना स्वयं का उपग्रह आदित्य-एल. 1 भेजने की योजना बना रहा है, जो सूर्य के कोरोना का अध्ययन करने हेतु एक मिशन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **ड्रैगनफ्लाई मिशन**

- अमेरिकी अंतरिक्ष संस्था नासा ने घोषणा की है कि वह 'ड्रैगनफ्लाई' नामक एक मल्टी-रोटर वाहन को शनि चंद्रमा टाइटन (शनि का सबसे बड़ा चंद्रमा) पर भेजेगा।
- ड्रैगनफ्लाई, टाइटन पर अलग-अलग स्थानों पर उड़ेगा, जो पृथ्वी और टाइटन दोनों के लिए सामान्य रासायनिक प्रक्रियाओं की तलाश कर रहे हैं।

टाइटन के संदर्भ में जानकारी

- टाइटन, शनि का सबसे बड़ा चंद्रमा है जो सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा चंद्रमा है।
- पहला सबसे बड़ा चंद्रमा, ब्रहस्पति का गैनीमेड है।
- टाइटन में पृथ्वी के समान नाइट्रोजन आधारित वातावरण होता है। हालांकि, पृथ्वी के विपरीत टाइटन में बादल होते हैं और मीथेन की बारिश होती है।
- टाइटन में सतह का तापमान -179 डिग्री सेल्सियस होता है। इसके अतिरिक्त, इसकी सतह का दबाव, पृथ्वी की सतह के दबाव की तुलना 50% अधिक होता है।

मिशन के संदर्भ में जानकारी

- यह नासा के न्यू फ्रंटियर्स प्रोग्राम का चौथा मिशन है, जो कई सौर प्रणाली निकायों के अनुसंधानों के उद्देश्य के साथ नासा द्वारा किए जा रहे अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनों की एक श्रृंखला है।
- यह मिशन 2026 में लॉन्च किया जाएगा और 2034 में पूरा होगा।
- तीन पूर्व न्यू फ्रंटियर्स मिशन निम्न हैं

1. न्यू होराइजन्स, जिसने 2015 में प्लूटो से उड़ान भरी थी,
2. जूनो, जो एक बृहस्पति अन्वेषण मिशन है और
3. OSIRIS-REx, जो क्षुद्रग्रह बेन्नू का चक्कर लगा रहा है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

3. **<u>एच.आर.डी. मंत्रालय ने उच्च शिक्षा को परिवर्तित करने हेतु एक पंचवर्षीय दृष्टि योजना EQUIP जारी की है।</u>**

- एच.आर.डी. मंत्रालय ने शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन एवं समावेशन कार्यक्रम (EQUIP) नामक एक पंचवर्षीय दृष्टि योजना को अंतिम रूप दिया है और जारी किया है।
- ऐसा प्रत्येक मंत्रालय के लिए पंचवर्षीय दृष्टि योजना को अंतिम रूप देने के लिए प्रधानमंत्री के निर्णय के अनुसार किया गया था।

कार्यक्रम के लक्ष्य

उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए इसके निम्नलिखित लक्ष्य हैं -

- उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जी.ई.आर.) को दोगुना करना और भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए भौगोलिक और सामाजिक रूप से विषम पहुंच का समाधान करना।
- वैश्विक मानकों पर शिक्षा की गुणवत्ता का उन्नयन करना।
- शीर्ष 1000 वैश्विक विश्वविद्यालयों के मध्य कम से कम 50 भारतीय संस्थानों को स्थान दिलाना
- सुव्यवस्थित ढंग से प्रशासित परिसरों के लिए उच्च शिक्षा में शासन सुधारों को पेश करना
- गुणवत्ता के आश्वासन के रूप में सभी संस्थानों का प्रत्यायन करना
- ज्ञान सृजन के मामले में दुनिया में शीर्ष-3 देशों में भारत के स्थान के लिए अनुसंधान और नवोन्मेष पारिस्थितिकी प्रणालियों को बढ़ावा देना
- उच्च शिक्षा से उत्तीर्ण होकर बाहर निकलने वाले छात्रों की रोजगार क्षमता को दोगुना करना
- पहुँच को बढ़ाने और शिक्षाशास्त्र में सुधार करने हेतु शिक्षा तकनीकों का उपयोग करना
- भारत को एक वैश्विक अध्ययन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना
- उच्च शिक्षा में निवेश में एक क्वांटम वृद्धि को प्राप्त करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>पहला रेसिलिएंट (लचीला) केरल कार्यक्रम</u>**

- भारत सरकार, केरल सरकार और विश्व बैंक ने पहले रेसिलिएंट (लचीले) केरल कार्यक्रम के लिए 250 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- वर्ष 2018 में केरल में बाढ़ और भूस्खलन से संपत्ति, बुनियादी ढांचे और लोगों के जीवन और आजीविका पर गंभीर प्रभाव पड़ा था।
- राज्य की आबादी का 1/6वां हिस्सा- लगभग 4 मिलियन लोग प्रभावित हुए थे, जब कि 1.4 मिलियन लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए थे।

कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी:

- यह कार्यक्रम केरल के पुनर्निर्माण केरल विकास कार्यक्रम को भारत सरकार के समर्थन का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एक हरे-भरे और पुनर्जीवित केरल का निर्माण करना है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के खिलाफ राज्य के लचीलापन को बढ़ाना है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य निम्न के साथ राज्य का समर्थन करना है-
- नदी घाटी योजना और जल ढांचा संचालन प्रबंधन,जल आपूर्ति और स्वच्छता सेवाओं, लचीली और सतत कृषि, संवर्धित कृषि जोखिम इंश्योरेंस आदि में सुधार करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>तमिल योमैन, अब तमिलनाडु की 'राज्य तितली' है।</u>**

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- तमिलनाडु सरकार ने अब आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि 'तमिल योमैन' अथवा 'तमीज मरांवा' राज्य तितली है।

तमिलनाडु के अन्य राज्य प्रतीक हैं

- राज्य पेड़ - ताड़
- राज्य पक्षी - एमराल्ड कबूतर
- राज्य पुष्प - कलिहारी
- राज्य पशु - नीलगिरी तहर

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>एल 98-59 बी: नासा मिशन द्वारा खोजा गया एक नया ग्रह है।</u>**

- नासा के ट्रांसिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वेक्षण उपग्रह (TESS) ने L 98-59b नामक सबसे छोटे ग्रह की खोज की है।
- यह ग्रह मंगल और पृथ्वी के आकार के बीच का है, जो एक उज्ज्वल, शांत, आस-पास के सितारों की परिक्रमा करता है, जो अब तक पाए गए ट्रांसिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वेक्षण उपग्रह (TESS) में सबसे छोटा है।

नए ग्रह के संदर्भ में जानकारी

- L 98-59b, पृथ्वी के आकार का लगभग 80% है और TESS द्वारा खोजे गए पिछले सबसे छोटे ग्रह से लगभग 10% छोटा है।
- इस प्रणाली के दो अन्य ग्रह क्रमशः L 98-59c और L 98-59d पृथ्वी के आकार के क्रमश: 4 और 1.6 गुना हैं।

नासा के ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वेक्षण उपग्रह (TESS)

- इसे 2018 में लॉन्च किया गया था जो कि एक अखिल आकाश सर्वेक्षण मिशन है जो आस-पास के उज्ज्वल सितारों के एक्सोप्लैनेट की खोज करना चाहता है।
- इसने स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के माध्यम से भेजा गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>भारत से टीबी को समाप्त करने और उसका इलाज करने हेतु भारत ने विश्व बैंक के साथ 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- विश्व बैंक और भारत सरकार ने क्षय रोग (टीबी) के नियंत्रण के लिए कवरेज और हस्तक्षेप की गुणवत्ता का विस्तार करने के लिए $ 400 मिलियन के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- विश्व बैंक समर्थित कार्यक्रम, भारत के नौ राज्यों को शामिल करेगा।
- यह 2025 तक भारत से टीबी को समाप्त करने के लिए भारत सरकार की राष्ट्रीय रणनीतिक योजना का समर्थन करेगा।
- टीबी को खत्म करने का वैश्विक लक्ष्य 2030 है।

क्षय रोग को खत्म करने के लिए भारत का कदम

- 1993 में, संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम (आर.एन.टी.सी.पी.) शुरू किया गया था, जो रोगियों के लिए नि: शुल्क निदान और उपचार की पेशकश करता था अन्यथा उन्हें निश्चित मृत्यु से बचा लेता था।
- तमिलनाडु 1960 के दशक से 1990 के दशक तक के दौरान टीबी अनुसंधान में एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता रहा है, अब टीबी नियंत्रण में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बन जाएगा।
- विश्व टीबी दिवस, 24 मार्च को मनाया जाता है और विश्व टीबी दिवस 2019 की थीम- यह समय है '- वैश्विक नेताओं द्वारा किए गए प्रतिबद्धताओं पर कार्य करने के लिए आवश्यक्ताओं पर जोर देता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने वैश्विक निधि और टी.बी. साझेदारी को राकने के साथ एक संयुक्त पहल "फाइंड, ईलाज करें,#TB को खत्म करें " है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-लाइवमिंट

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

8. **आर.बी.आई. ने ए.आर.सी. को सहकर्मियों से वित्तीय संपत्ति खरीदने की अनुमति प्रदान की है।**

- आर.बी.आई. ने परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (ए.आर.सी.) को ऐसी अन्य संस्थाओं से वित्तीय परिसंपत्तियाँ खरीदने की अनुमति प्रदान की है जिसमें ऐसे सभी हस्तांतरण को नकद में निपटाना होता है।

संबंधित जानकारी

परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी

- यह एक विशेष वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से नॉन-परफॉर्मिंग परिसंपत्तियां (एन.पी.ए.) या खराब संपत्ति खरीदता है जिससे कि बाद में वे अपनी बैलेंस शीट को स्पष्ट कर सकें।
- वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और सुरक्षा ब्याज का प्रवर्तन (SARFAESI) अधिनियम, 2000 को दिसंबर, 2002 में अधिनियमित किया गया था जो भारत में ए.आर.सी. की स्थापना के लिए कानूनी आधार प्रदान करता है।
- SARFAESI अधिनियम, 2002 में संशोधन के मद्देनजर ए.आर.सी. से वित्तीय संपत्तियों का अधिग्रहण करने के लिए ए.आर.सी. को अनुमति प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – वित्तीय संस्थान

स्रोत- द हिंदू

9. **चीन ने नई बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है।**

- चीन ने अपनी नवीनतम पनडुब्बी-लॉन्च करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM), JL-3 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

JL-3 बैलिस्टिक मिसाइल

- इसकी सीमा लगभग 14,000 किलोमीटर है, इसमें 10 स्वतंत्र निर्देशित परमाणु वारहेड ले जाने की क्षमता है।

बैलिस्टिक मिसाइल

- बैलिस्टिक मिसाइल, एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य पर एक या एक से अधिक वॉरहेड पहुँचाने के लिए एक बैलिस्टिक प्रक्षेप्य पथ का अनुसरण करती है।
- इन हथियारों को केवल उड़ान की अपेक्षाकृत संक्षिप्त अवधि के दौरान निर्देशित किया जाता है- उनका अधिकांश प्रक्षेप्य पथ अमशीनी होता है, यदि ये वायुमंडल में हैं तो गुरुत्वाकर्षण और वायु प्रतिरोध द्वारा नियंत्रित की जाती हैं।
- कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर रहती हैं, जब कि लंबी दूरी की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें (आई.सी.बी.एम.), एक उप-कक्षीय उड़ान प्रक्षेपवक्र पर लॉन्च की जाती हैं और अपनी अधिकांश उड़ान अवधि वायुमंडल के बाहर बिताती हैं।
- ये मिसाइलें, क्रूज मिसाइलों से अलग श्रेणी की हैं, जिन्हें वायुयान द्वारा संचालित उड़ान में निर्देशित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

10. **ओडिशा में गश्त पर "SHE टीम'**

- ओडिशा की गजापति जिला पुलिस ने परालाखेमुंडी में युवा लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए SHE टीम नामक एक पायलट परियोजना शुरू की है।
- SHE का पूरा नाम 'सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण' है।
- यह परियोजना हैदराबाद '**SHE** टीम' की तर्ज पर बनाई गई है।
- यह एक महिला उप-निरीक्षक के नेतृत्व में है और इसमें मोबाइल गश्त करने वाली टीमें शामिल हैं।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- SHE टीम, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों अथवा जहां पर वे काम करने जाती हैं, वहां पर पर कामकाजी महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने के लिए भी काम करेंगी।
- यह युवा लड़कियों और बच्चों को आत्मरक्षा और साइबरस्पेस सुरक्षा भी प्रदान करेंगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

02.07.2019

1. **<u>यू.जी.सी. ने अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु नई पहल STRIDE को मंजूरी प्रदान की है।</u>**
   - यू.जी.सी. ने देश में अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु एक नई पहल- भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था हेतु ट्रांस-अनुशासनात्मक अनुसंधान योजना (**STRIDE)** को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

योजना के संदर्भ में जानकारी

- यह योजना कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अनुसंधान संस्कृति और नवाचार को मजबूती प्रदान करेगी।
- STRIDE, सहयोगी अनुसंधान की मदद से भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था में योगदान देने में छात्रों और संकायो की सहायता करेगा।
- यह पहल उन अनुसंधान परियोजनाओं को समर्थन प्रदान करेगी जो सामाजिक रूप से प्रासंगिक, स्थानीय आवश्यक्ताओं पर आधारित, राष्ट्रीय स्तर और वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण हैं।
- STRIDE, अनुसंधान क्षमता निर्माण के साथ-साथ बुनियादी, अनुप्रयुक्त और परिवर्तनकारी कार्रवाई अनुसंधान का भी समर्थन करेगी जो समावेशी मानव विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में योगदान दे सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>नागालैंड के स्वदेशी निवासियों का पंजीकरण (आर.आई.आई.एन.)</u>**
   - नागालैंड सरकार ने नकली स्वदेशी निवासियों के प्रमाणपत्रों को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से नागालैंड के स्वदेशी निवासियों का पंजीकरण (आर.आई.आई.एन.) स्थापित करने का निर्णय लिया है।
   - आर.आई.आई.एन., राज्य के सभी स्वदेशी निवासियों की मास्टर सूची होगी जो असम में किए गए एन.आर.सी. पर आधारित होगी।
   - 10 जुलाई, 2019 से सूची तैयार करना शुरू किया जाएगा और पूरी प्रक्रिया 60 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी।

अद्वितीय पहचान कैसी दिखाई देगी?

- न्यायिक निर्णय और सत्यापन के आधार पर स्वदेशी निवासियों की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा और प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट आई.डी. प्रदान की जाएगी।
- अंतिम सूची या आर.आई.आई.एन. बनाई जाएगी और इसकी प्रतियां सभी गांवों और वार्डों में रखी जाएंगी।
- राज्य के सभी स्वदेशी निवासियों को एक बारकोडेड और क्रमांकित स्वदेशी निवासी प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।
- यह प्रक्रिया पूरे नागालैंड में आयोजित की जाएगी और यह प्रक्रिया इनर लाइन परमिट (आई.एल.पी.) की ऑनलाइन प्रणाली के हिस्से के रूप में की जाएगी, जो नागालैंड में पहले से ही लागू है।

आर.आई.आई.एन. को कैसे अपडेट किया जाएगा?

- एक बार आर.आई.आई.एन. को अंतिम रूप दिए जाने के बाद नागालैंड के मूल निवासियों से पैदा हुए नवजात शिशुओं को छोड़कर कोई भी नया स्वदेशी निवासी प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

इनर लाइन परमिट (आई.एल.पी.)

- यह एक आधिकारिक यात्रा दस्तावेज है जिसकी कुछ "संरक्षित" राज्यों से बाहर रहने वाले भारतीय नागरिकों को इन राज्यों में प्रवेश करने हेतु आवश्यक्ता होती है।
- यह भारत सरकार द्वारा जारी किया गया है और यह संरक्षित राज्यों से बाहर रहने वाले सभी व्यक्तियों हेतु अनिवार्य है।
- आई.एल.पी. के साथ सरकार का लक्ष्य भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित कुछ क्षेत्रों में आवागमन को विनियमित करना है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **अबू धाबी, आई.एस.ए. के पहले संयुक्त सुरक्षा युद्धाभ्यास ISALEX19 की मेजबानी करेगा।**

- अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा गठबंधन की 50 कानून प्रवर्तन संस्थाओं के प्रतिनिधि अबू धाबी में आयोजित पहले संयुक्त सुरक्षा युद्धाभ्यास में भाग ले रहे हैं।
- यह युद्धाभ्यास विभिन्न दलों की तत्परता का परीक्षण करने और वर्ष 2017 में गठबंधन के शुरू होने के बाद से सदस्य देशों के मध्य संयुक्त रूप से विकसित किए गए उपकरणों, रणनीतियों और प्रक्रियाओं का मूल्यांकन करने हेतु एक आभासी संदर्भ में वास्तविक जीवन सुरक्षा खतरों का अनुकरण करेगा।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा गठबंधन

- यह व्यवस्थित, अंतरराष्ट्रीय और चरमपंथी अपराधों का सामना करने के लिए वर्ष 2017 में अबू धाबी में शुरू किया गया एक अंतर्राष्ट्रीय कामकाजी समूह है।
- इस गठबंधन में अब 9 देश- संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मोरक्को, फ्रांस, इटली, स्पेन, सेनेगल, सिंगापुर और स्लोवाक गणराज्य शामिल हैं।
- इसके प्रतिभागियों में सामरिक टीमों, शीघ्र हस्तक्षेप इकाइयों, संचार, नागरिक सुरक्षा और विस्फोटक आयुध निपटान टीमों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

4. **भारत ने रूस के साथ 200 करोड़ के एंटी-टैंक मिसाइल सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं।**

- भारत ने अपने एम.आई.-35 हमलावर हेलीकॉप्टर के बेड़े के लिए **स्ट्रम अताका** एंटी-टैंक मिसाइल खरीदने हेतु रूस के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- 'स्ट्रम अताका' एंटी-टैंक मिसाइलों को खरीदने हेतु आपातकाल नियमों के अंतर्गत रूस के साथ सौदे पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

संबंधित जानकारी

- आई.ए.एफ. ने अचानक होने वाले युद्ध के लिए खुद को तैयार रखने हेतु पहले से ही इन प्रावधानों के अंतर्गत स्पाइस 2000 निर्देशित बम और अन्य विभिन्न बमों और मिसाइलों का अधिग्रहण किया है।
- थल सेना भी समान प्रावधानों के अंतर्गत इज़राइल से स्पाइक एल.आर. एंटी टैंक मिसाइल और रूस से इगला-एस. बहुत कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणाली (वी.एस.एच.ओ.आर.ए.डी.) का अधिग्रहण कर रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **दस्तक अभियान**

- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घातक एक्यूट इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम (ए.ई.एस.) और जापानी इन्सेफलाइटिस (जे.ई.) बीमारी को मिटाने के लिए दस्तक अभियान की शुरुआत की है।
- यह अभियान 1 से 31 जुलाई तक चलाया जाएगा।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- इस राज्यव्यापी अभियान के अंतर्गत, टीमें राज्य के 75 जिलों के प्रत्येक गाँव में घर-घर जाकर संचारी रोगों के साथ-साथ **एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम और जापानी इंसेफेलाइटिस** के बारे में जागरूकता पैदा करेंगी।

संबंधित जानकारी

जापानी इंसिफेलाइटिस

- यह मच्छर जनित विषाणु संक्रमण है।
- यह एशिया में विषाणु इन्सेफेलाइटिस का प्रमुख कारण है।
- समुदाय में सुअरों के साथ-साथ प्रवासी पक्षी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जे.ई. के संचरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।
- यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है।
- इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है और उपचार, गंभीर नैदानिक संकेतों को राहत देने और संक्रमण को दूर करने के लिए रोगी का समर्थन करने पर केंद्रित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. **<u>डब्ल्यू.एच.ओ. ने स्वास्थ्य हेतु स्व-देखभाल हस्तक्षेप पर अपने पहले दिशानिर्देश जारी किए हैं।</u>**

- डब्ल्यू.एच.ओ. ने स्वास्थ्य हेतु स्व-देखभाल हस्तक्षेप पर अपने पहले दिशानिर्देश जारी किए हैं।
- यह दिशानिर्देश एक अनुमान की प्रतिक्रिया के रूप में तैयार किए गए हैं, अनुमान यह है कि वर्ष 2035 तक दुनिया को लगभग 13 मिलियन स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ेगा और तथ्य यह है कि वर्तमान में, पूरे विश्व में कम से कम 400 मिलियन लोगों को सबसे अधिक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं प्राप्त है।
- इसके पहले खंड में दिशानिर्देश, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों पर केंद्रित हैं।
- कुछ हस्तक्षेपों में शामिल हैं:

1. मानव पेपिलोमा विषाणु (एच.पी.वी.) और यौन संचारित संक्रमणों हेतु स्व-नमूना
2. स्व-इंजेक्शन गर्भ निरोधक
3. घर-आधारित डिंबोत्सर्जन प्रेडिक्टर किट
4. मानव इम्युनोडेफिशिएंस विषाणु (एच.आई.वी.) स्व-परीक्षण
5. चिकित्सा गर्भपात का स्व-प्रबंधन

- ये दिशानिर्देश कुछ निश्चित हस्तक्षेपों के स्वास्थ्य लाभों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों को देखते हैं जो पारंपरिक क्षेत्र के बाहर सम्पन्न किए जा सकते हैं, हालांकि कभी-कभी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता के समर्थन से भी इन्हें किया जा सकता है।
- ये उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का प्रतिस्थापित नहीं करते हैं और न ही ये सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने हेतु एक शॉर्टकट हैं।
- डब्ल्यू.एच.ओ. ने उल्लेख किया है कि स्व-देखभाल हस्तक्षेप का समर्थन करने में क्षमता है:

1. स्वास्थ्य के लिए घरेलू संसाधनों के कुशल उपयोग को अधिकतम करने हेतु राष्ट्रीय संस्थानों को मजबूत बनाना
2. डिजिटल और एम.- स्वास्थ्य दृष्टिकोणों द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र के नवाचारों का निर्माण करना
3. स्वास्थ्य प्रणालियों और स्वास्थ्य देखभाल वितरण के स्थलों के मध्य इष्टतम अंतराल के माध्यम से दवाओं और हस्तक्षेपों तक पहुंच में सुधार करना।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- डाउन टू अर्थ

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

7. **<u>सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु एक गाय सर्किट स्थापित करने की योजना बनाई है।</u>**

- राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने एक गाय आधारित पर्यटन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है जो देश में उन स्थानों के माध्यम से बहार लाएगी जो देशी गायों का प्रजनन करते हैं।
- बोर्ड ने इस सर्किट के लिए हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और गोवा जैसे राज्यों की पहचान की है।
- इन स्थानों पर शोधकर्ताओं को आकर्षित करने के लिए देशी गायों के महत्व का भी प्रचार किया जाएगा।
- इसके अतिरिक्त, पर्यटन स्थल गाय आधारित उत्पादों को भी बेचेंगे जो गाय आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय कामधेनु आयोग

- गाय और उसकी संतानों के संरक्षण, सुरक्षा और विकास के लिए फरवरी, 2019 में अंतरिम बजट के दौरान इसकी घोषणा की गई थी।
- यह पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग के अंतर्गत काम करता है।

अयोग के कार्य:

- गाय संरक्षण और विकास कार्यक्रमों को नीतिगत ढांचा और दिशा प्रदान करना है।
- गायों के कल्याण के संबंध में कानूनों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-टी.ओ.आई.

8. **<u>एक ऐप जो आपके कार्बन पदचिन्हों की निगरानी करेगा।</u>**

- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि राज्य सरकार शीघ्र ही एक ऐसा एप्लीकेशन लांच करेगी जो नागरिकों के कार्बन पदचिन्हों की निगरानी करेगा और उन लोगों को पुरस्कृत करेगा जो उत्सर्जन उदासीन का दर्जा प्राप्त कर लेते हैं।
- इस एप्लीकेशन का उद्देश्य महाराष्ट्र में प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को कम करना है।
- ऐप के अनुसार, एक व्यक्ति के पदचिन्हों में उसके द्वारा प्रयोग की गई बिजली, एयर कंडीशनिंग, दूसरों के मध्य की गई रसोई संबंधी गतिविधियां शामिल की जाएंगी।

संबंधित जानकारी

कार्बन पदचिन्हों को कम करने हेतु भारत द्वारा उठाए गए कदम

- भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से वर्ष 2030 तक भारत के प्रदूषण स्तर को वर्ष 2005 के स्तर पर लाने का वादा किया है।
- भारत का लक्ष्य वर्ष 2022 तक 175 गीगावॉट (गीगावाट) नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न करना है, जिसमें से 100 गीगावॉट ऊर्जा सौर उत्पादित होगी।
- भारत ने पेरिस शिखर सम्मेलन के हिस्से के रूप में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 20% से 25% तक कम करने का वादा किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>जापान ने वाणिज्यिक व्हेलिंग (व्हेल का शिकार करना) पुन: शुरू कर दी है।</u>**

- जापान ने 30 वर्षों के बाद अपनी वाणिज्यिक व्हेलिंग पुन: शुरू कर दी है।
- जापान अब अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (आई.डब्ल्यू.सी.) से हट गया है, अत: अब वह उसके नियमों के अधीन नहीं है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है जिसे अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग विनियमन सम्मेलन (आई.सी.आर.डब्ल्यू.) की शर्तों द्वारा स्थापित किया गया है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह व्हेल मछलियों के स्टॉक के उचित संरक्षण हेतु अधिकार प्रदान करता है और इस प्रकार, व्हेलिंग उद्योग के क्रमिक विकास को संभव बनाता है।
- आई.डब्ल्यू.सी., आदिवासियों की जीविका हेतु गैर-शून्य व्हेलिंग कोटा की अनुमति प्रदान करता है और इसके अतिरिक्त सदस्य राष्ट्र भी अपने नागरिकों को 'वैज्ञानिक परमिट' जारी कर सकते हैं।
- आई.डब्ल्यू.सी. का मुख्य कर्तव्य समीक्षा और संशोधन करते रहना है और उस अनुसूची में आवश्यक उपायों को संशोधित करना है, जो पूरे विश्व में व्हेलिंग के संचालन को नियंत्रित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>व्यय में सुधार करने हेतु केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं को कम करने की आवश्यकता है: एन. के. सिंह</u>**

- पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन. के. सिंह ने कहा है कि वर्तमान में केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं की संख्या 150 से अधिक है जिसे बेहतर व्यय के लिए कम करने की आवश्यकता है क्यों कि अप्रत्यक्ष करों में राजस्व वृद्धि कमजोर बनी हुई है।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं और केंद्रीय प्रायोजित योजना

- केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं, केंद्र सरकार द्वारा 100% वित्त पोषित होती हैं और केंद्र सरकार की मशीनरी द्वारा कार्यान्वित की जाती हैं।
- केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं, मुख्य रूप से संघ सूची के विषयों पर तैयार की जाती हैं।
- ये योजनाएं केंद्र सरकार के खर्च का 11% हिस्सा होती हैं।
- केंद्रीय प्रायोजित योजना (सी.एस.एस.) में धन का एक निश्चित प्रतिशत राज्यों द्वारा वहन किया जाता है और योजना का कार्यान्वयन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है।
- अधिक ध्यान देने योग्य क्षेत्रों को प्राथमिकता देने के लिए राज्यों को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्रीय प्रायोजित योजनाएं, राज्य सूची में शामिल विषयों पर तैयार की जाती हैं।
- ये योजनाएं केंद्र सरकार के खर्च का 10% हिस्सा होती हैं।
- सामान्यत: केंद्रीय प्रायोजित योजनाएं, प्रत्येक पंचवर्षीय योजना अवधि के अंत में संशोधित की जाती हैं।
- हालांकि, पंचवर्षीय योजना के बंद होने के बाद यह निर्णय लिया गया है कि सूर्यास्त की तारीख, वित्त आयोग चक्रों के साथ संलग्न होगी।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत **मनरेगा को छोड़कर सभी 28 केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं में सूर्यास्त खंड हैं।**

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

11. **<u>केंद्र ने कृषि सुधारों हेतु मुख्यमंत्रियों के पैनल का गठन किया है।</u>**

- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस इस समिति के संयोजक होंगे, जब कि कर्नाटक, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।
- केंद्रीय कृषि, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री भी इस समिति के सदस्य होंगे।
- इसके अतिरिक्त, नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद को सदस्य सचिव के रूप में नामित किया गया है।
- यह समिति कृषि में परिवर्तन और किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर चर्चा करेगी।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह कृषि क्षेत्र सुधारों को अपनाने और उनके समयबद्ध कार्यान्वयन के तौर-तरीकों का सुझाव देगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –कृषि

स्रोत- ए.आई.आर.

03.07.2019

1. **<u>यातना पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के भारत और रूस पीछे हटे</u>**

- भारत, रूस और 42 अन्य देश, महासभा के प्रस्ताव में शामिल नहीं होकर मतदान देने से बच गए। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मृत्यु दंड और यातना के लिए उपयोग किए जाने वाले सामानों में व्यापार को खत्म करने के विकल्पों की तलाश करना था।
- 193-सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **यातना-मुक्त व्यापार की ओर: संभावित सामान्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के लिए व्यवहार्यता, गुंजाइश और मापदंडों की जांच** प्रस्ताव को अपनाया।
- भारत ने संकल्प पर मतदान प्रक्रिया से बाहर रहा था।

संबंधित जानकारी

अत्याचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन

- अत्याचार और अन्य क्रूरता, अमानवीय या अपमानजनक व्यवहार के खिलाफ सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र की समीक्षा के अधीन एक अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संधि है।
- इसका उद्देश्य दुनिया भर में क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक व्यवहार या दंड को रोकना है।
- सम्मेलन के लिए देशों को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत किसी भी क्षेत्र में अत्याचार को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता होती है और राष्ट्रों को किसी भी देश के लोगों को भेजने से रोकता है, जहाँ यह विश्वास होता है कि उस देश में उसे यातनाएं दी जाएंगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2- महत्वपूर्ण सम्मेलन

स्रोत-PIB

2. **<u>अमेरिकी संसदीय विधेयक - भारत को NATO सहयोगी जैसे देशों का दर्जा प्रदान करता है</u>**

- अमेरिकी सीनेट ने एक विधेयक पारित किया है जो रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत को अमेरिका के नाटो सहयोगियों और इज़रायल और दक्षिण कोरिया जैसे देशों का दर्जा देता है।
- अमेरिकी संसद ने वित्त वर्ष 2020 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (NDAA), प्रस्ताव को पारित कर दिया है।
- **भारत-अमेरिका संबंधों के लिए इसके क्या मायने हैं?**
- यह संशोधन हिंद महासागर में मानवीय सहायता, आतंकवाद निरोध, समुद्री डकैती और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग को बढ़ाता है।
- यह "अपग्रेड" नई दिल्ली के साथ आधुनिक अमेरिकी सैन्य उपकरणों के भारत में बिक्री के मार्ग को सुचारू करेगा, जिसमें इस तरह के लेनदेन के लिए वाशिंगटन द्वारा आवश्यक मूलभूत संगतता, यातायात और सुरक्षा और गोपनीयता समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।
- अमेरिका ने पहले ही भारत को सामरिक व्यापार प्राधिकरण -1 (STA Tier-1) का दर्जा दिया है, जोकि उच्च प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है और रक्षा सहयोग को मजबूत करता है।
- प्रस्तावित कानून को NDAA के बाद लागू किया गया है, जिससे दोनों एकसाथ होने पर, शीत युद्ध के बाद से भारत-अमेरिकी रिश्तों की यात्रा को दर्शाते हैं।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO)

- यह 29 उत्तरी अमेरिकी और यूरोपीय देशों के बीच एक अंतर-सरकारी सैन्य गठबंधन है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- नाटो सामूहिक रक्षा की एक प्रणाली का निर्माण करता है, जिसके तहत इसके स्वतंत्र सदस्य देश किसी भी बाहरी देश के हमले के जवाब में आपसी रक्षा के लिए सहमत होते हैं।
- नाटो का मुख्यालय हैरेन, ब्रुसेल्स, बेल्जियम में स्थित है, जबकि मित्र देशों की कमान संचालन का मुख्यालय मोंस, बेल्जियम के पास स्थित है।
- उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) दुनिया भर के कई गैर-सदस्य देशों के साथ विदेशी संबंधों को बनाए रखता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2-अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत - इकोनॉमिक्स टाइम्स

3. **<u>मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने पर विचार किया जा रहा है</u>**

- केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति और पर्यटन ने कहा कि मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का प्रस्ताव पर "सक्रिय विचार" किया जा रहा था।

संबंधित जानकारी

शास्त्रीय भाषाएँ

- 2004 में, भारत सरकार ने घोषणा की कि कुछ शर्तों को पूरा करने वाली भाषाओं को "भारत में शास्त्रीय भाषा" का दर्जा दिया जा सकता है।
- तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और ओडिया छह भाषाएं हैं जिन्हें अब तक शास्त्रीय भाषा माना जाता है।

भारत की शास्त्रीय भाषाओं के लिए मानदंड

- इसके प्रारंभिक ग्रंथों/ दर्ज इतिहास की प्राचीनता 1500-2000 वर्ष पुरानी होती है।
- प्राचीन साहित्य / ग्रंथों का एक समूह है, जिसे बोलने वालों की कई पीढ़ियों से प्राप्त एक बहुमूल्य विरासत माना जाता है।
- साहित्यिक परंपरा मूल होनी चाहिए और दूसरे भाषा समुदाय से उधार नहीं होनी चाहिए।
- शास्त्रीय भाषा और साहित्य आधुनिक भाषा से अलग होने के कारण, शास्त्रीय भाषा और इसके बाद के रूपों या शाखाओं में असंगतता भी हो सकती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 1- कला और संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>यूरोप गर्म पवनें: रिकॉर्ड किस कारण से रिकॉर्ड तापमान दर्ज हुआ और यह चिंता का विषय क्यों है-</u>**

- दक्षिणी फ्रांस में गैलार्गस-ले-मॉन्ट्यूक्स ने यूरोपीय हीट-वेव के बीच पिछले सप्ताह के दौरान 9 डिग्री सेल्सियस का सर्वकालिक उच्च तापमान दर्ज किया गया।

गर्म पवनें

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के अनुसार, यूरोप में गर्म पवनें अफ्रीका से गर्म हवा का एक परिणाम है।
- गर्म पवनें जलवायु परिदृश्यों के अनुरूप है जो ग्रीनहाउस गैस सांद्रता के रूप में अक्सर, लंबे समय तक और तीव्र गर्मी की घटनाओं की भविष्यवाणी करते हैं, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है।
- विभिन्न विश्व क्षेत्रों में जलवायु परिस्थितियों में भिन्नता के कारण गर्म पवनों की कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है।
- आमतौर पर, गर्म पवनों को असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि के रूप में परिभाषित किया जाता है- जिसमें गर्मी के मौसम में होने वाले सामान्य अधिकतम तापमान से अधिक तापमान होता है।
- भारतीय मौसम विभाग ऐसी पवनों को गर्म पवनें मानता है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों के लिए कम से कम 40°C या उससे अधिक, तटीय स्टेशनों के लिए 37°C या उससे अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए कम से कम 30°C या उससे अधिक तक पहुँच जाता है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

भारतीय मौसम विभाग गर्म पवनों की क्या परिभाषा देता है?

- जहाँ सामान्य अधिकतम तापमान 40°C या उससे कम है, सामान्य से गर्म पवनें प्रस्थान 5°C से 6°C है और गंभीर गर्म पवनें प्रस्थान 7°C या अधिक है।
- जहां सामान्य अधिकतम 40°C से अधिक है, सामान्य से गर्म पवनें प्रस्थान 4°C से 5°C है, जबकि गंभीर गर्म पवनें प्रस्थान 6°C या अधिक है।
- उन स्थानों पर जहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुंच जाता है, IMD सामान्य के बावजूद गर्म पवनों की घोषणा करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3-विज्ञान

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>ड्रग्स के खिलाफ एक जमीनी आंदोलन: 'विमुक्त'</u>**

- केरल के आबकारी विभाग ने विभाग की पहल 'विमुक्ति' के तहत एक परियोजना को लागू किया - जिसका नाम केरल स्टेट मिशन फॉर डि-एडिक्शन।
- यह शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाएगा।
- अब वार्ड स्तर पर हर तरह से नशे से दूर 18 से 40 वर्ष की आयु के इच्छुक और युवा स्वयंसेवकों को भर्ती करने की प्रक्रिया चल रही है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2-प्रशासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>भारत सरकार ने कंपनी लाभ स्थानांतरण पर रोक लगाने के लिए समझौते को स्वीकृति प्रदान की</u>**

- सरकार ने आधार क्षरण और लाभ हस्तांतरण (BEPS) पर अंकुश लगाने के लिए कर संधि लागू करने हेतु बहुपक्षीय समझौते को अनुमोदित कर दिया है।
- यह कंपनियों को सरकार को कर राजस्व नहीं देकर अपने लाभ को देश के बाहर निवेश करने से रोकने में मदद करेगा।
- यह समझौता आधार क्षरण और लाभ हस्तांतरण (बहुपक्षीय उपकरण) (MLI) को रोकने के लिए कदम उठाता है, जिसपर वित्त मंत्री ने वर्ष 2017 में हस्ताक्षर किए थे।
- आधार क्षरण और लाभ हस्तांतरण उस प्रभाव को कहते हैं जिसमें कंपनियाँ अपने लाभ को अन्य कर न्यायाधिकरण क्षेत्र में निवेश करती हैं, जहाँ अक्सर करों की दर कम होती है, और इस तरह भारत से कर आधार को कम करती हैं।

पृष्ठभूमि:

- यह समझौता आधार क्षरण और लाभ स्थानांतरण से निपटने के लिए OECD/G20 परियोजना के नतीजों में से एक है, जिसमें से भारत भी एक सदस्य है।
- यह समझौता देशों को बहुपक्षीय मार्ग के माध्यम से ऐसे समझौते लागू करने के लिए द्विपक्षीय पुनर्विमर्श प्रक्रिया के बिना गैर-दुरुपयोग BEPS परिणामों को प्राप्त करने हेतु कर संधि संबंधी परिवर्तनों को लागू करने में सक्षम बनाता है, इस तरह से इसमें समय और जटिलताओं में कमी आती है।
- समझौता संधि के दुरुपयोग और आधार क्षरण तथा लाभ हस्तांतरण रणनीतियों के जरिए हुए राजस्व घाटे को कम करने के लिए भारत की संधि को परिवर्तित करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि लाभ पर कराधान लिया गया हो जहाँ मूल आर्थिक गतिविधियों के कारण लाभ का सृजन हो रहा हो और जहाँ मूल्य का निर्माण हुआ हो।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3-अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

7. **कोरियाई असैन्य क्षेत्र**

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तर कोरियाई नेता किम जांग उन के साथ रूकी हुई परमाणु वार्ता को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। दोनों शीर्ष नेताओं ने उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच असैन्य क्षेत्र में वार्ता की। इस वार्ता के साथ डोनाल्ड ट्रंप उत्तर कोरियाई धरती पर पहुंचने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं।

संबंधित जानकारी

कोरियाई असैन्य क्षेत्र

- कोरियाई असैन्य क्षेत्र कोरियाई प्रायद्वीप को उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया में अलग किया है।
- कोरियाई असैन्य क्षेत्र कोरियाई प्रायद्वीप के समानांतर चलने वाली भूमि की एक पट्टी है जो 4 किमी चौड़ी और 240 किमी लंबी है।
- यह उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच बफर जोन के रूप में काम करने के लिए कोरियाई आर्मिस्टिस समझौते के प्रावधानों द्वारा स्थापित किया गया है।
- इसे 1953 में उत्तर कोरिया, चीन और संयुक्त राष्ट्र के बीच समझौते द्वारा बनाया गया था।
- DMZ के अंदर क्षेत्र के पश्चिमी छोर के पास छोटा संयुक्त सुरक्षा क्षेत्र (JSA) है, जो कि दोनों देशों के बीच एक बैठक बिंदु है, जहां बातचीत होती है।
- DMZ और उसके आसपास कते क्षेत्र में, दोनों तरफ सैन्य और नागरिक के हताहत होने की विभिन्न घटनाएं हुई हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 -रक्षा

स्रोत- TOI

8. **उत्तर प्रदेश सरकार ने 17 अन्य पिछड़ा वर्ग को अनुसूचित जाति सूची में स्थानांतरित करने का आदेश 'असंवैधानिक' है: केंद्र सरकार**

- केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का 17 अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को अनुसूचित जाति की सूची में रखने का कदम असंवैधानिक है।
- संविधान के अनुच्छेद 341 (2) के तहत, एससी सूची में परिवर्तन करने की शक्ति केवल संसद के पास है।

संबंधित जानकारी

अनुच्छेद 341

- संविधान का अनुच्छेद 341 अनुसूचित जाति के सदस्यों को कुछ विशेषाधिकार और रियायतें प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 341 के प्रावधान के तहत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में अनुसूचित जाति की पहली सूची संबंधित राज्य सरकार से परामर्श के बाद राष्ट्रपति के अधिसूचित आदेश द्वारा जारी की जानी है।
- लेकिन अनुच्छेद 341 के खंड (2) में कहा गया है कि अनुसूचित जातियों की सूची में किसी भी बाद के समावेश या बहिष्करण को संसद के अधिनियम के माध्यम से परिवर्तित किया जा सकता है।
- अब तक, विभिन्न राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में अनुसूचित जातियों को निर्दिष्ट करने के लिए 1950 और 1978 के बीच छह राष्ट्रपति आदेश जारी किए गए थे।
- इन आदेशों को 1956 और 2016 के बीच संविधान के अनुच्छेद 341 (2) के अनुसार संसद के अधिनियमों द्वारा समय-समय पर संशोधित किया गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2-प्रशासन

स्रोत- द हिंदू

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

04.07.2019

1. **नासा ने चंद्रमा मिशन के लिए लॉन्च-एबॉर्ट प्रणाली का परीक्षण किया है।**

- नासा ने अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर ले जाने के लिए डिज़ाइन किए गए ओरियॉन कैप्सूल के लिए लॉन्च-एबॉर्ट प्रणाली का सफल परीक्षण किया है।

संबंधित जानकारी

ओरियॉन के संदर्भ में जानकारी

- नासा के ओरियॉन अंतरिक्ष यान का निर्माण मनुष्यों को उस स्थान से भी आगे ले जाने के लिए किया गया है, जिस स्थान तक वे पहले कभी नहीं गए हैं।
- ओरियॉन, एक अन्वेषण वाहन के रूप में काम करेगा जो चालक दल को अंतरिक्ष में ले जाएगा, आपातकालीन निकास क्षमता प्रदान करेगा, अंतरिक्ष यात्रा के दौरान चालक दल को स्थिरता प्रदान करेगा और गहरे अंतरिक्ष वापसी वेग से सुरक्षित पुन: प्रवेश प्रदान करेगा।
- ओरियॉन को नासा के नए हैवी लिफ्ट रॉकेट, स्पेस लॉन्च प्रणाली पर लॉन्च किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

2. **किसान क्रेडिट कार्ड के लाभों को मछुआरों तक विस्तारित कर दिया गया है।**

- सरकार ने घोषणा की है कि संशोधित क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड के लाभों को अंतर्देशीय मछुआरों के साथ ही समुद्री मछुआरों तक विस्तारित कर दिया गया है, यह विस्तार उनकी अल्पकालिक आवश्यक्ताओं को पूरा करने हेतु किया गया है।

संबंधित जानकारी

किसान क्रेडिट कार्ड (के.सी.सी.)

- संस्थागत ऋण के माध्यम से कृषि के विभिन्न चरणों में किसानों की वितीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे 1998-99 में शुरू किया गया था।
- के.सी.सी. योजना पूरे देश में सभी सहकारी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।
- नाबार्ड, सहकार बैंको और क्षेत्रीय बैंको के संदर्भ में और वाणिज्यिक बैंकों के संबंध में आर.बी.आई. योजना की निगरानी कर रहा है।
- यह योजना आर. वी. गुप्ता समिति की सिफारिशों पर तैयार की गई थी।

किसान क्रेडिट कार्ड (के.सी.सी.) योजना के उद्देश्य-

- किसानों को सस्ती ब्याज दर पर संस्थागत ऋण प्रदान करना
- आवश्यकता के समय ऋण प्रदान करना
- कटाई के बाद के खर्चों का समर्थन करना
- कृषि से जुड़ी कृषि संपत्ति और गतिविधियों के रखरखाव हेतु कार्यशील पूंजी प्रदान करना
- कृषि और संबद्ध गतिविधियों (भूमि विकास, पंप सेट, वृक्षारोपण, ड्रिप सिंचाई आदि) के लिए निवेश ऋण की आवश्यकता
- किसानों की उपभोग आवश्यकताएं

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडिया टुडे

3. **भारत में गैर-संचारी रोग**

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने "भारत: राष्ट्रों के राज्यों का स्वास्थ्य" नामक रिपोर्ट जारी की है, यह गैर-संचारी रोगों के प्रति योगदान (एन.सी.डी.) है।
- रिपोर्ट के अनुसार, देश में एन.सी.डी. के कारण होने वाली कुल मौंते 1990 में 37.9 प्रतिशत की तुलना में 61.8% थी।

संबंधित जानकारी

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

गैर-संचारी रोग

- ये बीमारियों का एक समूह है जो समय की एक विस्तारित अवधि में व्यक्तियों को प्रभावित करता है जिससे देश पर सामाजिक-आर्थिक बोझ पड़ता है।
- मुख्य रूप से गैर-संचारी बीमारियों के पांच प्रकार हैं-
  (a) कैंसर,
  (b) श्वसन रोग,
  (c) स्ट्रोक
  (d) हृदय संबंधी रोग और
  (e) मधुमेह
- मधुमेह, देश में बहुसंख्यक रुग्णता और मृत्यु दर हेतु जिम्मेदार है।
- मानसिक स्वास्थ्य और चोटों का भी काफी बोझ है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. की रिपोर्ट के अनुसार, एन.सी.डी. के कारण भारतीय राज्यों में 61% मौतें होती हैं।
- हृदय संबंधी बीमारियाँ शीर्ष पर हैं, वर्ष 2016 में भारत में 28.1% लोगों की मृत्यु दिल के दौरे के कारण थी।

गैर-संचारी रोगों पर अंकुश लगाने हेतु सरकार की पहल

- भारत ने गैर-संचारी रोगों को रोकने के लिए प्रतिबद्धता दर्शायी है क्यों कि यह गैर-संचारी रोगों पर डब्ल्यू.एच.ओ. के वैश्विक निगरानी ढांचे को अपनाने वाला पहला देश बन गया है।

एन.पी.सी.डी.सी.एस.

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) के अंतर्गत राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और आघात (एन.पी.सी.डी.सी.एस.) रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम, केंद्र सरकार का एक प्रयास है जो राज्य सरकारों के प्रयासों का पूरक है।
- इस कार्यक्रम के उद्देश्यों में कैंसर सहित सामान्य एन.सी.डी. के लिए स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियां और अवसरवादी स्क्रीनिंग शामिल है।

AMRIT स्टोर

- किफायती दवाओं एवं विश्वसनीय प्रत्यारोपण हेतु उपचार (AMRIT), दीनदयाल आउटलेट विभिन्न संस्थानों/ अस्पतालों में खोले गए हैं।
- इनका उद्देश्य रोगियों को किफायती मूल्य पर कैंसर और हृदय रोगों की दवाएं और प्रत्यारोपण उपलब्ध कराना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 प्रमुख विशेषताएं</u>**

- पिछले पांच वर्षों से देश की औसत जी.डी.पी. वृद्धि 7.5 प्रतिशत है।
- वित्तीय वर्ष 2020 की जी.डी.पी. वृद्धि दर का अनुमान 7% लगाया गया था। यह विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दर्जा पुन: प्राप्त करने में राष्ट्र की सहायता कर सकता

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

है, क्योंकि यह वृद्धि दर भारत की चीन से आगे निकलने में मदद करेगी।

- वित्तीय वर्ष 2019 में लिंग वित्तीय वर्ष घाटा 5.8 प्रतिशत है (3.4 % अनुमानित किया गया था), जब कि वित्तीय वर्ष 2018 में 6.4 प्रतिशत था।
- 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भारत को अवश्य ही 8 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर बनाए रखनी होगी।

टॉपिक- जी.एस.-3- भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>वर्ल्ड स्किल इंडिया "अंतर्राष्ट्रीय क्लाउड कम्प्यूटिंग चुनौती"</u>**

- पहली अंतर्राष्ट्रीय क्लाउड कंप्यूटिंग चुनौती को "वर्ल्ड स्किल इंडिया" कहा गया है, अंतर्राष्ट्रीय क्लाउड कंप्यूटिंग चैलेंज 2019 भारत में आयोजित किया जा रहा है।
- इसका समापन नैसकॉम और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एन.एस.डी.सी.) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।
- भारत के साथ 9 अन्य देश न्यूजीलैंड, बेल्जियम, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, रूस, ओमान और आयरलैंड क्लाउड कंप्यूटिंग प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।
- क्लाउड कंप्यूटिंग इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न सेवाओं का वितरण है।
- सेवाओं को व्यापक रूप से तीन श्रेणियों में बांटा गया है:

  (a) ढांचा सेवा के रूप में (IaaS),
  (b) प्लेटफार्म सेवा के रूप में (PaaS)
  (c) सॉफ्टवेयर सेवा के रूप में (SaaS)

संबंधित जानकारी

"वर्ल्ड स्किल इंडिया"

- यह वर्ष 2011 में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा शुरू की गई एक पहल है।
- यह उद्योग 0 के लिए प्रमुख व्यावसायिक कौशल सेटों का मुकाबला करने, अनुभव करने, सीखने और विकसित करने के लिए उद्योगों और शिक्षकों के साथ युवाओं को एक मंच प्रदान करना चाहता है।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम

- यह एक गैर-लाभकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है।
- एन.एस.डी.सी. की स्थापना वित्त मंत्रालय ने एक सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) मॉडल के रूप में की थी।
- इसका उद्देश्य बड़े, गुणवत्तापूर्ण और लाभकारी व्यावसायिक संस्थानों के निर्माण को उत्प्रेरित करके कौशल विकास को बढ़ावा देना है।
- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एम.एस.डी.ई.) के पास एन.एस.डी.सी. की 49% शेयर पूंजी है, जबकि निजी क्षेत्र में 51% शेयर पूंजी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>हीट स्ट्रेस ने भारत को सबसे अधिक प्रभावित किया है: आई.एल.ओ. की रिपोर्ट</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.) के अनुसार, भारत का कार्यबल हीट स्ट्रेस से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।
- काम और पर्यावरणीय स्थितियों से शरीर की गर्मी बढ़ने से वर्ष 2030 तक दुनिया भर में काम के कुल घंटों में 2 प्रतिशत की उत्पादकता हानि होगी।
- हीट स्ट्रेस के कारण, वर्ष 2030 तक भारतीयों काम के घंटो में 8 प्रतिशत की कमी होने का अनुमान है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- भारत में कृषि क्षेत्र में काम करना एक अधिक गर्म ग्रह पर काम करने के समान होगा और विनिर्माण क्षेत्र में काम के अधिक घंटों का नुकसान होने का अनुमान है।

हीट स्ट्रेस

- इसे ऊष्मा के रूप में परिभाषित किया गया है जिसकी अधिकता में शरीर बिना किसी शारीरिक दुर्बलता के सहन कर सकता है।
- यह सामान्यत: उच्च आर्द्रता में 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक के तापमान पर होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **छह हिमालयी ग्लेशियर प्रति वर्ष 13 से 33 मि.मी. की दर से पिघल रहे हैं: सरकार**

- हाल ही में, एन.सी.पी.ओ.आर. ने छह हिमालयी ग्लेशियरों की निगरानी की है जो प्रति वर्ष 13 से 33 मिलीमीटर की दर से पीछे हट रहे हैं।
- ये छह ग्लेशियर- सुत्रि ढाका, बातल, बारा शिगरी, समुद्रा टापू, गेपांग गथ और कुंजुम पर द्रव्यमान, ऊर्जा और जल विज्ञान संतुलन की निगरानी की जा रही है।

हिमालयी ग्लेशियरों पर एन.सी.पी.ओ.आर. का अध्ययन

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओ.ई.एस.) के अंतर्गत एन.सी.पी.ओ.आर. ने वर्ष 2013 से लाहौल-स्पीति (हिमाचल प्रदेश) में चंद्र बेसिन में पश्चिमी हिमालय में अध्ययन किया है।
- एन.सी.पी.ओ.आर. द्वारा चंद्र बेसिन में किए गए अध्ययनों में प्रति वर्ष 13 से 33 मि.मी. की सीमा में इन ग्लेशियरों के पीछे हटने की अलग-अलग दरों का संकेत मिला है।
- पिघलने की दर ग्लेशियर से ग्लेशियर के क्षेत्र की स्थलाकृति और जलवायु परिवर्तनशीलता के आधार पर भिन्न होती है।

राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एन.सी.पी.ओ.आर.)

- इसे पूर्व में राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं महासागर अनुसंधान केंद्र के रूप में जाना जाता था, जो गोवा में स्थित एक भारतीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान है।
- यह भारत सरकार के महासागर विकास विभाग (डी.ओ.डी.) का एक स्वायत्त संस्थान है, जो भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम के संचालन हेतु जिम्मेदार है और मैत्री में स्थित भारत सरकार के अंटार्कटिक अनुसंधान स्टेशन की देखरेख करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

05.07.2019

1. **बजट 2019-20 की प्रमुख विशेषताएं**

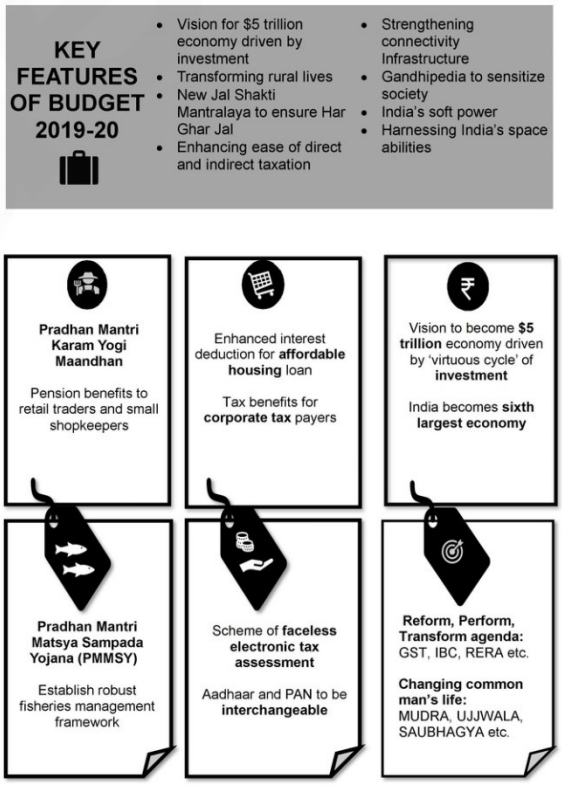

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

2. **पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन एवं उत्थान हेतु कोष योजना (SFURTI)**

- सरकार का लक्ष्य SFURTI योजना के अंतर्गत अधिक सामान्य सुविधा केंद्र (सी.एफ.सी.) स्थापित करना है।
- केंद्रीय बजट 2019-20 को लोकसभा में पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा है कि यह पारंपरिक उद्योगों को अधिक उत्पादक, लाभदायक और सतत रोजगार के अवसर पैदा करने में सक्षम बनाने हेतु समूह आधारित विकास की सुविधा प्रदान करेगा।
- बांस, शहद और खादी समूहों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- SFURTI, आर्थिक मूल्य श्रृंखला में शामिल होने हेतु 50,000 कारीगरों को सक्षम बनाने हेतु वर्ष 2019-20 के दौरान 100 नए समूहों की स्थापना करने की कल्पना करता है।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी योजनाएं

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **नवाचार, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता के संवर्धन हेतु योजना (एस्पाइर)**

- इस योजना को आजीविका व्यापार इनक्यूबेटर्स (एल.बी.आई.) और प्रौद्योगिकी व्यापार इन्क्यूबेटर्स (टी.बी.आई.) की स्थापना के लिए समेकित किया गया है।
- इस योजना से कृषि-ग्रामीण उद्योग क्षेत्रों में 75,000 कुशल उद्यमियों को विकसित करने हेतु वर्ष 2019-20 में 80 आजीविका व्यापार इनक्यूबेटर्स (एल.बी.आई.) और 20 टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (टी.बी.आई.) स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी योजनाएं

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.)**

- मत्स्य विभाग, एक मजबूत मत्स्य प्रबंधन ढांचा स्थापित करेगा।
- यह बुनियादी ढांचे, आधुनिकीकरण, पता लगाने की क्षमता, उत्पादन, उत्पादकता, कटाई के बाद का प्रबंधन और गुणवत्ता नियंत्रण सहित मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने में महत्वपूर्ण अंतराल को संबोधित करेगा।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी योजनाएं

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **भारत-फ्रांस संयुक्त वायु युद्धाभ्यास गरुड़-VI**

- यह भारत और फ्रांस के मध्य एक द्विपक्षीय वायु युद्धाभ्यास है जो फ्रांस के मॉन्ट डे मार्सन में आयोजित किया जा रहा है।
- भारतीय वायु सेना-फ्रांसीसी वायु सेना के मध्य संयुक्त युद्धाभ्यास का अंतिम संस्करण जून, 2014 में राजस्थान के वायु सेना स्टेशन जोधपुर में आयोजित किया गया था।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य हवाई रक्षा और जमीनी हमले के अभियानों में फ्रांसीसी और भारतीय चालक दल के मध्य अंतरकार्यकारिता को बढ़ाना है।

भारत और फ्रांस के मध्य अन्य द्विपक्षीय युद्धाभ्यास

- वरुण 2018- भारत-फ्रांस संयुक्त नौसेना युद्धाभ्यास
- शक्ति- यह एक संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **भारत में शिक्षा की स्थिति पर रिपोर्ट-2019: दिव्यांग बच्चे**

- यूनेस्को और टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टी.आई.एस.एस.) ने भारत में शिक्षा की स्थिति पर रिपोर्ट-2019 जारी की है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- यह रिपोर्ट दिव्यांग बच्चों के शिक्षा के अधिकार के संबंध में उपलब्धियों और चुनौतियों को दर्शाती है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह रिपोर्ट 2011 की जनगणना के आंकड़ों का हवाला देती है, जिसमें ज्ञात हुआ है कि देश में 5-19 वर्ष की आयु वर्ग के 78 लाख से अधिक दिव्यांग बच्चे हैं।
- भारत में 5 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के 27% दिव्यांग बच्चों ने कभी किसी शैक्षणिक संस्थान में भाग नहीं लिया है, जब कि पांच वर्ष की आयु के लगभग 75% दिव्यांग बच्चे स्कूल नहीं गए हैं।
- इस रिपोर्ट से यह भी ज्ञात होता है कि स्कूल में दिव्यांग लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या कम है।
- यह रिपोर्ट स्कूल में दिव्यांग बच्चों की संख्या में कमी को सुलभ भौतिक अवसंरचना, स्कूल प्रक्रियाओं, सहायक प्रौद्योगिकियों, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और उपकरणों तक पहुँच की कमी के कारण को जिम्मेदार ठहराती है।
- इस रिपोर्ट ने शिक्षा का अधिकार (आर.टी.ई.) अधिनियम, 2009 में संशोधन करने की सिफारिश की है, जिससे कि इसे दिव्यांग व्यक्ति के अधिकार अधिनियम, 2016 के साथ संरेखित किया जा सके।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>सबसे लंबी विद्युतीकृत रेलवे सुरंग</u>**

- दक्षिण मध्य रेलवे ने भारतीय रेलवे में सबसे लंबी विद्युतीकृत सुरंग का साधिकार किया है।
- इस सुरंग की लंबाई 6.6 किलोमीटर है, यह सुरंग चेरलोपल्ली और रापूरु स्टेशन के बीच में स्थित है।
- इस विद्युतीकृत सुरंग का निर्माण, नई ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विधि के आधार पर किया गया है।
- यह नई लाइन दक्षिण तट और पश्चिम तट रेलवे के बीच प्रत्यक्ष और व्यवहार्य कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करेगी और इस क्षेत्र के माल ढुलाई राजस्व में सुधार करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल (ढांचा)

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>बांग्लादेश ने अपनी नदियों को 'कानूनी व्यक्ति' घोषित कर दिया है।</u>**

- बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने देश की नदियों को अतिक्रमण से बचाने के लिए नदियों को "जीवित इकाई" के अधिकार और दर्जा प्रदान किया है।
- बांग्लादेश कोलंबिया, भारत और न्यूजीलैंड के बाद अपने जलमार्गों को इस प्रकार का सम्मान प्रदान करने वाला चौथा राष्ट्र बन गया है।
- न्यायालय ने देश के नदी संरक्षण आयोग को सभी जलमार्गों के कानूनी संरक्षक के रूप में नियुक्त किया है और अन्य राज्य संस्थाओं को उनकी पूरी तरह से सहायता करने का निर्देश दिया है।
- बांग्लादेश की अधिकांश नदियाँ दो मुख्य हिमालयी नदियों की शाखाएँ और सहायक नदियाँ हैं, ये नदियां गंगा और ब्रह्मपुत्र हैं जो बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले बांग्लादेश से होकर बहती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

08.07.2019

1. **<u>जयपुर को यूनेस्को विश्व विरासत स्थल का दर्जा प्रदान किया गया है।</u>**

- दीवारों से घिरे हुए जयपुर शहर ने यूनेस्को विश्व विरासत स्थल समिति के 43वें सत्र में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में प्रवेश किया है, जो बाकू (अज़रबैजान) में आयोजित किया जा रहा है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- भारत, अब 38वां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है (जिसमें 30 सांस्कृतिक विशेषताएं, 7 प्राकृतिक विशेषताएं और 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं)।
- विश्व विरासत स्थलों की सूची को विश्व विरासत कार्यक्रम द्वारा विनियमित किया जाता है जिसे यूनेस्को की विश्व विरासत समिति द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- विश्व विरासत स्थल के चयन हेतु मानदंड को विश्व विरासत सम्मेलन, 1972 में व्याख्यित किया गया है।

संबंधित जानकारी

गुलाबी शहर जयपुर

- राजस्थान के ऐतिहासिक शहर जयपुर की स्थापना 1727 ई. में सवाई जय सिंह द्वितीय के संरक्षण में की गई थी।
- यह सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य राजस्थान की राजधानी है।
- जयपुर शहर, दक्षिण एशिया में स्वदेशी शहर योजना एवं निर्माण में एक असाधारण शहरी उदाहरण है।
- गोविंद देव मंदिर, सिटी पैलेस, जंतर मंतर और हवा महल जैसे प्रतिष्ठित स्मारक, इस युग की कलात्मक और वास्तुकला क्राफ्टमैनशिप मे उत्कृष्टता थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>डीप-सी.ई.ई.: एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) उपकरण</u>**

- शोधकर्ताओं ने एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.)-संचालित उपकरण विकसित किया है जिसे रंगीन तस्वीरों को "देखने" और शीघ्रता से आकाशगंगा समूहों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।
- "डीप-सी.ई.ई." (आकाशगंगा समूहों के निष्कर्षण एवं मूल्यांकन हेतु गहन अधिगम) मॉडल, तंत्रिका नेटवर्क पर आधारित है, जो विशिष्ट प्रारूपों और रंगों को देखते हुए विशिष्ट न्यूरॉन्स को सक्रिय करके वस्तुओं को पहचानने के मानव के तरीके को जानने हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- आकाशगंगा समूह, सबसे चरम वातावरण का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसमें आकाशगंगा रह सकते हैं और उनका अध्ययन करने से हमें डार्क द्रव्य और डार्क ऊर्जा को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- साइंस डेली

3. **<u>न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड को अंतरिक्ष विभाग की नई वाणिज्यिक शाखा के रूप में शामिल किया गया है।</u>**

- केंद्रीय बजट 2019-20 में, सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अर्थात न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एन.एस.आई.एल.) को अंतरिक्ष विभाग की नई वाणिज्यिक शाखा के रूप में घोषणा की है।

संबंधित जानकारी

न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड

- यह एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, इसे इसरो द्वारा किए गए अनुसंधान एवं विकास के लाभों को वितरित करने के लिए अंतरिक्ष विभाग की एक नई वाणिज्यिक शाखा के रूप में शामिल किया गया है।
- यह व्यावसायिक रूप से भारत की अंतरिक्ष शक्ति का दोहन करने में मदद करता है।
- यह प्रक्षेपण यानों के उत्पादन, प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण और अंतरिक्ष उत्पादों के विपणन सहित अंतरिक्ष उत्पादों के व्यावसायीकरण का भी प्रसार करता है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- एन.एस.आई.एल., इसरो की एक अन्य वाणिज्यिक शाखा "एंट्रिक्स" की उपस्थिति में कार्य करेगा, जो इसरो के संपूर्ण वाणिज्यिक कारोबार का संचालन कर रहा है।
- इस समय, भारत अपने दायित्व को अंतर्राष्ट्रीय मानक के साथ बाहरी अंतरिक्ष में संरेखित करने के लिए 'अंतरिक्ष गतिविधियां विधेयक' का प्रसंस्करण कर रहा है।
- इसका अर्थ है कि कोई भी भारतीय अंतरिक्ष वस्तु, अंतरिक्ष में किसी अन्य (प्राकृतिक या मानव निर्मित) वस्तु को नुकसान पहुंचाती है तो भारत के पास एक वित्तीय योजना होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>बजट 2019-20 में भारत के 10-बिंदु "दशक हेतु दृष्टिकोण" को चिह्नित किया गया है।</u>**

- केंद्रीय बजट 2019-20 में, वित्त मंत्री ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वर्ष में 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी और वर्ष 2024-25 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को प्राप्त करने की राह पर अग्रसर है।

संबंधित जानकारी

दशक हेतु दृष्टिकोण 10 बिंदु:

- भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना
- डिजिटल इंडिया को अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में पहुंचाना
- ग्रीन मदर अर्थ और ब्लू स्काइस के साथ प्रदूषण मुक्त भारत
- एम.एस.एम.ई., स्टार्ट-अप, रक्षा विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैब्स और बैटरी और चिकित्सा उपकरणों पर विशेष जोर देने के साथ मेक इन इंडिया
- जल, जल प्रबंधन, स्वच्छ नदियाँ
- नीली अर्थव्यवस्था
- अंतरिक्ष कार्यक्रम: गगनयान, चंद्रयान और उपग्रह कार्यक्रम
- खाद्यान्नों, दालों, तिलहन, फलों और सब्जियों की आत्मनिर्भरता और निर्यात
- स्वस्थ समाज- आयुष्मान भारत, सुपोषित महिलाएँ और बच्चे, नागरिकों की सुरक्षा
- जनभागीदारी के साथ टीम इंडिया, न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>वन्यजीव जनसंख्या प्रबंधन हेतु प्रतिरक्षा गर्भनिरोधक</u>**

- पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MOEFCC) ने जंगली जानवरों की चार प्रजातियों के जनसंख्या प्रबंधन हेतु "प्रतिरक्षा गर्भनिरोधक उपायों" के लिए एक परियोजना शुरू की है।
- भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू.आई.आई.) और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एन.आई.आई.) ने प्रतिरक्षा गर्भनिरोधक का प्रोटोकॉल विकसित किया है।
- इस परियोजना का उद्देश्य जंगली जानवरों की चार प्रजातियों- हाथी, जंगली सूअर, बंदर और नीला सांड (नीलगाय) की जनसंख्या को नियंत्रित करना है।
- यह परियोजना उत्तराखंड में शुरू की जाएगी और फिर अन्य राज्यों में विस्तारित की जाएगी।

संबंधित जानकारी

प्रतिरक्षा गर्भनिरोधक

- यह एक ऐसी तकनीक है जो अंडे के चारों ओर एक प्रोटीन का निर्माण करने के लिए एक मादा पशु की प्रतिरक्षा प्रणाली का उपयोग करती है जो इसे निषेचन करने से बचाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

6. **भारतीय हज सूचना प्रणाली (हज ऐप)**

- सऊदी अरब में भारतीय हज मिशन ने डिजिटल इंडिया की भारत सरकार की पहल के हिस्से के रूप में बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों तक पहुंचने के लिए डिजिटल तकनीक को अपनाया है।
- इस एप्लिकेशन को हाजियों से फीडबैक और शिकायतें प्राप्त करने के लिए विकसित किया गया है।
- यह ऐप उनके संबंधित राज्य के कादिमुलहज्जाज नामक हज सेवा समन्वयकों को तीर्थयात्रियों से जोड़ता है।
- कादिमुलहज्जाज, सरकारी कर्मचारी हैं जिन्हें हज के दौरान तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए नियुक्त किया जाता है।

संबंधित जानकारी

ई-मसीहा

- हज जाने वाले तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य की स्थिति और चिकित्सा के इतिहास को ऑनलाइन "ई-मसीहा" (विदेश में भारतीय हाजियों हेतु चिकित्सा सहायता प्रणाली) में संग्रहीत किया जा रहा है।
- जब भी यात्री हज के दौरान भारतीय चिकित्सा सुविधा केंद्रो पर जाएगा तो ई-मसीहा, तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को पुन: प्राप्त कर लेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **शिक्षा बजट 2019-20**

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट 2019-20 में घोषणा की है कि अनुसंधान और नवाचार के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एन.आर.एफ.) की स्थापना की जाएगी।
- शिक्षा के क्षेत्र में "विश्वस्तरीय संस्थान" का निर्माण करने हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए 400 करोड़ रूपए की धनराशि प्रदान की गई है, जो पिछले वर्ष के संशोधित अनुमानों से तीन गुना से अधिक है।
- सरकार, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को वैश्विक सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रणालियों में से एक में परिवर्तित करने हेतु "नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति" भी लाएगी।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन

- यह देश में अनुसंधान का वित्तपोषण, समन्वय और संवर्धन करने हेतु स्थापित किया जाएगा।
- यह प्रयासों और व्यय के प्रतिलिपिकरण के बिना हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और आधारभूत विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम की घोषणा की गई थी, जो हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में विदेशी छात्रों को पढ़ने के लिए लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एच.ई.सी.आई.) की स्थापना के लिए मसौदा कानून आने वाले वर्ष में प्रस्तुत किया जाएगा।
- इससे अधिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने और बेहतर अकादमिक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उच्च शिक्षा की विनियामक प्रणाली को व्यापक रूप से सुधारने में मदद मिलेगी।
- सभी स्तरों पर खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों के विकास हेतु राष्ट्रीय खेल शिक्षा बोर्ड की स्थापना की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थव्यवस्था

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **लोशारिक (ए.एस.-12 या ए.एस.-31): रूसी पनडुब्बी**

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- हाल ही में, रूसी सीमा जल के भीतर लोशारिक (ए.एस. -12 या ए.एस. -31) नामक परमाणु पनडुब्बी में आग लगाकर 14 रूसी नाविक मार दिए गए हैं।

पनडुब्बी के संदर्भ में जानकारी

- यह रूस की एक अत्याधिक उन्नत परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी है।
- यह रूसी नौसेना द्वारा संचालित एक गहन-गोताखोर विशेष मिशन का जहाज है।
- यह अधिक गहराई पर उच्च दबाव में स्थिर रहने में सक्षम है, जो इसे समुद्र तल का सर्वेक्षण करने में सक्षम बनाता है।
- यह सामान्यत: एक बड़ी पनडुब्बी की पतवार के नीचे संचालित किया जाता है और यह स्वयं एक छोटी पनडुब्बी को छोड़ने में सक्षम है।
- रूसी सेना के अनुसार, पनडुब्बी "बैथिमीट्रिक माप" या जल के नीचे मानचित्रण कर रही थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- लाइवमिंट

9. **<u>वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की जलवायु को प्रभावित करने वाली ब्रह्मांडीय किरणों का साक्ष्य पाया है।</u>**

- वैज्ञानिकों के अनुसार, अंतरिक्ष से होने वाले उच्च-ऊर्जा विकिरण को गांगेय ब्रह्मांडीय किरणों के नाम से जाना जाता है, जो बादलों के क्षेत्र को बढ़ाकर और "छाता प्रभाव" के कारण पृथ्वी की जलवायु को प्रभावित कर सकता है।
- बादलों के निर्माण पर गांगेय ब्रह्माण्डीय किरणों (जी.सी.आर.) के प्रभाव को मौसम और जलवायु पर सौर गतिविधि प्रभाव के तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने का सुझाव दिया गया है।
- वायुमंडलीय तापमान और हवा में जलवाष्प की मात्रा के अतिरिक्त अंतरिक्ष के माध्यम से नीचे आने वाली ब्रह्मांडीय किरणें भी बादल बनाने की दिशा में योगदान करती हैं।
- यह पृथ्वी के भू-चुंबकीय उत्क्रमण के दौरान विशेष रूप से होता है- एक ऐसी परिघटना है जहां ग्रह का समग्र चुंबकीय क्षेत्र पलट जाता है।
- ये किरणें निचले बादलों के निर्माण या वैश्विक बादल क्षेत्र को बढ़ा सकती हैं जो अंतत: पृथ्वी के वातावरण को ठंडा करेगा।

संबंधित जानकारी

ब्रह्मांडीय किरणों

- ब्रह्मांडीय किरणें, उच्च-ऊर्जा विकिरण का एक रूप हैं, जो मुख्य रूप से सौर मंडल के बाहर उत्पन्न होती हैं और यहां तक कि दूर की आकाशगंगाओं से भी उत्पन्न होती हैं।
- यह मुख्य रूप से उच्च-ऊर्जा प्रोटॉन और परमाणु नाभिक से मिलकर बनी होती हैं, इनकी उत्पत्ति या तो सूर्य से या सौर मंडल के बाहर से हुई है।
- प्राथमिक ब्रह्मांडीय किरणों का एक महत्वपूर्ण अंश, सितारों के सुपरनोवा विस्फोटों से उत्पन्न होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

09.07.2019

1. **<u>आर.बी.आई. बोर्ड ने "उत्कर्ष 2022" को अंतिम रूप प्रदान किया है।</u>**

- आर.बी.आई. बोर्ड ने केंद्रीय बैंक के अन्य कार्यों के मध्य विनियमन और पर्यवेक्षण में सुधार करने हेतु तीन-वर्षीय रोडमैप को अंतिम रूप प्रदान किया है।
- "उत्कर्ष 2022", विनियामक और पर्यवेक्षण तंत्र को मजबूत करने हेतु वैश्विक केंद्रीय बैंकों की योजना के अनुरूप है।
- यह केंद्रीय बैंक के विनियमन, पर्यवेक्षण में सुधार के लिए मध्यम अवधि के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु तीन वर्षीय रोड मैप है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य को उन मुद्दों की पहचान करने के लिए नियुक्त किया गया था जिनका अगले तीन वर्षों में समाधान करने की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र (वित्तीय संस्थान)

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने "कौशल युवा संवाद" शुरू किया है।</u>**

- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने 15 जुलाई, 2019 को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर “कौशल युवा संवाद” (एक युवा संवाद) शुरू करने की घोषणा की है।
- युवा कौशल विकास में निवेश करने की महत्ता के बारे में जागरूकता को बढ़ाने हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रत्येक वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाती है।
- कौशल युवा संवाद का उद्देश्य सभी कौशल प्रशिक्षण केंद्रों के युवाओं के दृष्टिकोणों, विचारों, अवसरों और सिफारिशों को सुनने हेतु एक स्वतंत्र वार्तालाप का निर्माण करना था।
- यह मंत्रालय की मौजूदा कार्यक्रमों की स्केलिंग करने और अपनी परियोजनाओं की समग्र दक्षता में सुधार करने में मदद कर सकता है।
- यह अंतरों को पहचानने और इस प्रकार सुधारने का इरादा रखता है कि सभी कौशल विकास कार्यक्रम वर्तमान की मांग के आधार पर संरेखित होने चाहिए और भविष्य के लिए एक कुशल कार्यबल का निर्माण करने में मदद कर सके।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>मध्य प्रदेश सरकार, भारत के पहले गौ अभयारण्य का निजीकरण करने जा रही है।</u>**

- मध्य प्रदेश सरकार सितंबर, 2017 में स्थापित भारत के पहले गौ अभयारण्य का निजीकरण करेगी।
- वित्तीय संकट के कारण निजीकरण का निर्णय लिया गया है।

कामधेनु गौ अभ्यारण्य

- यह अभयारण्य भोपाल के उत्तर पश्चिम में 190 कि.मी. की दूरी पर आगर मालवा में स्थित है, जिसे मध्य प्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड ने लगभग 32 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया था।
- इस अभ्यारण्य में मुख्य रूप से वे गायें हैं जो वृद्ध और बीमार हैं अथवा जिन्होंने दूध देना बंद कर दिया है।
- कामधेनु गौ अभ्यारण्य, मध्य प्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड की पहल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>अफ्रीकी नेता, ए.यू. शिखर सम्मेलन में ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने हेतु तैयार हैं।</u>**

- अफ्रीकी नेता, एक ऐतिहासिक अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने हेतु अफ्रीकी संघ (ए.यू.) शिखर सम्मेलन मे नाइजर में मिलेंगे।
- नए मुक्त व्यापार क्षेत्र का लक्ष्य अफ्रीका के भीतर व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि करना है।
- वर्तमान में, यूरोपीय देशों में 65% की तुलना में अफ्रीकी देश एक दूसरे के साथ केवल 16% व्यापार करते हैं।

संबंधित जानकारी

अफ्रीकी संघ

- यह एक महाद्वीपीय संघ है जो अफ्रीका में स्थित यूरोपीय अधिकार के विभिन्न क्षेत्रों को छोड़कर अफ्रीका महाद्वीप में स्थित 55 सदस्य राज्यों से मिलकर बना है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- अफ्रीकी संघ की घोषणा 9 सितंबर, 1999 को लीबिया के सिरते में सिरते घोषणापत्र में की गई थी।
- अफ्रीकी संघ का इरादा अफ्रीकी एकता संगठन को प्रतिस्थापित करना है।
- ए.यू. का सचिवालय, अफ्रीकी संघ आयोग, अद्दिस अबाबा में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **इटली की प्रोसेक्को पहाड़ी को यूनेस्को धरोहर सूची में शामिल किया गया हैं।**

- इटली की प्रोसेक्को पहाड़ी जो अपनी प्रोसेक्को वाइन के लिए प्रसिद्ध है, इसे हाल ही में, यूनेस्को धरोहर सूची में शामिल किया गया है।
- इसे वास्तुकार फ्रैंक लॉयड राइट द्वारा डिजाइन की गई आठ इमारतों में भी शामिल किया गया है, इस सूची में न्यूयॉर्क में स्थित गुगेनहीम संग्रहालय भी शामिल है।

संबंधित जानकारी

विश्व धरोहर स्थल

- यह 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन' द्वारा सूचीबद्ध है।
- यह 'विश्व सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित सम्मेलन' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है, जो वर्ष 1972 में यूनेस्को द्वारा अपनाई गई थी।
- विश्व धरोहर नामांकन हेतु स्थल के पास एक उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य (ओ.यू.वी.) होना चाहिए।
- विश्व धरोहर नामांकन हेतु ओ.यूवी का निर्धारण करने हेतु 10 सूचीबद्ध मापदंड हैं।
- प्रस्तावित नामांकन को इन दस मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करना अनिवार्य होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

6. **बी.एस.एफ. ने पंजाब और जम्मू में पाकिस्तान की सीमा को मजबूत करने हेतु 'सुदर्शन' ऑपरेशन शुरू किया है।**

- सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) ने पंजाब और जम्मू में पाकिस्तानी सीमा पर 'घुसपैठ रोधी ग्रिड' को मजबूत करने हेतु 'सुदर्शन' नामक बड़े पैमाने पर एक युद्धाभ्यास शुरू किया है।
- इस युद्धाभ्यास में पूरे बी.एस.एफ. के वरिष्ठ क्षेत्र के ब्रास, हजारों सैनिकों और मशीनरी को इन आगे के क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा।
- यह ऑपरेशन 1 जुलाई को शुरू किया गया था और यह भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा की पूरी 1,000 किलोमीटर की लंबाई को शामिल करेगा।
- जब कि जम्मू, पाकिस्तान के साथ सीमा के लगभग 485 किलोमीटर की सीमा साझा करता है, पंजाब लगभग 553 कि.मी. की सीमा साझा करता है।
- बी.एस.एफ., 'रक्षा की पहली पंक्ति' के रूप में इस सीमा की रक्षा करने वाला प्राथमिक सैन्यबल है।

टॉपिक- जी.एस.-3- रक्षा

स्रोत- न्यू इंडियन एक्सप्रेस

7. **'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना: उत्तराखंड, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में है।**

- उत्तराखंड को केंद्रीय योजना "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं" में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले देश के पांच राज्यों में से एक के रूप में घोषित किया गया है, इस योजना का उद्देश्य बाल लिंगानुपात में गिरावट और महिला सशक्तीकरण के मुद्दे को संबोधित करना है।
- जन्म के समय लिंगानुपात के संबंध में अपने निरंतर प्रदर्शन की पहचान के साथ अन्य

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

चयनित राज्यों के साथ राज्य को सम्मानित किया जाएगा।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ (बी.बी.बी.पी.)

- इस योजना को 22 जनवरी, 2015 को प्रधामंत्री द्वारा हरियाणा के पानीपत में शुरू किया गया था।
- इस योजना के उद्देश्य- बाल लिंगानुपात में सुधार, बेटियों को संरक्षण और शिक्षा प्रदान करना है।
- इस योजना में तीन मंत्रालय- महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और मानव संसाधन विकास मंत्रालय शामिल हैं।
- प्रारंभ में, इस योजना को कम बाल लिंगानुपात वाले 100 जिलों पर केंद्रित किया गया था।
- इस योजना के प्रमुख तत्वों में राष्ट्रव्यापी जागरूकता और वकालत अभियान और बहुपक्षीय कार्रवाई शामिल हैं।
- बहु-क्षेत्रीय कार्रवाई में पूर्व गर्भधारण एवं प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीकि (पी.सी. एंड पी.एन.डी.टी.) अधिनियम, प्रसव पूर्व/ प्रसव के बाद माता की देखभाल, स्कूलों में लड़कियों का नामांकन, सामुदायिक सहभागिता/ प्रशिक्षण/ जागरूकता सृजन आदि के प्रभावी प्रवर्तन शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सरकारी योजनाएं

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. **<u>जिला पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन पैनल हेतु योजना की कड़ी आलोचना की जा रही है।</u>**

- सरकार ने पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना (ई.आई.ए.), 2019 पर एक मसौदा कानून जारी किया है जिसका उद्देश्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन 2006 को अपडेट करना है।
- प्रस्तावित पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2019 के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट (डी.एम.), विशेषज्ञ प्राधिकरण या जिला पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण (डी.ई.आई.ए.ए.) का अध्यक्ष होगा।
- वे "लघु" खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी प्रदान करने में मदद करेंगे।
- लघु खनन व्यापक रूप से 25 हेक्टेयर से छोटे भूखंडों में रेत और पत्थर के खनन को संदर्भित करता है।
- जिला मजिस्ट्रेटों को जिला पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण का प्रमुख बनाना "हितों के टकराव" का कारण है।
- हालांकि, राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.) ने मसौदा कानून पर आपत्ति जताई है।

संबंधित जानकारी

पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन

- यह एक प्रक्रिया है जो पर्यावरण के सभी पहलुओं का अध्ययन करती है और पर्यावरण पर एक प्रस्तावित परियोजना या विकास के प्रभाव (सकारात्मक और/ या नकारात्मक) का अनुमान लगाने का प्रयास करती है।
- यह विकासात्मक गतिविधियों की 29 श्रेणियों के लिए पर्यावरणीय (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अनिवार्य है, जिसमें 50 करोड़ और उससे अधिक का निवेश शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

10.07.2019

1. **<u>ऑपरेशन मिलाप</u>**

- दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन मिलाप के अंतर्गत राजधानी शहर से 333 बच्चों को बचाया है।

संबंधित जानकारी

ऑपरेशन मिलाप

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- ऑपरेशन मिलाप को दिसंबर, 2014 में लॉन्च किया गया था, इस ऑपरेशन के अंतर्गत बच्चों को बचाया जाता है।
- इस परियोजना के अंतर्गत, दिल्ली पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई (ए.एच.टी.यू.) सूचना विकसित करती है और तस्करी किए गए या अपहृत व्यक्ति को बचाती है और अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार करती है।
- बचाए गए बच्चों की काउंसलिंग की जाती है और उसे आवश्यक चिकित्सा भी प्रदान की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सामाजिक मुद्दे

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **<u>हरियाणा ने किसानों के लिए "मेरी फसल मेरा ब्योरा" पोर्टल लॉन्च किया है।</u>**

- हरियाणा सरकार ने "मेरी फसल मेरा ब्योरा" पोर्टल शुरू करने की घोषणा की है।

संबंधित जानकारी

'मेरी फसल, मेरा ब्योरा' पोर्टल

- यह पोर्टल किसानों के फसल संबंधी विवरण को अपलोड करने के बाद प्रत्यक्ष रूप से कई सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कारकर किसानों की मदद करेगा।
- यह पोर्टल किसानों की भलाई के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, राजस्व विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग और उपभोक्ता मामलों का विभाग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को एक मंच पर लाया है।
- किसानों को बोई गई फसल का नाम, खेती का क्षेत्रफल, फसल का महीना, बैंक खाता संख्या और मोबाइल नंबर जैसी जानकारी अपलोड करने की आवश्यक्ता होगी।
- यह प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के दौरान फसल क्षति का आकलन भी करेगी और राहत के वितरण को आसान बनाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>बायबैक टैक्स: बजट 2019</u>**

- केंद्रीय बजट 2019 में कंपनियों द्वारा शेयरों की पुनर्खरीदी पर कर को 20 प्रतिशत करना प्रस्तावित किया गया है।
- वर्तमान में, बायबैक टैक्स केवल गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लिए लागू है।
- बायबैक अनिवार्य रूप से एक योजना है जिसके द्वारा एक कंपनी अपने बकाया शेयरों की एक निश्चित राशि की पुनर्खरीद करती है।
- एक बार वापस लेने पर, कंपनी द्वारा इन शेयरों को समाप्त कर दिया जाता है।
- यह महसूस किया गया था कि कई कंपनियां लाभांश वितरण कर के कारण लाभांश भुगतान से बच रही थीं।
- इसके बजाय, कंपनियां शेयर बायबैक के माध्यम से शेयरधारकों को नकद वापस कर रही थीं।
- शेयरों की पुनर्खरीद पर प्रस्तावित टैक्स का उद्देश्य इन खामियों को दूर करना है।

संबंधित जानकारी

लाभांश वितरण कर (डी.डी.टी.)

- लाभांश वितरण कर (डी.डी.टी.) को केंद्रीय बजट 2007 में पेश किया गया था।
- लाभांश प्राप्त करने वाले निवेशकों को कर का भुगतान नहीं करना पड़ता है लेकिन लाभांश देने वाली कंपनियों को सरकार को डी.डी.टी. का भुगतान करना पड़ता है।
- डी.डी.टी. की दर 15 प्रतिशत है। उपकर और अधिभार को मिलाकर यह दर लगभग 20 प्रतिशत है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

4. **<u>भारतीय सेना लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए अमेरिकी होवित्जर बारूद खरीदने जा रही है।</u>**

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- भारतीय सेना एक्सकैलीबर निर्देशित लंबी दूरी की तोप गोला-बारूद प्राप्त करने की प्रक्रिया में है जो 50 कि.मी. से अधिक दूर के लक्ष्यों पर हमला कर सकती है।
- भारतीय सेना आपातकालीन खरीद प्रक्रियाओं के अंतर्गत अमेरिका से एक्सकैलीबर तोप गोला बारूद खरीदने की योजना बना रही है।
- विभिन्न फ्यूज़ों का प्रयोग करके यह गोला बारूद हवा में फटने के साथ ही बंकरनुमा संरचना में प्रवेश करने के बाद भी फटता है।
- लंबी दूरी की तोप गोला-बारूद 50 कि.मी. से अधिक की दूरी के लक्ष्यों पर हमला करने हेतु जी.पी.एस. प्रणाली का उपयोग करती है।
- अफगानिस्तान में युद्ध में तोप के गोलों की सटीकता में सुधार करने हेतु अमेरिका में एक्सकैलीबर गोला-बारूद विकसित किया गया था, जिससे अमेरिकी अब लगभग दो दशकों से लड़ रहे हैं।

संबंधित जानकारी

- सेना ने अमेरिका-निर्मित एम-777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर को भी शामिल करना शुरू कर दिया है, जिसका उपयोग एक्सकैलिबर गोला-बारूद फायरिंग के लिए किया जा सकता है।
- सेना स्पाइक एंटी-टैंक निर्देशित मिसाइलों की खरीद के साथ आगे बढ़ी है जो दुश्मन के बख्तरबंद बंकरों के खिलाफ इस्तेमाल की जा सकती है।
- वायु सेना द्वारा किए गए अधिग्रहण में बालाकोट एयरस्ट्राइक-फेमस स्पाइस 2000 बम शामिल हैं, जो कि इजरायल द्वारा निर्मित है, इसमें वह संस्करण भी शामिल हैं जो किलाबंद संरचनाओं को भेद और नष्ट कर सकते हैं।
- भारतीय वायुसेना ने अपने एम.आई.-35 अटैक हेलीकॉप्टरों के लिए स्ट्रम अताका एंटी टैंक निर्देशित मिसाइलों का भी अधिग्रहण किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-इकोनॉमिक टाइम्स

5. **<u>पालखी शोभायात्रा</u>**

- प्रत्येक वर्ष, पूरे महाराष्ट्र में लगभग 10 लाख तीर्थयात्री या वारकरी अलंदी और देहू से पंढरपुर तक पालकी शोभायात्रा में शामिल होते हैं।

संबंधित जानकारी

पालखी शोभायात्रा

- यह महाराष्ट्र की 333 साल पुरानी शानदार परंपरा है, जिसे पूरे राज्य में मनाया जाता है।
- पालखी, विभिन्न संतों की पादुका (पदचिन्ह)- सबसे उल्लेखनीय ध्यानेश्वर और तुकाराम संत की पादुका ले जाती है, जो वरकारी (वारकरी) संप्रदाय (जो विठोबा की पूजा करते हैं) से संबंधित तीर्थस्थलों से पंढरपुर तक ले जाए जाते हैं।
- विठोबा एक हिंदू देवता हैं।
- जब कि ध्यानेश्वर शोभायात्रा अलंदी से निकलती है, तुकाराम की शोभायात्रा देहू से शुरू होती है।
- आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर पंढरपुर पहुंचने पर ये भक्त विठ्ठल मंदिर जाने से पहले पवित्र चंद्रभागा नदी में पवित्र स्नान करते हैं।
- इस यात्रा में 21 दिन लगते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>सेबी को नए-पुराने मामलों की जांच करने के लिए शक्तियां प्राप्त हुई हैं।</u>**

- वित्त विधेयक, 2019 ने पूंजी बाजार विनियामक द्वारा मांगे जाने पर इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस से छेड़छाड़ करने या उसे नष्ट करने या जानकारी प्रस्तुत करने में विफल रहने वाली संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु सेबी को नई शक्तियां प्रदान की हैं।
- विधेयक ने सेबी अधिनियम में धारा 15HAA पेश की है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- खंड में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति किसी जांच में बाधा डालने या उसे प्रभावित करने के लिए सूचनाओं के साथ छेड़छाड़ करता है, विनियामक डेटा को नष्ट करता है या अनाधिकृत तरीके से डेटा तक पहुंचने की कोशिश करता है तो उस इकाई पर 10 करोड़ या गैरकानूनी लाभ का तीन गुना, जो भी हो अधिक हो, का जुर्माना लगाया जाएगा।
- यह अब कुछ उल्लंघनों के लिए दलालों पर 1 करोड़ तक का जुर्माना लगा सकता है।
- ये नई शक्तियां महत्व रखती हैं क्यों कि यह पहले से ही व्हाट्सएप के माध्यम से संवेदनशील डेटा के लीक होने की जांच कर रही है और हाल ही में, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सह-स्थान मामले पर नए आदेश पारित किए हैं।

संबंधित जानकारी

सेबी (भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड)

- यह भारत में प्रतिभूति बाजार हेतु विनियामक है।
- इसे 1988 में स्थापित किया गया था और सेबी अधिनियम, 1992 के माध्यम से इसे वर्ष 1992 में संवैधानिक शक्तियां प्रदान की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

7. **ओडिशा सरकार ने केंद्र की गवाह संरक्षण योजना लागू की है।**

- ओडिशा सरकार ने कानूनी लड़ाई के दौरान खतरे का सामना कर रहे गवाहों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक विशेष "गवाह संरक्षण योजना" लागू की है।

संबंधित जानकारी

गवाह संरक्षण योजना

- गवाह संरक्षण योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आपराधिक अपराधों की जांच, अभियोजन और मुकदमे पूर्व निर्धारित नहीं हैं क्योंकि गवाहों को अन्य आपराधिक बलों से सुरक्षा के बिना सबूत देने के लिए डराया या धमकाया जाता है।
- इस योजना में खतरे की धारणा के अनुसार गवाहों की तीन श्रेणियां शामिल हैं:
- श्रेणी A- इसमें उन मामलों को शामिल किया जाता है जहां एक जांच, परीक्षण या उसके बाद गवाह या उसके परिवार के सदस्यों के जीवन पर खतरा बढ़ जाता है।
- श्रेणी B- इसमें उन मामलों में शामिल किया जाता है जहां जांच या परीक्षण के दौरान गवाह या गवाह परिवार के सदस्यों की सुरक्षा, प्रतिष्ठा या संपत्ति को खतरा होता है।
- श्रेणी C: इसमें उन मामलों को शामिल किया जाएगा जहां खतरा सामान्य है और जांच, परीक्षण के दौरान या उसके बाद गवाह या उसके परिवार के सदस्यों की प्रतिष्ठा या संपत्ति को या उनके उत्पीड़न या डराने के लिए विस्तारित होने का खतरा होता है।
- योजना की महत्वपूर्ण विशेषताओं में सुरक्षात्मक उपाय शामिल हैं जैसे कि यह सुनिश्चित करना कि गवाह और आरोपी जांच के दौरान सामने न आएं, पहचान की सुरक्षा और परिवर्तन, गवाहों का स्थानांतरण, गोपनीयता और अभिलेखों का संरक्षण और अन्य लोगों के बीच खर्चों की वसूली शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **डी.आर.डी.ओ. ने पोखरण में एक दिन में तीन नाग मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है।**

संबंधित जानकारी

नाग मिसाइल

- नाग मिसाइल, एक भारतीय तीसरी पीढ़ी की "फायर-एंड-फॉरगेट" एंटी-टैंक निर्देशित मिसाइल है।
- यह सभी मौसमों में संचालित होने वाली शीर्ष मिसाइल है जिसकी सीमा 3 से 7 कि.मी. है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- इसे सर्वश्रेष्ठ एंटी-टैंक निर्देशित मिसाइलों में से एक माना जाता है।
- नाग पहली पाँच रणनीतिक मिसाइलों में से एक थी जिसे 1980 के दशक में शुरू किए गए एकीकृत मिसाइल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित करने की योजना थी।
- इस परियोजना के अंतर्गत विकसित अन्य मिसाइलों में अग्नि, पृथ्वी और आकाश शामिल हैं और इन तीनों को सफलतापूर्वक विकसित और सशस्त्र बलों में शामिल किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

11.07.2019

1. **एकल न्यायाधिकरण अंतर-राज्यीय जल विवाद**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक, 2019 को मंजूरी प्रदान की है जो अंतर-राज्यीय नदियों और नदी घाटियों के पानी से संबंधित विवादों को सुलझाने में मदद करेगा।

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- यह अंतर-राज्यीय नदी जल विवादों के न्यायायिक निर्णयों को सुप्रवाही बनाने हेतु अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 को संशोधित करता है।
- इसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे।
- इस विधेयक की एक प्रमुख विशेषता विभिन्न पीठों के साथ एकल न्यायाधिकरण का गठन करना और न्यायायिक निर्णय हेतु सख्त समयसीमा तय करना है।
- इस विधेयक में सौहार्दपूर्ण तरीके से 18 महीनों के भीतर अंतर-राज्यीय जल विवादों का समाधान करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा विवाद समाधान आयोग की स्थापना का प्रस्ताव भी रखा गया है।
- विवाद समाधान समिति में विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल होंगे। यह न्यायाधिकरण से पहले विवादों को संभालने हेतु प्रस्तावित है।
- जब भी राज्य अनुरोध करेगा, केंद्र सरकार एक डी.आर.सी. की स्थापना करेगी। अधिकांश विवादों को विवाद समाधान समिति के स्तर पर ही हल किया जाएगा।
- लेकिन यदि कोई राज्य संतुष्ट नहीं है तो वह न्यायाधिकरण के पास जा सकता है।
- इस प्रकार न्यायाधिकरण को संदर्भित किए गए विवादों को न्यायाधिकरण के अध्यक्ष द्वारा न्यायायिक निर्णय हेतु न्यायाधिकरण की पीठ को सौंपा जाएगा।

संबंधित जानकारी

अंतरराज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956

- इसे संविधान के अनुच्छेद 262 के अंतर्गत भारत की संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था।
- इसका उद्देश्य एक अंतर्राज्यीय नदी या नदी घाटी के उपयोग, नियंत्रण और वितरण से उत्पन्न होने वाले जल विवादों का समाधान करना है।

कुछ जल न्यायाधिकरण और उनसे संबंधित राज्य

- रावी और ब्यास जल न्यायाधिकरण- पंजाब, हरियाणा और राजस्थान
- कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-II- कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र
- वंसाधारा जल विवाद न्यायाधिकरण- आंध्र प्रदेश और ओडिशा
- महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण- गोवा, कर्नाटक और महाराष्ट्र
- महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण- ओडिशा और छत्तीसगढ़

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एम.के.एस.पी.)</u>**

- यह दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) का एक उप-घटक है।
- एम.के.एस.पी. का प्राथमिक उद्देश्य महिलाओं की कृषि में भागीदारी को बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाना और उनके लिए स्थायी आजीविका के अवसरों का सृजन करना है।
- ऐसी परियोजनाओं के लिए 60% (उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए 90%) तक का वित्तीय समर्थन भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>मधुमक्खी योजना ने 'सर्वश्रेष्ठ नवोन्मेष पुरस्कार' जीता है।</u>**

- पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे द्वारा जंगली हाथियों को ट्रेन की पटरियों से दूर रखने के लिए अपनाई गई एक अनूठी रणनीति ने "सर्वश्रेष्ठ नवोन्मेष पुरस्कार" जीता है।

संबंधित जानकारी

मधुमक्खी योजना (बी प्लान)

- इसे वर्ष 2017 में शुरू किया गया था, जिसके अंतर्गत असम में विभिन्न स्तरीय क्रॉसिंगों पर 46 डिवाइस लगाए गए थे।
- यह रेल की पटरियों से हाथियों को भगाने के लिए मधुमक्खियों के भिनभिनाने की आवाज बजाता है।
- इस डिवाइस को लगभग 700-800 मीटर की दूरी से मधुमक्खियों की आवाज उत्पन्न करने के लिए बनाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>भारतीय वैज्ञानिकों ने एक नई सामग्री 'ब्लैक गोल्ड (काला सोना)' विकसित की है।</u>**

- भारतीय वैज्ञानिकों ने सोने के नैनोकणों का उपयोग करके "ब्लैक गोल्ड (काला सोना)" नामक एक नई सामग्री विकसित की है।
- ब्लैक गोल्ड का संभावित रूप से प्रयोग सौर ऊर्जा संचयन से लेकर समुद्री जल के विलवणीकरण तक के अनुप्रयोगों के लिए किया जा सकता है।
- ब्लैक गोल्ड में सौर प्रकाश के संपूर्ण दृश्य और निकट-अवरक्त क्षेत्र को अवशोषित करने की क्षमता होती है।
- यह ऐसा अंतरा-अणुक प्लास्मोनिक युग्मन के साथ-साथ नैनो कणों के आकार में विषमता के कारण करता है।
- ब्लैक गोल्ड, एक उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य कर सकता है और सौर ऊर्जा का उपयोग करके वायुमंडलीय दाब और ताप पर CO2 को मीथेन में बदल सकता है।
- समुद्री जल को अच्छी दक्षता के साथ पेयजल में परिवर्तित करने के लिए नैनो-हीटर के रूप में भी इस सामग्री का उपयोग किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>भारत इच्छानुसार अनुच्छेद 370 को निरस्त कर सकता है: केंद्र</u>**

- सरकार ने संसद को सूचित किया है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने में "किसी भी विदेशी सरकार या संगठन के पास कोई हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है" क्यों कि संविधान से संबंधित मामले आंतरिक हैं और समझौते हेतु केवल भारतीय संसद तक ही सीमित हैं।

संबंधित जानकारी

अनुच्छेद 370

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 एक 'अस्थायी प्रावधान' है, जो जम्मू और कश्मीर को विशेष स्वायत्तता का दर्जा प्रदान करता है।
- भारतीय संविधान के भाग XXI के अंतर्गत, जम्मू और कश्मीर राज्य को अनुच्छेद 370 के अंतर्गत विशेष दर्जा प्रदान किया गया है, जो "अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष प्रावधानों" से संबंधित है।
- संविधान के सभी प्रावधान जो अन्य राज्यों पर लागू होते हैं, वे जम्मू-कश्मीर पर लागू नहीं होते हैं।

अनुच्छेद 370 के अंतर्गत महत्वपूर्ण प्रावधान

- इस अनुच्छेद के अनुसार, रक्षा, विदेशी मामलों के वित्त और संचार को छोड़कर संसद को अन्य सभी कानूनों को लागू करने हेतु राज्य सरकार की सहमति की आवश्यकता होती है।
- इस प्रकार, राज्य के निवासी कानून के एक अलग समूह के अंतर्गत रहते हैं, जिसमें अन्य भारतीयों की तुलना में नागरिकता, संपत्ति के स्वामित्व और मौलिक अधिकारों से संबंधित कानून शामिल हैं।
- अन्य राज्यों के भारतीय नागरिक जम्मू और कश्मीर में जमीन या संपत्ति नहीं खरीद सकते हैं।
- अनुच्छेद 370 के अंतर्गत, केंद्र के पास राज्य में अनुच्छेद 360 के अंतर्गत वित्तीय आपातकाल घोषित करने की कोई शक्ति नहीं है।
- केवल युद्ध या बाहरी आक्रमण के मामले में ही राज्य में आपातकाल की घोषणा की जा सकती है।
- केंद्र सरकार तब तक आंतरिक अशांति या निकटस्थ खतरे के आधार पर आपातकाल की घोषणा नहीं कर सकती जब तक कि यह अनुरोध पर या राज्य सरकार की सहमति से नहीं किया जाता है।
- धारा 370 के अंतर्गत भारतीय संसद, राज्य की सीमाओं को बढ़ा या घटा नहीं सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>श्रीलंका खसरा-मुक्त है: डब्ल्यू.एच.ओ.</u>**

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने श्रीलंका को खसरा नामक अत्यधिक संक्रामक बीमारी से मुक्त घोषित किया है।
- यह डब्ल्यू.एच.ओ. के दक्षिणपूर्व एशिया क्षेत्र में खसरा को समाप्त करने वाला पांचवा देश बन गया है।

संबंधित जानकारी

खसरा

- खसरा, एक अत्यधिक संक्रामक विषाणुजनित बीमारी है।
- यह एक सुरक्षित और प्रभावी टीके की उपलब्धता के बावजूद वैश्विक स्तर पर छोटे बच्चों की मृत्यु का एक महत्वपूर्ण कारण है।
- वैश्विक टीकाकरण कार्रवाई योजना के अंतर्गत, वर्ष 2020 तक पाँच डब्ल्यू.एच.ओ. क्षेत्रों में खसरा और रूबेला को समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. प्रमुख तकनीकी संस्था है जो इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी देशों का समर्थन करने वाली गतिविधियों की निगरानी करने और टीकाकरण के समन्वय हेतु जिम्मेदार है।
- खसरा, संक्रमित व्यक्तियों के नाक, मुंह अथवा गले से बूंदों के माध्यम से फैलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>केरल के कोट्टूर में भारत का पहला हाथी पुनर्वास केंद्र तैयार किया जा रहा है।</u>**

- केरल सरकार राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम के निकट एक पारिस्थिक पर्यटन गांव, कोट्टूर में देश का पहला हाथी पुनर्वास केंद्र स्थापित करने हेतु कार्यरत है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- पिछली हाथी जनगणना के अनुसार, राज्य में 507 बंदी हाथी हैं। गुरुवायुर शहर में श्री कृष्ण मंदिर में 59 हाथी हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स

8. **<u>प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना</u>**

- सी.सी.ई.ए. ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पी.एम.जी.एस.वाई.-III) के तीसरे चरण को मंजूरी प्रदान की है, जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 1.25 लाख कि.मी. सड़कों को 2024-25 तक अपग्रेड किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पी.एम.जी.एस.वाई.)

- यह वर्ष 2000 में शुरू की गई एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है।
- यह भारत में एक राष्ट्रव्यापी योजना है जो असंबद्ध गाँवों को सभी प्रकार के मौसम में बेहतर सड़क कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करती है।
- इस कार्यक्रम में सभी पात्र असंबद्ध बस्तियों को जोड़ने की परिकल्पना की गई है:

1. साधारण क्षेत्रों में 500 और उससे अधिक व्यक्तियों की आबादी में
2. पहाड़ी राज्यों, जनजातीय (अनुसूची-वी) क्षेत्रों, मरूस्थलीय क्षेत्रों (मरूस्थल विकास कार्यक्रम में पहचान के अनुसार) में 250 और उससे अधिक आबादी में
3. गृह मंत्रालय/ योजना आयोग द्वारा पहचाने जाने के अनुसार एकीकृत कार्य योजना के अंतर्गत 82 चयनित जनजातीय और पिछड़े जिलों में

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

9. **<u>समुद्री भ्रष्टाचार-विरोधी नेटवर्क ने भारत में बंदरगाह अखंडता अभियान शुरू किया है।</u>**

- समुद्री उद्योग में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए काम करने वाली 110 से अधिक कंपनियों के वैश्विक व्यापार नेटवर्क, समुद्री भ्रष्टाचार-विरोधी नेटवर्क (एम.ए.सी.एन.) ने भारत में एक बंदरगाह अखंडता अभियान शुरू करने की घोषणा की है।
- यह अभियान एम.ए.सी.एन., भारत सरकार, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और स्थानीय उद्योग हितधारकों की एक सामूहिक कार्रवाई है, जिसका उद्देश्य भारतीय बंदरगाहों में परिचालन के दौरान व्यापार के लिए अखंडता के मुद्दों और बाधाओं को कम करना और (लंबी अवधि में) समाप्त करना है।
- अभियान की शुरूआत मुंबई बंदरगाहों (एम.बी.पी.टी. और जे.एन.पी.टी.) में होगी और इस वर्ष अक्टूबर तक चलेगी।
- अभियान की मुख्य गतिविधियों में बंदरगाह के अधिकारियों के लिए अखंडता प्रशिक्षण का कार्यान्वयन और स्पष्ट वृद्धि और रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं की स्थापना करना शामिल है।
- इस अभियान के प्रारंभ होने के बाद, एम.ए.सी.एन. कार्यक्रम को अन्य भारतीय बंदरगाहों तक विस्तारित करने की योजना बना रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ढांचा

स्रोत-द हिंदू

12.07.2019

1. **<u>टिड्डी नियंत्रण एवं अनुसंधान योजना</u>**

- कृषि मंत्री ने कहा है कि पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों से राजस्थान और गुजरात में मरूस्थलीय टिड्डों की घुसपैठ हुई है।

संबंधित जानकारी

टिड्डी नियंत्रण एवं अनुसंधान योजना

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- टिड्डे, बड़े शाकाहारी कीट होते हैं जो सघन और अत्यधिक गतिशील झुंडो के निर्माण की क्षमता के कारण कृषि के गंभीर कीट हो सकते हैं।
- वे छोटी सींग वाले टिड्डों की प्रजातियाँ हैं।
- टिड्डी नियंत्रण एवं अनुसंधान योजना, मरूस्थलीय टिड्डों के नियंत्रण हेतु जिम्मेदार है।
- यह टिड्डी चेतावनी संगठन (एल.डब्ल्यू.ओ.) के माध्यम से लागू की गई है।
- एल.डब्ल्यू.ओ., जोधपुर में स्थित है, इसे 1939 में स्थापित किया गया था।
- एल.डब्ल्यू.ओ. मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात राज्यों में गहन सर्वेक्षण, चौकसी, निगरानी और नियंत्रण कार्यों के माध्यम से सघन मरूस्थलीय क्षेत्रों (एस.डी.ए.) की निगरानी और नियंत्रण हेतु जिम्मेदार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता योजना</u>**

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एम.एस.एम.ई.), अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता (आई.सी.) योजना को लागू कर रहा है।
- इस योजना का उद्देश्य एम.एस.एम.ई. की योग्यता को बढ़ाना, उनके उत्पादों के लिए नए बाजारों का निर्माण करना, विनिर्माण क्षमता में सुधार करने हेतु नई तकनीकों की खोज करना आदि हैं।
- एम.एस.एम.ई. क्षेत्र के संवर्धन और विकास से संबंधित पात्र निकाय को प्रतिपूर्ति के आधार पर योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>आर.पी.एफ. ने "ऑपरेशन प्यास" शुरू किया है।</u>**

- रेलवे परिसर में अनधिकृत पी.डी.डब्ल्यू. (पैकेज्ड पेयजल) के खतरे को रोकने हेतु रेलवे सुरक्षा बल द्वारा "ऑपरेशन प्यास" नामक एक अखिल भारतीय अभियान शुरू किया गया था।
- इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय रेलवे के लगभग सभी प्रमुख स्टेशनों को शामिल किया गया था।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) को अनुदानित संगठित समूह A का दर्जा प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की है।
- आर.पी.एफ. को संगठित समूह 'A' सेवा के दर्जे का अनुदान प्रदान करने से विकासहीनता समाप्त होगी, अधिकारियों के कैरियर की प्रगति में सुधार होगा और उनके प्रेरक स्तर में वृद्धि होगी।

रेलवे सुरक्षा बल

- रेलवे सुरक्षा बल (आर.एस.एफ.) की स्थापना रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 में गई थी, आर.एस.एफ. का नाम बदलकर रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) कर दिया गया, जो एक संवैधानिक निकाय है।
- यह रेल मंत्रालय के नियंत्रण में है और इसकी अध्यक्षता महानिदेशक (डी.जी.) करते हैं।
- इसमें रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा का प्राथमिक कर्तव्य है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>आई.ए.एफ., अपने लड़ाकू बेड़े में ASRAAM मिसाइल को अपनाने के लिए तैयार है।</u>**

- भारतीय वायु सेना (आई.ए.एफ.) अपने लड़ाकू बेड़े में एक नई यूरोपीय दृश्य सीमा उन्नत कम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल को शामिल करना चाहती है।

संबंधित जानकारी

उन्नत कम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (ASRAAM)

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- इसे यूरोपीय मिसाइल-निर्माता एम.बी.डी.ए. द्वारा विकसित किया गया है।
- यह वर्तमान में यू.के. की रॉयल वायु सेना (आर.ए.एफ.) और रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना में सेवारत है।
- यह एक उच्च गति, अत्यंत कार्यसाधक, ऊष्मा वाहक, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल है जिसे "फॉयर एंड फॉरगेट" मिसाइल के रूप में डिजाइन किया गया है।
- इसका व्यापक रूप से 25 कि.मी. से अधिक की सीमा के साथ एक दृश्य सीमा (डब्ल्यू.वी.आर.) वायु प्रभुत्व मिसाइल के रूप में उपयोग किया जाता है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>सरकार ने पॉक्सो अधिनियम, 2012 में बदलाव को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बच्चों के साथ यौन अपराधों के लिए सजा को और अधिक सख्त बनाने हेतु लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है।

संशोधन का महत्वपूर्ण तथ्य

- संशोधन में बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामले में मौत की सजा सहित कठोर सजा का प्रावधान है।
- यह संशोधन, बाल पोर्नोग्राफी पर अंकुश लगाने के लिए जुर्माना और कारावास का प्रावधान प्रदान करता है।
- प्राकृतिक आपदाओं के समय बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए भी संशोधन प्रस्तावित किया गया हैं।
- ये संशोधन अधिनियम में शामिल किए गए मजबूत दंड प्रावधानों के कारण एक निवारक के रूप में कार्य करके बाल यौन शोषण की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने में मदद करता है।
- यह संकट के समय में कमजोर बच्चों के हितों की रक्षा करेगा और उनकी सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चित करेगा।

संबंधित जानकारी

पॉस्को अधिनियम 2012 के संदर्भ में जानकारी

- यह बच्चों को यौन उत्पीड़न, यौन शोषण और पोर्नोग्राफी के अपराधों से बचाने के लिए लागू किया गया था।
- यह अधिनियम एक बच्चे को अठारह वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है जो एक लिंग तटस्थ है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>दलबदल विरोधी कानून: एक विधायक को क्या अयोग्य घोषित कर सकता है?</u>**

दलबदल विरोधी कानून कब बनाया गया था और प्रमुख बिंदु क्या था?

- दलबदल विरोधी कानून, संविधान की 10वीं अनुसूची में निहित है।
- इसे वर्ष 1985 में 52वें संशोधन द्वारा पेश किया गया था।
- विधायक बार-बार पार्टियों को बदलते थे और सरकारों गिरते ही विधानसभाओं में अराजकता फैलती थी।
- संक्षेप में, वे प्राय: राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न करते थे।

दलबदल विरोधी कानून का उद्देश्य क्या है? अयोग्यता के आधार क्या हैं?

- विधायकों द्वारा किए जाने वाले राजनीतिक दलबदल पर अंकुश लगाना है।

ऐसे दो आधार हैं जिनके आधार पर विधानसभा के सदस्य को अयोग्य ठहराया जा सकता है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- एक, यदि सदस्य स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ना, पार्टी से इस्तीफा देने के जैसा नहीं है। यहां तक कि, इस्तीफा दिए बिना भी एक विधायक को अयोग्य ठहराया जा सकता है यदि उसके आचरण के द्वारा संबंधित सदन के स्पीकर/ अध्यक्ष एक उचित निष्कर्ष निकालते हैं कि सदस्य ने स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ दी है।
- दूसरा, यदि कोई विधायक अपनी पार्टी की दिशा के खिलाफ सदन में मतदान करता है और उसकी पार्टी द्वारा उसके इस कृत्य को माफ नहीं किया जाता है तो उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है।
- हालांकि, यहां पर एक अपवाद भी है जो विधायकों को अयोग्यता से बचाने के लिए कानून में प्रदान किया गया है। 10वीं अनुसूची में कहा गया है कि यदि दो राजनीतिक दलों के बीच विलय होता है और एक विधायक दल के दो-तिहाई सदस्य विलय के लिए सहमत होते हैं तो वे अयोग्य नहीं होंगे।

इसके सूत्रपात के बाद से कानून बदल गया है और यदि हां, तो कैसे?

- इससे पहले, एक प्रावधान था जिसके अंतर्गत यदि मूल राजनीतिक पार्टी में विभाजन होता है और जिसके परिणामस्वरूप उस पार्टी के एक तिहाई विधायक एक अलग समूह बनाते हैं तो वे अयोग्य नहीं होंगे।
- 91वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2003 ने इसे बदल दिया था। इसलिए अब एक पार्टी के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों को "विलय" के पक्ष में होना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>भारत का चंद्रयान-2</u>**

- 15 जुलाई को भारत का चंद्रमा समन्वेशी मिशन- चंद्रयान-2, चंद्रमा के सबसे दक्षिणी क्षेत्र पर एक रोवर को बाहर निकालने हेतु उड़ान भरेगा, यह अब तक किसी भी देश के लिए पहला अभियान है।
- भारत पूर्व सोवियत संघ, अमेरिका और चीन के बाद चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बनने हेतु प्रयासरत है, जिससे कि वह दुनिया के अंतरिक्ष-उत्पादक देशों के मध्य अपनी जगह को मजबूत बना सके।
- लैंडर और रोवर के साथ ऑर्बिटर को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से हमारे उन्नत भारी रॉकेट (जी.एस.एल.वी. मार्क III) से लॉन्च किया जाएगा जिससे कि इसे 170 कि.मी. (पृथ्वी के सबसे निकट) पर भू-समीपक पृथ्वी की दीर्घवृत्ताकार कक्षा में प्रवेश कराया जा सके और अगले 16 दिनों में चंद्रमा की ओर मंडराने हेतु 30,000 कि.मी. के दूरतम बिंदु (पृथ्वी से सबसे दूर) पर भेजा जा सके।
- इसरो ने भारत के अंतरिक्ष अग्रणी विक्रम साराभाई (1919-1971) के नाम पर लैंडर का नाम "विक्रम" और रोवर का नाम 'प्रज्ञान' रखा है, जो संस्कृत का शब्द है, इसका अर्थ ज्ञान होता है।
- सिवान ने कहा है, "यह रॉकेट चंद्रमा की कक्षा से इसे गुजारने हेतु भू-स्थानांतरण कक्षा में आर्बिटर को स्थापित करेगा, इसके दक्षिणी ध्रुव के निकट सॉफ्ट लैंडिंग करने हेतु 50 दिनों में पृथ्वी से चंद्रमा तक 385,000 कि.मी. की दूरी तय करेगा।
- लैंडर युक्तिचालन के माध्यम से ऑर्बिटर से अलग हो जाएगा, जब यह 150 किमी पेरिलून (चंद्रमा की सतह के निकटतम) और 18,000 एपोलून (चंद्र की सतह से सबसे दूर) पर होता है और 4 दिन में चंद्रमा पर लैंड करता है और

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

इसके बाद अपनी सतह से 100 कि.मी. की ऊँचाई पर चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश (परिक्रमा) करता है और सॉफ्ट लैंडिंग से धीरे-धीरे 30 कि.मी. तक नीचे उतरता है।

संबंधित जानकारी

- अमेरिका, चंद्रमा पर मानव-मिशन पर लौटने की तैयारी कर रहा है। वर्ष 2024 में, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर उतरेंगे।
- अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री, चंद्रमा के इसी दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र पर उतरेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

8. **न्यूट्रिनो वेधशाला की स्थापना की जा रही है।**

- भारत सरकार ने तमिलनाडु के थेनी जिले के पोट्टिपुरम में भारत-आधारित न्यूट्रिनो वेधशाला (आई.एन.ओ.) के निर्माण हेतु एक परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

न्यूट्रिनो वेधशाला

- इस वेधशाला का निर्माण परमाणु ऊर्जा विभाग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा।
- टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, एक नोडल संस्थान है।
- इस परियोजना का लक्ष्य एक पर्वत में लगभग 2 कि.मी. लंबी सुरंग के अंत में एक गुफा में प्राकृतिक रूप से घटित होने वाले वायुमंडलीय न्यूट्रिनो का अवलोकन करने हेतु 51000 टन का आयरन कैलोरीमीटर (आई.सी.ए.एल.) डिटेक्टर स्थापित करना है।
- यह ब्रह्मांड किरणों से निकलने वाले शोर को कम करने में मदद करेगा जो हमेंशा धरती के ऊपर उपस्थित रहती हैं और जो कि आई.सी.ए.एल. जैसे बड़े एक डिटेक्टर में भी दुर्लभ न्यूट्रीनों पारस्परिक क्रियाओं की संख्या को बढ़ा देगा।
- यह परियोजना कोई भी विकिरण जारी नहीं करती है क्यों कि इसमें कोई रेडियोधर्मी पदार्थ नहीं होता है।
- यह ब्रह्मांड किरणों को मापता है।

नोट: न्यूट्रिनो, सबसे छोटे कण होते हैं जो ब्रह्मांड का निर्माण करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत-पी.आई.बी.

9. **पुरानी प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपेनिया**

- एक दवा निर्माता कंपनी, इंटास फार्मास्यूटिकल्स ने रोमी नाम से पुरानी प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपेनिया (आई.टी.पी.) के रोगियों के लिए एक सस्ती दवा लॉन्च की है।
- वर्तमान में पुरानी आई.टी.पी. के लिए उपलब्ध देखभाल चिकित्सा की लागत लगभग 60,000 प्रतिमाह है, जब कि रोमी ने इसे घटाकर 12,000 रूपए प्रतिमाह कर दिया है।

संबंधित जानकारी

प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपेनिया

- प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपेनिया (आई.टी.पी.) एक रक्तस्राव विकार है जिसके कारण रक्त में प्लेटलेट्स की कमी हो जाती है, जिसे थ्रोम्बोसाइटोपेनिया भी कहा जाता है।
- थ्रोम्बोसाइटोपेनिया, प्राय: ल्यूकेमिया या प्रतिरक्षा प्रणाली की समस्या जैसे एक अलग विकार के परिणामस्वरूप होता है।
- प्लेटलेट्स, रक्त कोशिका के छोटे खंड होते हैं जो रक्तस्राव को रोकने के लिए आपके शरीर की थक्के बनाने में मदद करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू गिजनेस लाइन

10. **खारची पूजा**

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह त्योहार त्रिपुरा के पुराना अगरतला में चर्तुदश देवता मंदिर में शुरू होता है, जो त्रिपुरा का एक सदी पुराना पारंपरिक त्योहार है।
- इस उत्सव की विशिष्टता 14 भगवान और देवी-देवताओं की प्रमुख प्रतिमाओं की पूजा करने में निहित है, जो पूरे वर्ष एक कमरे में बंद रहते हैं।
- 14 भगवानों और देवी देवताओं की प्रमुख प्रतिमाएं हरा, उमा, वाणी, कार्तिक आदि जैसे हिंदू देवताओं के प्रतीक को दर्शाती हैं, इस त्योहार की मान्यताओं के कारण त्रिपुरा को चौदह देवताओं की भूमि के रूप में भी जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

15.07.2019

1. **<u>स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने "लक्ष्य" का शुभारंभ किया है।</u>**

- भारत सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में लेबर रूम और मातृत्व ऑपरेशन थिएटरों में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार हेतु "लक्ष्य" (लेबर रूम गुणवत्ता सुधार पहल) का शुभारंभ किया है।
- यह प्रसव पूर्व और तत्काल प्रसवोत्तर अवधि पर केंद्रित बहु आयामी दृष्टिकोण है।
- इसका उद्देश्य लेबर रूम और प्रसूति ऑपरेशन थियेटर में प्रसव के दौरान देखभाल से संबंधित मृत्युओं की संख्या, जन्मों की संख्या, रोके जा सकने योग्य माताओं और नवजतों की मृत्यु दर में कमी करना है और सम्मानजनक मातृत्व देखभाल को सुनिश्चित करना है।
- लक्ष्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं के निम्नलिखित प्रकारों की पहचान की गई है

1. सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल
2. जिला अस्पताल और समकक्ष स्वास्थ्य सुविधाएं
3. 100 से अधिक प्रसव/ माह (पहाड़ियों और रेगिस्तानी क्षेत्रों में 60 से अधिक) के साथ नामित एफ.आर.यू. और अत्यधिक मामलों वाले सी.एच.सी.

योजना के उद्देश्य

- रक्तस्राव, रूकी हुई गर्भनाल, अपरिपक्व, प्राकगर्भाक्षेपक और प्रसवाक्षेप, बाधित लेबर, प्रासविक रक्तपूतिता, नवजात बेहोशी आदि के कारण मातृत्व और नवजात मृत्यु दर और रुग्णता को कम करना है।
- प्रसव के दौरान देखभाल की गुणवत्ता में सुधार और तत्काल प्रसवोत्तर देखभाल में सुधार करना, जटिलताओं का स्थिरीकरण और समय पर रेफरल सुनिश्चित करना और एक प्रभावी दो-तरफा अनुवर्ती प्रणाली को सक्षम करना है।
- स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थियों की संतुष्टि को बढ़ाना और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में भाग लेने वाली सभी गर्भवती महिलाओं को सम्मानजनक मातृत्व देखभाल (आर.एम.सी.) प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

2. **<u>मेघालय, जल संरक्षण को सुनिश्चित करने वाला भारत का पहला राज्य है।</u>**

- मेघालय राज्य में जल के मुद्दों, संरक्षण और जल स्रोतों के संरक्षण को संबोधित करने हेतु एक मसौदा जल नीति को मंजूरी प्रदान करने वाला पहला राज्य बन गया है।
- इस नीति का उद्देश्य जल संसाधनों को एक सामान्य पूल संसाधन के रूप में पहचानना है जो पीने के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पानी प्रदान करते हैं।
- यह नीति सतत विकास को प्राप्त करने का इरादा रखती है जिसे ग्रामीण स्तर पर जल स्वच्छता ग्राम परिषद का गठन करके समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लागू किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>रूस ने अंतरिक्ष में एक नई एक्स-रे वेधशाला, स्पेक्ट्र-आर.जी. लॉन्च की है।</u>**

- रूस ने कजाखस्तान के बैकोनुर में कॉस्मोड्रोम से एक अंतरिक्ष दूरदर्शी, स्पेक्ट्र-आर.जी. लॉन्च किया है, जो जर्मनी के साथ एक संयुक्त परियोजना है।

संबंधित जानकारी

स्पेक्ट्र-आर.जी.

- यह एक अंतरिक्ष वेधशाला है जिसका उद्देश्य ब्लैक होल, न्यूट्रॉन स्टार और चुंबकीय क्षेत्र का निरीक्षण करना है।
- इसे रूस ने जर्मनी के साथ मिलकर विकसित किया है।
- इस वेधशाला में दो एक्स-रे दर्पण दूरबीन शामिल हैं:
- एक जर्मनी द्वारा निर्मित ईरोसिटा (एक इमेजिंग टेलीस्कोप ऐरे के साथ विस्तारित रॉन्टगन सर्वेक्षण) है।
- एक रूस द्वारा निर्मित ए.आर.टी.-एक्स.सी. (खगोलीय रॉन्टगन दूरदर्शी एक्स-रे सांद्रक)
- स्पेक्ट्र-आर.जी., को "रूसी हबल" के रूप में प्रसिद्ध स्पेक्ट्र-आर. को प्रतिस्थापित करने का इरादा रखता है। जिस पर से जनवरी में रॉसकॉसमॉस ने नियंत्रण खो दिया था।
- ब्लैक होल, न्यूट्रॉन सितारों और चुंबकीय क्षेत्रों का निरीक्षण करने के लिए वर्ष 2011 में स्पेक्ट्र-आर. को लॉन्च किया गया था। इसका उत्तराधिकारी समान काम करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- लाइव मिंट

4. **<u>अमेरिका, भारत पर '301 जांच' पर विचार करेगा।</u>**

- यदि दोनों देशों के मध्य व्यापार के मुद्दों को जल्दी से हल नहीं किया जाता है तो अमेरिका, भारत के खिलाफ "301 जांच" पर विचार करेगा।

संबंधित जानकारी

301 जांच (संयुक्त राज्य अमेरिका)

- यह किसी देश के खिलाफ शुल्क और अन्य व्यापार उपायों के अग्रदूत के रूप में नियोजित जांच है।
- एक विशेष 301 रिपोर्ट, उप अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यू.एस.टी.आर.) द्वारा प्रतिवर्ष तैयार की जाती है।
- अमेरिकी व्यापार अधिनियम (1974) की धारा 301 का प्रयोग 2017 की जांच को अधिकृत करने के लिए भी किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप जुलाई, 2018 से अमेरिका के लिए चीनी निर्यात पर शुल्क लगाया गया था।
- हाल ही में, यू.एस.टी.आर. ने डिजिटल सेवा कर पर फ्रांस के खिलाफ 301 जांच की घोषणा की है।

अमेरिकी व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301

- अमेरिकी व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 किसी विदेशी सरकार के किसी भी अधिनियम या प्रथा को हटाने के लिए सभी उचित कार्रवाई करने हेतु राष्ट्रपति को अधिकृत करती है जो अमेरिकी वाणिज्य पर बोझ डालती है या उसे प्रतिबंधित करता है।
- धारा 301 के मामलों को संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यू.एस.टी.आर.) द्वारा या किसी फर्म या उद्योग समूह द्वारा दायर याचिका के परिणामस्वरूप स्वयं शुरू किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>एच.आर.डी. मंत्रालय ने भारत में उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को आकर्षित करने हेतु 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम की शुरूआत की है।</u>**

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह कार्यक्रम दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के चुनिंदा 30 से अधिक देशों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने पर केंद्रित है।
- यह कार्यक्रम 100% से 25% तक मेधावी विदेशी छात्रों के लिए शुल्क छूट के साथ-साथ सस्ती दरों पर अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए सीटों की पेशकश के माध्यम से चुनिंदा प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों/ विश्वविद्यालयों की भागीदारी की परिकल्पना करता है।
- यह कार्यक्रम घरेलू छात्रों को अधिक विविध सहकर्मी समूह के संपर्क में लाने में मदद करता है।
- उन्हें देश में अध्ययन करने के लिए भारतीय छात्रों की बढ़ी हुई रुचि के कारण अधिक अंतर्राष्ट्रीय पहुँच प्राप्त होती है।

टॉपिक- जी.एस.पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **एजेंट स्मिथ मालवेयर**

- एजेंट स्मिथ, मोबाइल मालवेयर का एक नया संस्करण है, जो दुनिया भर में शांतिपूर्ण ढंग से लगभग 25 मिलियन एंड्रॉइड डिवाइसों को संक्रमित कर चुका है, जिसमें से भारत में 15 मिलियन मोबाइल डिवाइस शामिल हैं।
- ये मालवेयर, एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम के भीतर कमजोरियों का शोषण करता है जिससे कि उपयोगकर्ता को पता चले बिना स्वचालित रूप से इंस्टॉल किए गए ऐप्स को एक मैलीसियस संस्करण के साथ प्रतिस्थापित कर देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विष्शन एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

7. **मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना**

- दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है।

संबंधित जानकारी

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा

- यह एक धार्मिक तीर्थ यात्रा योजना है जो पूरी तरह से दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित है।
- सरकार सभी यात्रियों का पूरा खर्च वहन करेगी, जिसमें वातानुकूलित ट्रेन यात्रा, आवास, भोजन, बोर्डिंग और ठहरने और अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं।
- प्रति वर्ष प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 1,000 वरिष्ठ नागरिक मुफ्त तीर्थयात्रा करने में सक्षम होंगे।
- तीर्थयात्रा की अवधि तीन दिन और दो रात होगी।

चयन हेतु मानदंड

- 60 वर्ष से अधिक आयु का दिल्ली का कोई भी निवासी इस योजना के लिए पात्र होगा।
- आवेदक की आय 3 लाख रुपये/ वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए और वह केंद्र/ राज्य/ स्थानीय सरकार या स्वायत्त निकायों का कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-लाइवमिंट

8. **भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में एल.जी.बी.टी.क्यू. अधिकारों के लिए मतदान करने से रोका गया है।**

- भारत में समलैंगिकता को वैध करने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में एल.जी.बी.टी.क्यू. अधिकारों के पक्ष में मतदान करने से भारत को एक बार पुन: रोका गया है।
- वर्ष 2016 में, भारत ने स्वतंत्र विशेषज्ञ की नियुक्ति पर मतदान रोक दिया था।
- एक प्रस्ताव लैटिन अमेरिकी राज्यों द्वारा स्थानांतरित किया गया है जो यौन उन्मुखीकरण

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

और लिंग पहचान (एस.ओ.जी.आई.) पर आधारित हिंसा और भेदभाव के खिलाफ सुरक्षा पर स्वतंत्र विशेषज्ञ के जनादेश को नवीनीकृत करने की मांग कर रहा है।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने धारा 377 को खारिज करके समलैंगिकता का वैधीकरण किया है।

भारतीय दंड संहिता की धारा 377

- यह 1862 में लागू हुई थी और वयस्कों के मध्य सह संवेदी निजी यौन कृत्यों से संबंधित है।
- धारा 377 किसी भी पुरुष, महिला या जानवर के साथ प्रकृति के आदेश के खिलाफ स्वैच्छिक कामुक संभोग को आपराधिक मानती है।
- भारतीय विधि आयोग की 172वीं रिपोर्ट ने धारा 377 को हटाने की सिफारिश की है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

नोट:

- एल.जी.बी.टी. (या जी.एल.बी.टी.) एक आरंभिकता है जो लेस्बियन, गे, समलैंगिक और किन्नरों के लिए है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>दूसरी भारत-रूस रणनीतिक आर्थिक वार्तालाप</u>**

- दूसरी भारत-रूस रणनीतिक आर्थिक वार्तालाप (आई.आर.एस.ई.डी.), नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।
- आई.आर.एस.ई.डी. की दूसरी बैठक सहयोग के छह प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है,

1. परिवहन ढांचे एवं तकनीकि का विकास
2. कृषि एवं कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र का विकास
3. लघु एवं मध्यम व्यापार समर्थन
4. डिजिटल परिवर्तन और सीमांत प्रौद्योगिकी
5. वित्त
6. पर्यटन और कनेक्टिविटी

संबंधित जानकारी

भारत-रूस रणनीतिक आर्थिक वार्तालाप

- इसे नई दिल्ली में 2018 में आयोजित वार्षिक भारत-रूस द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के 19वें संस्करण के दौरान नीति आयोग और रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय के मध्य एक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद स्थापित किया गया था।
- वर्ष 2018 में सेंट पीटर्सबर्ग में पहली भारत-रूस रणनीतिक आर्थिक वार्तालाप आयोजित की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>फ्रांस ने डिजिटल दिग्गजों पर कर लगाने हेतु कानून पारित किया है।</u>**

- फ्रांस, डिजिटल दिग्गजों पर कर लगाने वाली पहली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, संसद ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आदेशित जांच की अवहेलना में कानून पारित करने के साथ ही प्रतिशोध शुल्क भी लगाया जा सकता है।
- नए कानून का लक्ष्य उन कराधान अंतरालों को दूर करना है जिन्होंने कुछ इंटरनेट हैवीवेट को उन देशों में कुछ भी नहीं करने के लिए भुगतान किया है जहां वे भारी मुनाफा कमाते हैं।
- कानून को गूगल, एप्पल, फेसबुक और अमेजन के लिए जी.ए.एफ.ए. कर-के संक्षिप्त रूप में रखा गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थव्यवस्था

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

11. **<u>भारत, आर्किड की 1,256 प्रजातियों का निवास स्थान है: पहली भारतीय ऑर्किड व्यापक जनगणना</u>**

- हाल ही में, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पहली भारतीय ऑर्किड व्यापक जनगणना के साथ

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

आया है, जिसमें ऑर्किड प्रजाति या टॉक्सा की कुल संख्या 1,256 है।

संबंधित जानकारी

ऑर्किड

- ऑर्किड को व्यापक रूप से तीन जीवन रूपों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

1. अधिपादप (रॉक बोल्डर पर उगने वाले पौधें सहित अन्य पौधों पर उगने वाले पौधे और प्राय: शैल कहा जाता है)
2. स्थलीय (भूमि और पर्वतारोहियों पर उगने वाले पौधे)
3. माइकोहेटेरोट्रोफ़िक (वे पौधे जो माइकोरिज़ल कवक से पोषक तत्व प्राप्त करते हैं जो एक संवहनी पौधे की जड़ों से जुड़े होते हैं)।

- ऑर्किड, सजावटी फूल वाले पौधे होते हैं।
- वे मध्यम जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में बढ़ते हैं [सभ्य वर्षा के साथ उप-उष्णकटिबंधीय]
- वे उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए विशिष्ट हैं।
- इन सजावटी फूलों के पौधों की बड़ी मांग दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

12. **<u>इलेक्टोरॉनीशेनगुआंगी: बहुत लंबे पंजे वाला पक्षी होता है।</u>**

- इलेक्टोरॉनीशेनगुआंगी, बहुत अधिक लंबे पंजे वाला एक विलुप्त पक्षी होती है। जिसका अध्ययन सामान्य जीनविज्ञान में प्रकाशित एक अध्ययन में किया गया है।
- एम्बर, पैर में पाया गया था, जो 3.5 सेंटीमीटर लंबा और 5.5 ग्राम वजन का था, 2014 में म्यांमार के हुक्वान घाटी में लगभग 99 मिलियन साल पहले खोजा गया था।
- मेसोजोइक युग से ज्ञात इस पक्षी का सबसे प्रचुर प्रकार है।
- यह माना जाता है कि इलेक्टोरॉनीशेनगुआंगी लगभग 66 मिलियन साल पहले क्रेटासेरस-पेलोजीन विलुप्त होने की घटना के दौरान डायनासोर के साथ विलुप्त हो गया था।
- उनके कोई जीवित वंशज नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

16.07.2019

1. **<u>ई-लर्निंग प्लेटफार्म को वर्चुअल विश्वविद्यालय में अपग्रेड करने के लिए पैनल गठित किया गया है।</u>**

- विशेषज्ञों के एक पैनल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मुफ्त ई-लर्निंग SWAYAM प्लेटफार्म को वर्चुअल विश्वविद्यालय में अपग्रेड करने की सिफारिश की है।
- यह प्रस्ताव शिक्षा की गुणवत्ता उन्नयन एवं समावेशन कार्यक्रम नामक मंत्रालय की पंचवर्षीय योजना का हिस्सा है।
- पैनल ने एक अधिक केंद्रित प्रयास की सुविधा देने हेतु मंत्रालय के अंतर्गत संचालित संगठन के रूप में स्वयं को एक अलग स्वायत्त बोर्ड के रूप में पुनर्गठित करने का प्रस्ताव दिया है।
- पैनल की सिफारिशें आ गई हैं क्यों कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय स्वयं के अगले चरण की तैयारी कर रहा है और डिग्री प्रदान करने वाला तंत्र इसकी सामग्री में से एक हो सकता है।

संबंधित जानकारी

स्टडी वेबस ऑफ़ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंडस (SWAYAM)

- यह भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है और इसे पहुँच, समानता और गुणवत्ता नामक शिक्षा नीति के तीन प्रमुख

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

सिद्धांतो को प्राप्त करने हेतु डिजाइन किया गया है।

- इस प्रयास का उद्देश्य सबसे वंचित व्यक्तियों सहित सभी के लिए सर्वोत्तम शिक्षण-अधिगम संसाधन लाना है।
- यह उन छात्रों के लिए डिजिटल विभाजन की कमी को पूरा करने का प्रयास करता है जो डिजिटल क्रांति से अछूते रहे हैं और ज्ञान अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में शामिल होने में सक्षम नहीं हैं।
- यह एक स्वदेशी रूप से विकसित आई.टी. प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाता है जो कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले सभी पाठ्यक्रमों की मेजबानी की सुविधा प्रदान करता है, इसे किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी व्यक्ति के द्वारा भी एक्सेस किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>12 भारतीय समुद्र तट "ब्लू फ्लैग" चुनौती के शीर्ष पर पहुँचने के लिए दौड़ में शामिल हैं।</u>**

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने 'ब्लू फ्लैग' प्रमाणन में भाग लेने हेतु भारत में 12 समुद्र तटों का चयन किया है।
- यह समुद्र तटों पर प्रदान की जाने वाली एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता है जो स्वच्छता और पर्यावरणीय स्वामित्व के निश्चित मानदंडों को पूरा करती है।
- ये समुद्र तट शिवराजपुर (गुजरात), भोगवे (महाराष्ट्र), घोघला (दिउ), मीरामार (गोवा), कासरकोड और पदुबिद्री (कर्नाटक), कप्पड़ (केरल), ईडन (पुदुचेरी), ममल्लापुरम (तमिलनाडु), रूशिकोंदा (आंध्र प्रदेश), गोल्डन (ओडिशा) और राधानगर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) हैं।

संबंधित जानकारी

ब्लू फ्लैग कार्यक्रम

- यह अंतर्राष्ट्रीय, गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी संगठन एफ.ई.ई. (पर्यावरण शिक्षा फाउंडेशन) द्वारा संचालित है।
- इसे फ्रांस में 1985 में शुरू किया गया था और 1987 से यूरोप में लागू किया गया है।
- यहां पर लगभग 33 मानदंड हैं जो ब्लू फ्लैग प्रमाणन के लिए अर्हता प्राप्त करने हेतु अनिवार्य हैं जैसे कि पानी अपशिष्ट निपटान सुविधाएं, अक्षम-अनुकूल सुविधाएं आदि जैसे निश्चित मानको को पूरा करता है।
- कुछ मानदंड स्वैच्छिक हैं और कुछ अनिवार्य हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>यौन अपराधों हेतु जांच निगरानी प्रणाली</u>**

- आई.टी.एस.ओ. के अनुसार, लगभग आधे यौन अपराधों के मामलों में डेटा जांच 60-दिनों की अवधि के भीतर पूरी नहीं की जा रही है।
- 7 राज्यों- हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तराखंड में अपराध के आंकड़ों के आई.टी.एस.एस.ओ. विश्लेषण के अनुसार, लगभग आधे यौन अपराधों के मामलों की जांच 60 दिनों की निर्धारित अवधि के भीतर पूरी नहीं की जा रही है।

संबंधित जानकारी

यौन अपराधों हेतु जांच निगरानी प्रणाली

- यह समयबद्ध जांच की निगरानी और ट्रैक करने हेतु एक विश्लेषणात्मक उपकरण है।
- यह अपराध एवं आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली (सी.सी.टी.एन.एस.) का हिस्सा है जो पूरे देश में 15,000 से अधिक पुलिस स्टेशनों को जोड़ती है।
- यह आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2018 के प्रभावी कार्यान्वयन में सहायता करेगा

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

और दो महीने के भीतर बलात्कार के मामलों में जांच और परीक्षणों को पूरा करने में मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महिला सशक्तीकरण

स्रोत- द हिंदू

4. **करतारपुर गुरुद्वारा**

- पाकिस्तान ने भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए करतारपुर साहिब के पवित्र गुरुद्वारे में साल भर का वीजा मुक्त प्रवेश देने पर सहमति जतायी है।
- पाकिस्तान ने भारतीय पासपोर्ट-धारकों और ओ.सी.आई. कार्ड-धारकों के लिए सप्ताह में सातों दिन वीजा मुक्त यात्रा की अनुमति देने पर सहमति जतायी है।
- पूरे वर्ष में, प्रतिदिन 5,000 तीर्थयात्रियों को करतारपुर साहिब गुरुद्वारा जाने की अनुमति प्रदान की जाएगी।
- तीर्थयात्रियों को व्यक्तिगत रूप से या समूहों में और पैदल भी यात्रा करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।
- यहां पर धार्मिक गलियारे से यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए परमिट व्यवस्था का प्रावधान होगा।

संबंधित जानकारी

करतारपुर साहिब

- गुरुद्वारा साहिब, पाकिस्तान के नरोवाल जिले के करतारपुर में स्थित है।
- यह लाहौर से लगभग 120 कि.मी. उत्तर पूर्व में रावी नदी के किनारे पर स्थित है।
- प्रथम सिख गुरु (नानक देव) ने यहां एक सिख समुदाय को गठन किया था और 1539 में अपनी मृत्यु तक 18 साल तक वहां रहे थे, जो गुरु नानक जी का अंतिम विश्राम स्थल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एव संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **शीघ्र ही विधि आयोग बनाया जाएगा।**

- कानून मंत्रालय ने 22वें विधि आयोग की स्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी है जो सरकार को जटिल कानूनी मुद्दों पर सलाह देता है।
- मंत्रिमंडल ने तीन वर्ष की अवधि के लिए कानून पैनल के पुनर्गठन को मंजूरी प्रदान की है।
- न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान के अंतर्गत 21वें विधि आयोग का तीन वर्ष का कार्यकाल 31 अगस्त, 2018 को समाप्त हो गया था।

संबंधित जानकारी

विधि आयोग

- यह भारत सरकार के एक आदेश द्वारा स्थापित एक कार्यकारी निकाय है।
- इसका प्रमुख कार्य कानूनी सुधार हेतु काम करना है।
- इसकी सदस्यता में मुख्य रूप से कानूनी विशेषज्ञ शामिल हैं, जिन्हें सरकार द्वारा एक जनादेश सौंपा गया है।
- यह सामान्यत: सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में होता है।
- आयोग एक निश्चित कार्यकाल (सामान्यत: तीन साल) के लिए स्थापित किया जाता है और कानून एवं न्याय मंत्रालय के लिए एक सलाहकार निकाय के रूप में काम करता है।

पृष्ठभूमि

- पहले विधि आयोग की स्थापना 1834 में चार्टर अधिनियम 1833 द्वारा ब्रिटिश राज युग के दौरान की गई थी, जिसकी अध्यक्षता लॉर्ड मैकाले ने की थी।
- स्वतंत्र भारत के पहले विधि आयोग की स्थापना 1955 में तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **राष्ट्रीय जांच एजेंसी (संशोधन) विधेयक, 2019**

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (संशोधन) विधेयक, 2019 लोकसभा द्वारा पारित किया गया है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- एन.आई.ए. की स्थापना वर्ष 2009 में मुंबई आतंकवादी हमले के होने के बाद की गई थी।

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एन.आई.ए.) अधिनियम, 2008 के तीन प्रमुख संशोधन हैं।
- मौजूदा अधिनियम के अंतर्गत, एन.आई.ए. परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम, 1967 जैसे अधिनियमों के अंतर्गत अपराधों की जांच कर सकता है।
- अब एन.आई.ए. मानव तस्करी, जाली मुद्रा, प्रतिबंधित हथियारों के निर्माण या बिक्री, साइबर आतंकवाद और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 के अंतर्गत अपराधों से संबंधित अपराधों की भी जांच करेगा।
- विशेष न्यायालयों को नामित करने से मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी और न्यायाधीशों की नियुक्तियों में देरी या स्थानांतरणों से इसमें देरी नहीं होगी।
- यह एजेंसी, विदेशों में भारतीय दूतावासों और संपत्तियों के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों की जांच करने और साइबर आतंकवाद के अतिरिक्त मादक पदार्थों, हथियारों और महिलाओं की तस्करी के मामलों को उठाने में सक्षम होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>5,000 गाँवों को पानी की कमी की समस्या से मुक्त करने के लिए महाराष्ट्र सरकार का जलयुक्त शिविर कार्यक्रम</u>**

- जलयुक्त शिविर दिसंबर, 2014 में शुरू किया गया महाराष्ट्र सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है।
- इसका उद्देश्य 5,000 गांवों को पानी की कमी की समस्या से मुक्त बनाना है।
- योजना ने जल संरक्षण उपायों में सुधार करके सूखाग्रस्त क्षेत्रों को लक्षित किया जिससे कि उन्हें अधिक से अधिक जल स्थिर बनाया जा सके।
- इस योजना में, वार्षिक रूप से कम वर्षा प्राप्त करने वाले गाँव क्षेत्रों में विशेष रूप से मानसून के महीनों के दौरान बहने वाले अधिकतम पानी को बचाने की परिकल्पना की गई है।
- इस योजना के अंतर्गत, भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने के लिए गांवों के भीतर विभिन्न स्थानों पर विकेन्द्रीकृत जल निकाय स्थापित किए गए थे।
- इसके अतिरिक्त, इसमें जल भंडारण क्षमता को मजबूत करने और कायाकल्प करने और टंकियों और भंडारण के अन्य स्रोतों के टपकने को नष्ट करने का भी प्रस्ताव रखा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – सरकारी योजनाएं

स्रोत-इंडियन एक्सप्रेस

17.07.2019

1. **<u>गूगल इंडिया का 'इंटरनेट साथी' कार्यक्रम</u>**

- गूगल इंडिया के 'इंटरनेट साथी' कार्यक्रम में अब पंजाब और ओडिशा दो अन्य राज्यों को जोड़ा गया है।

संबंधित जानकारी

'इंटरनेट साथी' कार्यक्रम

- इसे 2015 में टाटा ट्रस्ट के साथ एक प्रमुख परियोजना के रूप में लॉन्च किया गया है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को इंटरनेट का उपयोग करने के लिए सशक्त बनाना है जिसमें अब पंजाब और ओडिशा सहित 20 राज्यों को शामिल किया जाएगा।
- यह कार्यक्रम बालिका शिक्षा, मासिक धर्म स्वच्छता और अधिक जैसे मुद्दों के प्रति

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

जागरूकता फैलाने को लागू करने में भी मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>सेवा भोज योजना</u>**

- यह सार्वजनिक/ श्रद्धालुओं को मुफ्त भोजन परोसने के लिए विशिष्ट कच्चे खाद्य पदार्थों की खरीद पर धर्मार्थ/ धार्मिक संस्थानों द्वारा भुगतान किए गए केंद्र सरकार के हिस्से आई.जी.एस.टी. और सी.जी.एस.टी. की प्रतिपूर्ति प्रदान करने हेतु केंद्रीय क्षेत्र की एक योजना है।
- इस योजना के अंतर्गत शामिल विशिष्ट कच्चे खाद्य पदार्थ (i) घी (ii) खाद्य तेल (iii) चीनी/ बूरा /गुड़ (iv) चावल (v) आटा/ मैदा/ रवा/ आटा और (vi) दलहन हैं।
- सेवा भोज योजना के अंतर्गत गुरुद्वारा, मंदिर, धार्मिक आश्रम, मस्जिद, दरगाह, चर्च, मठ, ज्योतिर्मठ जैसे धर्मार्थ/ धार्मिक संस्थानों द्वारा मुफ्त 'प्रसाद' या मुफ्त भोजन या मुफ्त 'लंगर'/ 'भंडारा' (सामुदायिक रसोई) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

वित्तीय सहायता हेतु मानदंड

- ये धर्मार्थ धार्मिक संस्थान कम से कम पिछले 3 वर्षों से एक कैलेंडर माह में कम से कम 5000 व्यक्तियों को प्रसाद', लंगर/ भंडारा (सामुदायिक रसोई)) के रूप में मुफ्त भोजन वितरित करते होने चाहिए।
- इस योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता केवल उन्हीं संस्थानों को प्रदान की जाएगी जो मुफ्त भोजन वितरित करने के उद्देश्य से केंद्र/ राज्य सरकार से किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता के प्राप्तिकर्ता में नहीं हैं।
- विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत या केंद्र/ राज्य के किसी भी अधिनियम/ नियम के प्रावधानों के अंतर्गत ब्लैकलिस्ट किए गए संस्थान/ संगठन इस योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता के लिए पात्र नहीं होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकैन विलुप्त होने की कगार पर हैं।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने दो भारतीय पक्षियों- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकैन के संरक्षण हेतु एक आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना का तत्काल निर्माण करने और इसे कार्यान्वित करने हेतु एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है।

संबंधित जानकारी

लेसर फ्लोरीकैन

- लेसर फ्लोरीकैन को लिख या खरमोर के नाम से भी जाना जाता है, यह बस्टर्ड परिवार में सबसे छोटा पक्षी है।
- यह भारतीय उपमहाद्वीप के लिए स्थानिक है जहाँ यह लंबे घास के मैदानों में पाया जाता है।
- यह आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध है।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की आबादी अधिकांशत: राजस्थान और गुजरात तक ही सीमित है और इसकी कम आबादी महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी पायी जाती है।
- यह राजस्थान का राज्य पक्षी है।
- संरक्षण का दर्जा: भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में और सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट । में सूचीबद्ध है।
- आई.यू.सी.एन. दर्जा: गंभीर रूप से लुप्तप्राय है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति: संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट</u>**

- संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, "विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति", भूख से मरने वाले लोगो की संख्या तीसरे वर्ष लगातार बढ़कर 820 मिलियन से अधिक हो गई है।
- यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) और विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अन्य संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं द्वारा निर्मित की गई थी।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- भूख से मरने वाले लोगो की संख्या लगातार तीसरे वर्ष बढ़कर 820 मिलियन से अधिक हो गई है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि दशकों तक कम होने के बाद, वर्ष 2015 से पुन: कुपोषण में वृद्धि होना शुरू हो गई है, जिसका मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन और युद्ध है।
- अफ्रीका और एशिया, दुनिया के दस में से नौ से अधिक अविकसित बच्चों के लिए जिम्मेदार होने के साथ क्रमश: 39.5% और 54.9% पर हैं।
- इसी अवधि के दौरान सभी क्षेत्रों में मोटापा और अतिरिक्त वजन दोनों के मामले बढ़ रहे हैं, जिसमें विशेष रूप से स्कूली बच्चे और वयस्क प्रभावित हो रहे हैं।

भारतीय परिदृश्य:

- भारत में मोटापे से ग्रस्त वयस्कों की संख्या चार वर्षों में एक-चौथाई बढ़कर वर्ष 2012 में 24.1 मिलियन से वर्ष 2016 में 32.8 मिलियन हो गई है।
- भारत की कुपोषित जनसंख्या लगभग 12 वर्षों में समान रूप से घटकर वर्ष 2004-06 में 253.9 मिलियन से वर्ष 2016-18 में 194.4 मिलियन हो गई है।
- इस रिपोर्ट में चीन और भारत में आर्थिक विकास और गरीबी पर इसके प्रभाव पर एक खंड है।
- विश्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 1990 और वर्ष 2017 के बीच दोनों देशों की प्रति व्यक्ति औसत जी.डी.पी. वृद्धि दर क्रमश: 8.6% और 4.5% थी।
- दोनों देशों में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, गरीबी में कमी के कारण हुई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>आर.बी.आई. ने आई.आर.ए.सी. मानदंडों का उल्लंघन करने पर एस.बी.आई. पर 7 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।</u>**

- आर.बी.आई. ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के अंतर्गत एन.पी.ए. पहचान और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन से संबंधित मानदंडों का पालन न करने के लिए देश के सबसे बड़े बैंक एस.बी.आई. पर 7 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।
- ये हैं
- आय पहचान एवं परिसंपत्ति वर्गीकरण (आई.आर.ए.सी.) मानदंड और
- चालू खाता खोलने और संचालित करने और बड़े क्रेडिट पर सूचना के केंद्रीय भंडार पर डेटा की रिपोर्ट हेतु आचार संहिता (सी.आर.आई.एल.सी.)

संबंधित जानकारी

- आय पहचान एवं परिसंपत्ति वर्गीकरण मानदंड ऐसे नियम हैं जो तब प्रयोग किए जाते हैं, जब ऋण को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एन.पी.ए.) घोषित किया जाना हो।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- बड़े क्रेडिट पर सूचना का केंद्रीय भंडार, ऋणदाताओं को क्रेडिट डेटा एकत्र करने, संग्रहित करने और प्रसारित करने में मदद करता है।
- अत: बैंकों को अपने उन सभी उधारकर्ताओं के लिए सी.आर.आई.एल.सी. को क्रेडिट जानकारी प्रस्तुत करनी होगी, जिनके पास कुल निधि आधारित और गैर-निधि आधारित अनावरण 5 करोड़ और उससे अधिक का हो।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>थर्टी मीटर दूरदर्शी सेट का निर्माण शुरू किया गया है।</u>**

- विरोध के चार वर्ष बाद मौन किआ, हवाई में 30 मीटर लंबे दूरदर्शी का रूका हुआ निर्माण कार्य फिर शुरू होगा, सरकार ने घोषणा की है कि निर्माण कार्य फिर से शुरू किया जाएगा।
- तीस मीटर लंबा दूरदर्शी, एक प्रस्तावित खगोलीय वेधशाला है जिसमें एक बहुत बड़ा टेलिस्कोप है जो अमेरिका के हवाई राज्य के हवाई द्वीप पर मौना केआ पर अपने नियोजित स्थान पर विवाद का स्रोत बन गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- सी.एन.एन.

7. **<u>उर्सुला वॉन डेर लेयेन की यूरोपीय आयोग की पहली महिला अध्यक्ष के रूप में पुष्टि की गई है।</u>**

- उर्सुला वॉन डेर लेयेन की यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष के रूप में पुष्टि की गई थी, वह यूरोपीय संघ में सबसे प्रतिष्ठित पदों में से एक पर बैठने वाली पहली महिला बनीं हैं।

संबंधित जानकारी

यूरोपीय संघ

- यह 28 सदस्य राज्यों का एक राजनीतिक और आर्थिक संघ है जो मुख्य रूप से यूरोप में स्थित है।
- मास्ट्रिच्ट संधि के 1993 में लागू होने पर यूरोपीय संघ और यूरोपीय नागरिकता स्थापित हुई थी।
- यूरोपीय संघ ने कानूनों की मानकीकृत प्रणाली के माध्यम से एक आंतरिक एकल बाजार विकसित किया है जो उन मामलों में सभी सदस्य राज्यों में लागू होता है और केवल उन मामलों में लागू होता है, जहां सदस्य एक के रूप में कार्य करने के लिए सहमत होते हैं।
- इन नीतियों का उद्देश्य आंतरिक बाजार के भीतर व्यक्तियों, वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी की मुक्त आवाजाही को सुनिश्चित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

18.07.2019

1. **<u>भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी)- साइबर अपराधों से निपटने हेतु A7- प्रांग्ड योजना</u>**

- गृह मंत्रालय ने देश में साइबर अपराध से निपटने के लिए 2018-2020 की अवधि के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) योजना शुरू की है।
- इस योजना के निम्नलिखित सात घटक हैं:

1. राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषिकी इकाई
2. राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल

- संयुक्त साइबर अपराध जांच दल हेतु एक मंच

1. राष्ट्रीय साइबर अपराध फोरेंसिक प्रयोगशाला पारिस्थितिकी तंत्र
2. राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केंद्र
3. साइबर अपराध पारिस्थिकी तंत्र प्रबंधन इकाई

- राष्ट्रीय साइबर अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र

संबंधित जानकारी

साइबर अपराध से निपटने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदम

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- देश में महत्वपूर्ण सूचना ढांचा के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना ढांचा संरक्षण केंद्र (NCIIPC) की स्थापना की गई है।
- दुर्भावनापूर्ण प्रोग्रामों का पता लगाने और ऐसे प्रोग्रामों को हटाने हेतु निशुल्क उपकरण प्रदान करने हेतु साइबर स्वच्छता केंद्र (बोटनेट सफाई एवं मालवेयर विश्लेषण केंद्र) शुरू किए गए हैं।
- साइबर हमलों और साइबर आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए संकट प्रबंधन योजना का गठन किया गया है।

नोट: भारत के संविधान के अनुसार पुलिस और लोक व्यवस्था राज्य के विषय हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>सरकार के ''फाइंड द इनक्रेडिबल यू'' अभियान ने पी.ए.टी.ए. पुरस्कार जीता है।</u>**

- पर्यटन मंत्रालय के "फाइंड द इनक्रेडिबल यू" अभियान ने प्रशांत एशिया यात्रा संघ (पी.ए.टी.ए.) ने गोल्ड अवार्ड, 2019 जीता है।
- यह अभियान डिजिटल और सोशल मीडिया पर और देश के आला पर्यटन उत्पादों के प्रचार पर ध्यान केंद्रित करता है।
- इस अभियान ने "विपणन- प्राथमिक सरकार गंतव्य" श्रेणी के अंतर्गत पुरस्कार जीता है।
- अभियान को अगले स्तर पर ले जाने के लिए सितंबर, 2017 में 'अतुल्य भारत 2.0' अभियान शुरू किया गया था।
- इस अभियान की रणनीति ध्यान को पर्यटन स्थलों के बाहरी अनुभव से यात्रियों के आंतरिक अनुभवों पर केंद्रित करना है।
- पी.ए.टी.ए. गोल्ड अवार्ड, पूरे एशिया प्रशांत क्षेत्र में पर्यटन उद्योग के सफल संवर्धन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पर्यटन उद्योग संगठनों और व्यक्तियों को दिया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>मिजोरम जिले में विद्यालयों को पोषण उद्यानों में परिवर्तित किया गया है।</u>**

- कान सिकुल, कान हुआन (मेरा विद्यालय, मेरा उद्यान) मिजोरम के लावंग्नतलाई जिला प्रशासन की एक पहल है।
- इस पहल का उद्देश्य मार्च, 2020 तक लावंग्नतलाई में प्रत्येक स्कूल, आंगनवाड़ी, चाइल्डकेयर संस्थान और छात्रावासों को स्थानीय किस्म के फलों और सब्जियों में आत्मनिर्भर बनाना है।
- यह बच्चों में कुपोषण और अविकास को कम करने में भी मदद करेगा।
- रणनीति यह है कि कृषि और बागवानी जैसे विभागों की नियमित गतिविधियों के साथ केंद्र के पोषण अभियान को सम्मिश्रित किया जाए।

संबंधित जानकारी

पोषण अभियान

- पोषण अभियान या राष्ट्रीय पोषण मिशन, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है।
- पोषण अभियान का उद्देश्य प्रमुख आंगनवाड़ी सेवाओं के उपयोग और आंगनवाड़ी सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार करके अत्यधिक कुपोषण के भार वाले भारत के चिन्हित जिलों में अविकास को कम करना है।
- इसका उद्देश्य 2017-18 से शुरू करते हुए अगले तीन वर्षों के दौरान समयबद्ध तरीके से गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों के लिए समग्र विकास और पर्याप्त पोषण सुनिश्चित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- द हिंदू

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

4. **मंत्रिमंडल ने दिबांग में हाइडेल परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।**

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने अरुणाचल प्रदेश में 2,880 मेगावाट (एम.डब्ल्यू.) दिबांग जलविद्युत परियोजना को हरी झंडी दी है।
- यह परियोजना अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी जिले में दिबांग नदी पर स्थित है, जो भारत में निर्मित होने वाली सबसे बड़ी जलवैद्युत परियोजना है।
- यह परियोजना कंक्रीट गुरूत्वाकर्षण बांध के निर्माण की परिकल्पना करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **प्लूनेट्स**

- एक नए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि गैस-विशाल एक्सोप्लेनेट के चंद्रमा, अपनी स्वयं की कक्षाओं में टूट सकते हैं, जिन्हें "प्लूनेट्स" कहा जाता है।
- शोधकर्ता बताते हैं कि जब बुध जैसे गैस दिग्गज ग्रह अपने तारे के करीब जाने को मजबूर होते हैं तो प्लूनेट्स बन सकते हैं, ऐसा उनके चंद्रमाओं में कोणीय संवेग के स्थानांतरण के कारण हो सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि यह परिघटना 'गर्म बुध' गैस दिग्गज के अस्तित्व की व्याख्या करते हैं जो सौर प्रणाली में अपने मेजबान के समतुल्य हैं लेकिव वे अपने गर्म तारे के निकट रहते हैं।

संबंधित जानकारी

प्लूनेट्स के संदर्भ में जानकारी

- प्लूनेट्स तब बनते हैं जब चंद्रमा किसी ग्रह की परिक्रमा करते हुए अपनी कक्षा को छुपा लेता है।
- वे अपने तारे के चारों ओर एक विस्तृत कक्षा में प्रवाहित होते हैं।
- बुध जैसे गैस दिग्गजों के आसपास के एक्सोमून होते हैं जो अपने तारे की ओर पलायन कर रहे हैं तो उनके प्लूनेट बनने की 50 प्रतिशत संभावना होती है अन्यथा वे या तो अंतरिक्ष से बाहर निकल जाते हैं या अपने ग्रह से टकरा जाते हैं।
- वे लंबे समय तक अपने वास्तविक मेजबान के चुंबकीय क्षेत्र द्वारा परिरक्षित नहीं होते है, हालांकि, प्लूनेट्स अंत के लिए निर्दिष्ट होते हैं क्यों कि वे धीरे-धीरे तारकीय विकिरण की चकाचौंध में समाप्त हो जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- साइंस डेली

6. **वैज्ञानिकों ने रामानुजन मशीन का निर्माण किया है।**

- इज़राइल प्रौद्योगिकी संस्थान ने भारतीय गणितज्ञ के नाम पर एक अवधारणा विकसित की है जिसका नाम उन्होंने रामानुजन मशीन रखा है।
- यह वास्तविकता में एक मशीन नहीं है बल्कि एक एल्गोरिथ्म है और एक बहुत ही अपरंपरागत कार्य करता है।
- मशीन का उद्देश्य अनुमानों (गणितीय सूत्रों के रूप में) के साथ आना है जिनका मनुष्य विश्लेषण कर सकते हैं और आशा है कि गणितीय रूप से सही साबित कर सकते हैं।
- विज्ञान की शाखा में, विशेषकर गणित में नई खोज करने की प्रक्रिया में अनुमान एक बड़ा कदम है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **इबोला का प्रकोप, एक वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल है: डब्ल्यू.एच.ओ.**

- डब्ल्यू.एच.ओ. ने कांगो गणराज्य में इबोला के प्रकोप को "सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल का

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा" घोषित किया है, जो कि एक दुर्लभ पदनाम है जो केवल सबसे गंभीर महामारी के लिए उपयोग किया जाता है।

संबंधित जानकारी

इबोला

- इबोला विषाणुजनित रोग (ई.वी.डी.), जिसे पहले इबोला रक्तस्रावी बुखार के रूप में जाना जाता था, मनुष्यों में एक गंभीर और घातक बीमारी है।
- इबोला विषाणु एक गंभीर, घातक बीमारी का कारण बनता है जो प्राय: उपचार न होने पर घातक होता है।
- वर्तमान में कोई लाइसेंसीकृत इबोला टीका नहीं हैं।

इबोला का संचरण

- प्टेरोपोडिडे परिवार के फल चमगादड़ प्राकृतिक इबोला विषाणु के मेजबान हैं।
- मनुष्यों में इबोला का संक्रमण चिंपैंजी, गोरिल्ला, फल चमगादड़, बंदर, जंगली मृग और वर्षावनों में पाए गए बीमार अथवा मृत साही जैसे संक्रिमत जानवरों के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क में आने पर होता है।
- यह मानव-से-मानव में सीधे संपर्क के माध्यम से फैलता है (छिली हुई त्वचा या श्लेष्मा झिल्ली के माध्यम से) संक्रमित लोगों के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों और इन तरलों से प्रदूषित सतहों और सामग्रियों (जैसे बिस्तर, कपड़े) के संपर्क में आने पर फैलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. **केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2019**

- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2019 को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है।

विधेयकों की मुख्य विशेषताएं

- यह विधेयक, केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में संशोधन करना चाहता है, जो विभिन्न राज्यों में शिक्षण और अनुसंधान हेतु विश्वविद्यालयों की स्थापना करता है।
- यह विधेयक आंध्र प्रदेश में दो केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना का प्रावधान प्रदान करता है।
- केंद्रीय आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय और
- केंद्रीय आंध्र प्रदेश जनजातीय विश्वविद्यालय
- जनजातीय विश्वविद्यालय भारत की जनजातीय जनसंख्या को जनजातीय कला, संस्कृति और रीति-रिवाजों में उच्च शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने हेतु अतिरिक्त उपाय करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

19.07.2019

1. **परामर्श**

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद (एन.ए.ए.सी.) प्रत्यायन आकांक्षी संस्थान को सलाह देने हेतु एक योजना "परामर्श" शुरू की है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, परामर्श योजना की कार्यान्वयन संस्था है।
- इस योजना का उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन को बढ़ावा देना है।
- यह योजना यू.जी.सी. "गुणवत्ता शासनादेश" में प्रगणित के अनुसार गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ सलाह देने हेतु 1000 उच्च शिक्षा संस्थानों को लक्षित करेगी।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- इस योजना "हब एंड स्पोक" मॉडल के माध्यम से संचालित की जाएगी।
- "हब" नामक सलाह संस्थान को केंद्रीकृत किया गया है और स्व-सुधार के लिए मेंटी को प्रदान की गई सेवाओं के माध्यम से द्वितीयक शाखा "स्पोक" के माध्यम से मेन्टी संस्था को निर्देशित करने की जिम्मेदारी होगी।
- यह मेंटी संस्थानों के समग्र विकास को प्राप्त करने हेतु संचालन क्षमता, संसाधन उपयोग पर केंद्रीकृत नियंत्रण की अनुमति प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **मोतिहारी- अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन**

- भारतीय राजदूत ने कहा है कि मोतिहारी-अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन, भारत द्वारा सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है।

संबंधित जानकारी

पाइपलाइन के संदर्भ में जानकारी

- यह 69 किलोमीटर लंबी पेट्रोलियम पाइपलाइन है, जो बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक जाती है।
- यह नेपाल को पेट्रोलियम उत्पादों की सुगम, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल आपूर्ति सुनिश्चित करेगी।
- यह नेपाल में तेल भंडारण समस्याओं कापता लगाने और टैंकरों के माध्यम से पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन से दूर करने में भी मदद करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1– भूगोल

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **विदर्भ में इथेनॉल बायोफाइनरी स्थापित की जाएगी।**

- बी.पी.सी.एल., विदर्भ के भंडारा जिले में महाराष्ट्र की पहली इथेनॉल बायोरिफाइनरी स्थापित करेगी।
- यह संयंत्र चावल के भूसे से इथेनॉल का निर्माण करेगा।

संबंधित जानकारी

जैवईंधनों पर राष्ट्रीय नीति, 2018

- इसका उद्देश्य पेट्रोल और डीजल में इथेनॉल का प्रतिशत बढ़ाना है।
- वर्तमान में, यह पेट्रोल पर लगभग 2% है, जब कि डीजल में जैव ईंधन 1% से कम है।
- पेट्रोल में 20% इथेनॉल और डीजल में 5% बायोडीजल का सांकेतिक लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रस्तावित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- द हिंदू

4. **सरकार, वर्ष 2022-23 तक कोयला उत्पादन को एक बिलियन टन तक बढ़ाने की योजना बना रही है।**

- सरकार, वर्ष 2022-23 तक देश में कोयले के कुल उत्पादन को एक बिलियन टन तक बढ़ाने की योजना बना रही है।
- अखिल भारतीय कच्चा कोयला उत्पादन ने 2013-14 में 462 मीट्रिक टन के उत्पादन से बढ़ाकर 2018-19 में लगभग 730 मीट्रिक टन उत्पादन कर दिया है।
- कोयले के परिवहन हेतु 14 समर्पित गलियारे विकसित किए जा रहे हैं और वाहक पट्टों के माध्यम से कोयले के परिवहन में सुधार करने की योजना बनाई जा रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **व्हिप क्या है और यह क्या करता है?**

व्हिप क्या है?

- संसदीय बोल-चाल की भाषा में व्हिप एक लिखित आदेश होता है जिसे पार्टी के सदस्य एक महत्वपूर्ण वोट के लिए या केवल एक विशेष तरीके से मतदान करने हेतु प्रदर्शित करते हैं।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह शब्द पार्टी के नियमों का पालन करने के लिए ब्रिटिश संसद के पुराने "व्हिप" से लिया गया है।
- भारत में, सभी दल अपने सदस्यों के लिए व्हिप जारी कर सकते हैं।
- पार्टियां, व्हिप जारी करने के लिए अपने सदन के सदस्यों में से एक वरिष्ठ सदस्य को नियुक्त करती हैं- इस सदस्य को मुख्य सचेतक कहा जाता है और उसे अतिरिक्त सचेतक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

व्हिप के प्रकार

- एक आदेश को रेखांकित किए जाने की संख्या से कोड़े के महत्व का अनुमान लगाया जा सकता है।
- एक रेखा के कोड़े के नीचे एक बार रेखा खींची जाती है, इसे सामान्यत: एक वोट के पार्टी सदस्यों को सूचित करने के लिए जारी किया जाता है और उन्हें पार्टी लाइन का पालन नहीं करने की स्थिति में उन्हें त्यागने की अनुमति देता है।
- एक दो-लाइन कोड़ा उन्हें वोट के दौरान उपस्थित होने का निर्देश देता है।
- एक तीन-लाइन कोड़ा सबसे मजबूत होता है, जो महत्वपूर्ण अवसरों पर नियोजित होता है जैसे कि विधेयक का दूसरा वाचन और अविश्वास प्रस्ताव और सदस्यों पर पार्टी लाइन का अनुपालन करने की बाध्यता होती है।

व्हिप की अवहेलना

- व्हिप की अवहेलना करने की सजा देश से दूसरे देश में अलग-अलग होती है।
- ब्रिटेन में, सांसद पार्टी की सदस्यता खो सकते हैं लेकिन अपनी सदन की सीटें निर्दलीय के रूप में रख सकते हैं।
- भारत में, तीन-लाइन व्हिप की अवहेलना करना एक सांसद की सदस्यता को खतरे में डाल सकता है।
- दलबदल-रोधी कानून स्पीकर/ अध्यक्ष को ऐसे सदस्य को अयोग्य घोषित करने की अनुमति देता है; एकमात्र अपवाद तब है जब एक निर्देश के खिलाफ वोट करने के लिए एक तिहाई से अधिक विधायक प्रभावी ढंग से पार्टी का विभाजन कर रहे हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों हेतु ब्रॉडबैंड तत्परता सूचकांक 2019-2022</u>**

- दूरसंचार विभाग (डी.ओ.टी.) और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबध अनुसंधान परिषद (ICRIER) ने भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यू.टी.) के लिए एक ब्रॉडबैंड तत्परता सूचकांक (बी.आर.आई.) विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस सूचकांक को राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति (एन.डी.सी.पी.), 2018 द्वारा अनुशंसित किया गया था।
- पहला बी.आर.आई. अनुमान 2019 में और इसके बाद वर्ष 2022 तक प्रत्येक वर्ष बनाया जाएगा।
- यह सूचकांक राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश स्तर पर अंतर्निहित डिजिटल बुनियादी ढांचे और संबंधित कारकों की स्थिति से अवगत कराएगा।
- यह आई.सी.टी. कार्यक्रमों में निवेश आवंटन के लिए राज्यों द्वारा किए गए रणनीतिक विकल्पों में उपयोगी अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।
- बी.आर.आई. में दो भाग होते हैं।

1. भाग I, 9 मापदंडों की माप के आधार पर बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा।
2. भाग II में मांग-पक्ष मापदंड शामिल हैं जिन्हें प्राथमिक सर्वेक्षणों के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

7. **<u>मुख्यमंत्रियों का पैनल, राज्य कृषि सुधारों को वित्तपोषण से जोड़ने पर विचार कर रहा है।</u>**

- कृषि समिति पर पैनल के अध्यक्ष, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र निम्नलिखित सिफारिश या सुधारों के साथ आए हैं जो कृषि क्षेत्र में मदद करते हैं।
- ये सिफारिशें हैं:

1. खाद्य क्षेत्र के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम को पुन: बनाना
2. कृषि सब्सिडी की समीक्षा
3. बाजार के एकाधिकार को समाप्त करना
4. इस क्षेत्र में निजी निवेश और निवेश ऋण बढ़ाने के लिए कदम उठाना
5. स्थानीय बाजारों में उचित मूल्यों को सुनिश्चित करने और जोड़तोड़ एकाधिकार को समाप्त करने के तरीके
6. डिजिटल ई-एन.ए.एम. प्रणाली के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को हटाना चाहिए
7. राज्यों द्वारा कार्यान्वित कृषि सुधारों के साथ केंद्रीय अनुदान और वित्त आयोग के आवंटन को जोड़ा जाना चाहिए

नोट: कृषि, राज्य का विषय है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>बिमल जालान पैनल: आर.बी.आई. के आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा करने के लिए है।</u>**

- यह आर.बी.आई. के आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा करने के लिए दिसंबर, 2018 में गठित किया गया था।

पैनल की सिफारिशें

- बिमल जालान पैनल ने आश्चर्यचकित ढंग से सरकार को तीन-पांच वर्षों में अधिशेष भंडार के हस्तांतरण की सिफारिश की है।
- अधिशेष पूंजी के हस्तांतरण से सरकार को अपने वित्तीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिल सकती है।
- चालू वित्त वर्ष के लिए बजट घाटा, जुलाई में सकल घरेलू उत्पाद का 3% से फरवरी के अंतरिम बजट में 3.4% हो गया है।
- अतिरिक्त भंडार के हस्तांतरण के लिए जालान पैनल की सिफारिश में आकस्मिकता और पुनर्मूल्यांकन निधि दोनों शामिल हैं।
- उन्होंने आर.बी.आई. की आर्थिक पूंजी ढांचे की आवधिक समीक्षा के लिए भी सिफारिश की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण समिति

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>सागर मैत्री मिशन-2 पर आई.एन.एस. सागरध्वनि चढ़ाई गई है।</u>**

- डी.आर.डी.ओ. के समुद्र विज्ञान अनुसंधान पोत, आई.एन.एस.- सागरध्वनि को दो महीने लंबे सागर मैत्री (एस.एम.(मिशन-2 पर भेजा गया **है।**

संबंधित जानकारी

सगर मैत्री

- यह डी.आर.डी.ओ. की एक अनूठी पहल है जो प्रधानमंत्री नीति घोषणापत्र, "क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR) के व्यापक उद्देश्य के साथ संरेखित करता है।
- सागर मैत्री मिशन के मुख्य उद्देश्य हैं

1. पूरे उत्तर हिंद महासागर से डेटा संग्रह करना
2. अंडमान सागर और उससे सटे समुद्रों पर ध्यान केंद्रित करना
3. महासागर अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में आठ आई.ओ.आर. देशों के साथ दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करना

आई.एन.एस. सागरध्वनी

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह डी.आर.डी.ओ. की एक प्रमुख प्रणाली प्रयोगशाला, नौसेना शारीरिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन.पी.ओ.एल.), कोच्चि द्वारा डिजाइन और विकसित की गई है।
- यह हिंद महासागर में महासागर अनुसंधान प्रयोगों का संचालन करता है और एन.पी.ओ.एल. के समुद्र डेटा संग्रहण गतिविधियों की अगुआई करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

22.07.2019

1. **<u>सूचना का अधिकार (संशोधन) विधेयक, 2019 को लोकसभा में पेश किया गया है।</u>**

- भारत सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में संशोधन करने के लिए लोकसभा में सूचना का अधिकार (संशोधन) विधेयक, 2019 पेश किया है।

विधेयक में संशोधन

- विधेयक ने केंद्र और राज्यों में सी.आई.सी. और सूचना आयुक्तों की सेवा की शर्तों में बदलाव किया है।
- आर.टी.आई. अधिनियम, 2005: मुख्य सूचना आयुक्त (सी.आई.सी.) और सूचना आयुक्त (आई.सी.एस) (केंद्र और राज्य स्तर पर) पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करेंगे, अब केंद्र सरकार, सी.आई.सी. और आई.सी. के लिए कार्यालय का कार्यकाल अधिसूचित करेगी।
- सी.आई.सी. और आई.सी. (केंद्रीय स्तर पर) का वेतन, क्रमश: मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को दिए गए वेतन के बराबर होगा, आर.टी.आई. अधिनियम, 2005 में अब केंद्रीय और राज्य सी.आई.सी. और आई.सी. का वेतन, भत्ते और सेवा के अन्य नियम और शर्तें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएंगी।
- सी.आई.सी. और आई.सी. (केंद्रीय और राज्य स्तर पर) की नियुक्ति के समय, यदि वे पिछली सरकारी सेवा से पेंशन या कोई अन्य सेवानिवृत्ति लाभ प्राप्त कर रहे हैं तो आर.टी.आई. अधिनियम, 2005 में उनके वेतन में उनकी पेंशन के बराबर कटौती कर दी जाएगी। आर.टी.आई. (संशोधन) विधेयक, 2019 इन प्रावधानों को समाप्त कर देगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>पिछड़े समुदाय की महिलाओं का उत्थान</u>**

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्रालय ने लोकसभा को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (NBCFDC) के बारे में सूचित किया है।
- मंत्रालय, लक्षित महिलाओं के लिए दो महिला-विशिष्ट योजनाएं संचालित है जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रूपए से कम है।

1. **महिला समृद्धि योजना:**

- पिछड़े वर्ग की महिला उद्यमियों को सूक्ष्म वित्त प्रदान करना

2. **महिलाओं हेतु नई स्वर्णिमा योजना:**

- यह पिछड़े वर्गों की महिलाओं के बीच आत्म निर्भरता की भावना पैदा करने के लिए ऋण प्रदान करता है।

NBCFDC

- यह सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय के तत्वावधान में एक गैर-लाभकारी कंपनी है।
- इसका उद्देश्य पिछड़े वर्ग के सदस्यों के लिए आर्थिक गतिविधियों में सुधार और विकास करना है जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महिला सशक्तीकरण

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>अगली पीढ़ी की अनुक्रमण (एन.जी.एस.) सुविधा</u>**

- केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने हैदराबाद में कोशिकीय एवं आण्विक जीवविज्ञान केंद्र, एक सी.एस.आई.आर. प्रयोगशाला में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (एन.जी.एस.) की सुविधा का उद्घाटन किया है।
- यह एक दिन में 30 मानव जीनोमों को अनुक्रमित कर सकता है।
- यह देश में इस प्रकार की चौथी सुविधा है।

संबंधित जानकारी

अगली पीढ़ी के अनुक्रमण

- जीनोम अनुक्रमण का अर्थ एक जीनोम में डी.एन.ए. न्यूक्लियोटाइड्स या ठिकानों के क्रम का पता लगाना, जो As, Cs, Gs और Ts का क्रम है जो एक जीव के डी.एन.ए. का निर्माण करता है।
- मानव जीनोम, 3 बिलियन से अधिक इन आनुवांशिक अक्षरों से मिलकर बना है।
- अगली पीढ़ी का अनुक्रमण (एन.जी.एस.), समानांतर अनुक्रमण की अनुमति प्रदान करता है, जिसके परिणामस्वरूप कम समय में डेटा के गीगा आधारों की उत्पत्ति होती है।
- इसने पूरे परिसर और भारत के वैज्ञानिकों की जीवों की एक श्रृंखला से जीनोम अनुक्रम करने में मदद की है।
- इसका उद्देश्य बेहतर गुणवत्ता के साथ विश्वसनीय अनुक्रमण डेटा प्रदान करना, तेजी से बदलाव का समय, लागत प्रभावी रूप और अपने अनुक्रमण संबंधित अनुसंधान लक्ष्यों को प्राप्त करने में शोधकर्ताओं की सहायता करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>पशु खाद्य उद्योग में कोलिस्टिन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।</u>**

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक आदेश जारी किया है कि कोलिस्टिन के निर्माण, बिक्री और वितरण को प्रतिबंधित किया जाए और खाद्य-उत्पादक जानवरों, मुर्गीपालन, एक्वा खेती और पशु आहार सप्लीमेंट हेतु इसके सूचीकरण को प्रतिबंधित किया है।

संबंधित जानकारी

कोलिस्टिन

- इसे पॉलीमाइक्सिन E के रूप में भी जाना जाता है, एक एंटीबायोटिक है जिसका उपयोग निश्चित जीवाणु संक्रमणों के इलाज के लिए किया जाता है।
- कोलिस्टिन एक मूल्यवान, अंतिम उपाय एंटीबायोटिक है जो महत्वपूर्ण देखभाल इकाइयों में जीवन बचाता है।
- हाल ही के वर्षों में, इस दवा के प्रति प्रतिरोध प्रदर्शित करने वाले मरीजों की संख्या ने चिकित्सा व्यवसायियों को चिंतित किया है।
- हालांकि, खाद्य उद्योग में कोलिस्टिन के मनमाने उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु, विशेष रूप से पशुओं, मुर्गीपालन, एक्वा फार्मों में उपयोग करने से देश के भीतर रोगाणुरोधी प्रतिरोध को कम करने की संभावना उत्पन्न होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना</u>**

- केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न नीतिगत पहलों के बारे में राज्यसभा में प्रधानमंत्री उर्जा गंगा परियोजना के बारे में जानकारी प्रदान की है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

संबंधित जानकारी

ऊर्जा गंगा परियोजना

- यह उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अत्यधिक महत्वाकांक्षी गैस पाइपलाइन परियोजना है, जिसे राज्य सरकार द्वारा संचालित गैस उपयोगिता भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (गेल) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- गैस पाइपलाइन परियोजना का उद्देश्य देश के पूर्वी क्षेत्र के निवासियों और वाहनों के लिए सी.एन.जी. गैस के लिए पाइप्ड कुकिंग (पी.एन.जी.) गैस प्रदान करना है।
- सरकार का अनुमान है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सालाना लगभग 5 लाख गैस सिलेंडर भेजे जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>यू.जी.सी. एक साथ कई डिग्री प्राप्त करने की अनुमति प्रदान कर सकता है।</u>**

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने छात्रों के लिए अपने उपाध्यक्ष भूषण पटवर्धन की अध्यक्षता में एक पैनल का गठन किया है, इस पैनल का गठन विचार की व्यवहार्यता का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए किया गया है जो एक साथ कई डिग्रियां प्राप्त करने की अनुमति प्रदान कर सकता है।

संबंधित जानकारी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

- यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत यू.जी.सी. अधिनियम, 1956 के अनुसार भारतीय संघ सरकार द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
- इसे उच्च शिक्षा के मानकों के समन्वय, निर्धारण और रखरखाव की शक्तियां प्राप्त हैं।
- यह भारत में विश्वविद्यालयों को मान्यता प्रदान करता है और ऐसे मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को धन वितरित करता है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और 6 क्षेत्रीय केंद्र पुणे, भोपाल, कोलकाता, हैदराबाद, गुवाहाटी और बैंगलोर में स्थित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>चंद्रयान-2 मिशन ने उड़ान भरी है।</u>**

- चंद्रमा पर अपना पहला अंतरिक्ष यान उतारने की भारत की खोज 22 जुलाई की दोपहर देश के सबसे शक्तिशाली रॉकेट जी.एस.एल.वी. एम.के.-III के सफल प्रक्षेपण के साथ सुचारू रूप से शुरू हो गई है।
- प्रक्षेपण वाहन ने श्रीहरिकोटा से उड़ान भरी है।
- यह मिशन 22 जुलाई से 48 दिन बाद 7 सितंबर को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करके अंतरिक्ष यान के लैंडर और रोवर मॉड्यूल को देखेगा।
- ये दोनों यहां 14 दिनों तक जीवित रहेंगे, इस दौरान वे विभिन्न प्रयोग करेंगे और डेटा एकत्र करेंगे।

संबंधित जानकारी

- भारत, पूर्व सोवियत संघ, अमेरिका और चीन के बाद चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गया है, जिसने दुनिया के अंतरिक्ष-उत्पादक देशों के बीच अपनी जगह बनाई है।
- लैंडर और रोवर के साथ ऑर्बिटर को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से हमारे उन्नत भारी रॉकेट (जी.एस.एल.वी. मार्क III) से लॉन्च किया गया है, इसे 170 कि.मी. पेरिगी (पृथ्वी के सबसे निकट) और 30,000 कि.मी. एपोगी (पृथ्वी से सबसे दूर) पर पृथ्वी की अण्डाकार कक्षा में प्रवेश कराने हेतु लांच किया गया है।
- इसरो ने भारत के अंतरिक्ष अग्रणी विक्रम साराभाई (1919-1971) के नाम पर इस लैंडर

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

का नाम विक्रम और रोवर का नाम 'प्रज्ञान' रखा है, जिसका संस्कृत में अर्थ ज्ञान होता है।

- सिवान ने कहा है कि यह रॉकेट अपने दक्षिणी ध्रुव के पास एक सॉफ्ट लैंडिंग करने के लिए 50 दिनों में पृथ्वी से चंद्रमा तक 385,000 कि.मी. की दूरी तय करते हुए चंद्रमा की कक्षा में अपने मार्ग के लिए भू-अंतरण कक्षा में ऑर्बिटर रखेगा।
- लैंडर, ऑर्बिटर से युद्धाभ्यास के माध्यम से अलग हो जाएगा, जब यह 150 कि.मी. पेरिलून (चंद्रमा की सतह के निकटतम) और 18,000 एपोलून (चंद्र की सतह से सबसे दूर) पर होता है और चंद्रमा पर उतरने के 4 दिन बाद (आर्बिटर) अपनी सतह से 100 कि.मी. की दूरी पर स्थित चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश करता है और सॉफ्ट लैंडिंग के लिए धीरे-धीरे 30 कि.मी. तक नीचे उतरता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित पोस्टल मतदान प्रणाली (ETPBS)</u>**

- यह भारतीय चुनाव आयोग का प्रमुख आई.टी. कार्यक्रम है जिसे इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित पोस्टल मतदान प्रणाली (ETPBS) के रूप में जाना जाता है।
- "कोई मतदाता छूटने न पाए" के आदर्श वाक्य के साथ भारतीय चुनाव आयोग के ई.टी.पी.बी.एस. ने राष्ट्र के लिए अपना कर्तव्य निभाते हुए वोट करने के लिए अपनी संवैधानिक शक्ति के साथ सभी पात्र सेवा निर्वाचकों को सशक्त और सुनिश्चित किया है।

संबंधित जानकारी

ई.टी.पी.बी.एस. के संदर्भ में जानकारी

- इसका उपयोग सशस्त्र अधिनियम के अंतर्गत केंद्रीय बलों में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए किया जाता है और देश के बाहर दूतावासों में तैनात सरकारी अधिकारियों को सेवा मतदाता के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और ऑनलाइन नामांकन के लिए प्रावधान किया जाता है।
- यह पूर्णतया सुरक्षित प्रणाली है, जिसमें दो सुरक्षा परतें हैं।
- ओ.टी.पी. और पिन के उपयोग के माध्यम से मतदान की गोपनीयता बनाए रखी जाती है और डाले गए मत की नकल नहीं की जा सकती है।
- इस प्रणाली के माध्यम से सेवा मतदाताओं ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाहर कहीं से भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त डाक मतपत्र पर अपना वोट डाल सकते हैं, जिससे मतदान के मत डालने का अवसर खोने की संभावना कम हो गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

23.07.2019

1. **<u>भारत ने जनसांख्यिकीय लाभांश की 37-वर्षीय अवधि में प्रवेश किया है।</u>**

- अध्ययनों के अनुसार, भारत ने 2018 से जनसांख्यिकीय लाभांश की 37 वर्ष की अवधि में प्रवेश किया है।
- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को विकास की क्षमता के रूप में परिभाषित किया है, जो जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव से उत्पन्न होता है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- वर्ष 2018 से, भारत की कार्य-आयु जनसंख्या (15 से 64 वर्ष के आयु वर्ग के लोग), आश्रित जनसंख्या- 14 वर्ष या उससे कम आयु के बच्चे अथवा 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध, से अधिक हो गई है।
- कार्य-आयु जनसंख्या में यह वृद्धि वर्ष वर्ष 2055 तक रहेगी।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के स्थायी हो जाने के बाद कुल प्रजनन दर में कमी के कारण यह संक्रमण बड़े पैमाने पर होता है।
- कुल प्रजनन दर को प्रति महिला जन्मों की संख्या के रूप में परिभाषित करते हैं।
- जनसंख्या संरचना में बदलाव के कारण तेज विकास का अनुभव करने वाली जापान पहली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सामाजिक मुद्दे

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **ओडिशा, घड़ियाल जनसंख्या को पुन: प्राप्त करने हेतु प्रयासों को नवीनीकृत कर रहा है।**

- ओडिशा ने महानदी के सतकोसिया कण्ठ में छोड़कर घड़ियालों की जनसंख्या को उनके प्राकृतिक आवास में पुन: प्राप्त करने हेतु प्रयासों को नवीनीकृत किया है।
- महानदी का सतकोसिया कण्ठ, भारत में घड़ियालों की घरेलू सीमा की सबसे दक्षिणी सीमा है।

संबंधित जानकारी

घड़ियाल

- घड़ियाल या मछली खाने वाला मगरमच्छ, भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी है।
- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- भारत में, यह भारत में: गिरवा नदी, चंबल नदी, केन नदी, सोन नदी, महानदी नदी और रामगंगा नदी में पाया जाता है।
- खारे पानी का मगरमच्छ, घड़ियाल (या ताजे पानी के मगरमच्छ) और मगर मगरमच्छ, भारत में पाए जाने वाले मगरमच्छों की तीन प्रजातियाँ हैं।
- ओडिशा, भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां पर मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ- घड़ियाल, मगर और खारे पानी के मगरमच्छ पाए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **भाभा कवच: "भारत की सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट"**

- भाभा कवच को "भारत की सबसे हल्की बुलेट-प्रूफ जैकेट" के रूप में विज्ञापित किया गया है, इसे नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो 2019 में लॉन्च किया गया था।
- इसे संयुक्त रूप से आयुध कारखाना बोर्ड और सार्वजनिक क्षेत्र की धातु और मिश्रधातु निर्माता, मिधानी द्वारा विकसित किया गया है।
- यह ए.के.-47 असॉल्ट राइफल और इंसास राइफल की गोलियों का सामना कर सकती है।
- यह जैकेट "भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र" से नैनो तकनीक से संचालित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इडियन एक्सप्रेस

4. **पैनल ने भारत में निजी क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है।**

- सरकार ने वर्ष 2017 में आर्थिक मामलों के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रालयी समिति का गठन किया था।
- इस समिति का गठन क्रिप्टोकरेंसी और ब्लॉकचेन की वैधता की जांच करने हेतु किया गया था, इस समिति ने वित्त मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है और सुझाव दिया है कि भारत में निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए।
- इस समिति ने "क्रिप्टोक्यूरेंसी का प्रतिबंध और आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक, 2019 का विनियमन" नामक कानून का मसौदा तैयार किया है, जिसका उल्लंघन करने पर जुर्माना और 10 वर्ष तक की जेल का प्रावधान है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- पैनल का कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी का अपना कोई वास्तविक मूल्य नहीं होता है और इसमें मुद्रा की किसी भी विशेषता का अभाव होता है।
- वे न तो मूल्य के भंडार के रूप में कार्य करते हैं और न ही वे स्वयं में विनिमय का एक माध्यम हैं।

संबंधित जानकारी

क्रिप्टोकरेंसी

- क्रिप्टोकरेंसी, एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करती है।
- यह उपयोगकर्ताओं को उनके नाम का उपयोग किए बिना या बिना बैंक जाने के माध्यम से सुरक्षित भुगतान करने और पैसे जमा करने की सुविधा प्रदान करने हेतु विकेंद्रीकृत तकनीक का उपयोग करता है।
- ये एक वितरित सार्वजनिक बहीखाता पर चलते हैं, जिसे ब्लॉकचेन कहा जाता है, जो मुद्रा धारकों द्वारा अद्यतन और आयोजित सभी हस्तांतरणों का रिकॉर्ड है।
- सबसे सामान्य क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन, एथेरियम, रिपल और लाइटक्वॉइन हैं और हाल ही में, फेसबुक ने लिब्रा नाम से अपनी क्रिप्टोकरेंसी जारी की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>जतन: वर्चुअल संग्रहालय सॉफ्टवेयर</u>**

- मानव केंद्र डिजाइन और कम्प्यूटिंग समूह ने भारत सरकार के सांस्कृति मंत्रालय के साथ किए गए समझौते के अनुसार जतन नामक वर्चुअन म्यूजियम सॉफ्टवेयर विकसित किया है।
- इसका उपयोग विभिन्न संग्रहालयों और डिजिटल अभिलेखीय उपकरणों में डिजिटल संग्रह बनाने के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग भारतीय संग्रहालय के लिए राष्ट्रीय पोर्टल और डिजिटल भंडार के प्रबंधन हेतु पृष्ठभूमि में किया जाता है।

संबंधित जानकारी

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत 48 (अड़तालीस) पुरातात्विक स्थल संग्रहालय हैं।
- दो पुरातात्विक स्थल संग्रहालय अर्थात् वेलहा गोवा और नागार्जुनकोंडा का जतन के माध्यम से पहले चरण के दौरान डिजिटलीकरण किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>संसद ने मानवाधिकारों का संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2019 पारित किया है।</u>**

- केंद्रीय गृह मंत्री की एक अपील के बाद राज्यसभा ने मानवाधिकारों का संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2019 को सर्वसम्मति से पारित किया है।

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

मानव अधिकारों का संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2019 अन्य बातों के साथ-साथ प्रदान करता है:

- भारत के मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश भी आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने के योग्य है
- आयोग के सदस्यों की संख्या दो से बढ़ाकर तीन करना, जिनमें से एक महिला सदस्य होगी।
- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष, विकलांग व्यक्तियों के मुख्य आयुक्त को आयोग के सदस्यों के रूप में शामिल करना चाहिए।
- आयोग और राज्य आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल को घटाकर पाँच वर्ष से तीन वर्ष कर देना चाहिए और उन्हें पुन: नियुक्ति के लिए पात्रता प्रदान करनी चाहिए।
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को भी

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

राज्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने की पात्रता प्रदान करनी चाहिए।

- दिल्ली के केंद्र शासित प्रदेश के अतिरिक्त केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा संचालित कार्यों को राज्य आयोग को प्रदान करना चाहिए जो आयोग द्वारा निपटाए जाएंगे।

टॉपिक-जी.एस. पेपर2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **ठोस अपशिष्ट के प्रसंस्करण में छत्तीसगढ़, तेलंगाना आगे हैं।**

- छत्तीसगढ़ और तेलंगाना ने 2018 में उत्पन्न किए गए ठोस अपशिष्ट के सबसे बड़े प्रतिशत का प्रसंस्करण किया है।
- छत्तीसगढ़ ने कुल 601,885 एम.टी.पी.ए. (मीट्रिक टन प्रति वर्ष) अपशिष्ट का उत्पादन किया है और इसके 84% का प्रसंस्करण करने में सक्षम था।
- तेलंगाना के लिए संगत संख्या 2,690,415 एम.टी.पी.ए. और 73% थी।
- बड़े राज्यों में, पश्चिम बंगाल और जम्मू और कश्मीर ऐसे राज्य हैं जिन्होंने अपने द्वारा उत्पन्न कुल अपशिष्ट के सबसे कम प्रतिशत क्रमशः 5% और 8% का प्रसंस्करण किया था।
- महाराष्ट्र ने ठोस अपशिष्ट की सबसे अधिक मात्रा 8,22,38,050 एम.टी.पी.ए. उत्पन्न की है और इसकी 44% संसाधित की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **अंतःस्रावी बाधक: पानी से प्रदूषकों को निकालने हेतु एक पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रिया है।**

- शोधकर्ताओं ने एक अपशिष्ट जल उपचार प्रक्रिया विकसित की है, जो अंतःस्रावी बाधक के रूप में नामित प्रदूषकों और पर्यावरणीय हार्मोनों को प्रभावी ढंग से हटाने के लिए एक सामान्य कृषि उपोत्पाद का उपयोग करता है।
- इन पर्यावरणीय हार्मोनों को अंतःस्रावी बाधक के रूप में भी जाना जाता है।
- सीवेज और अपशिष्ट जल, जो किसी भी औद्योगिक कार्यस्थल पर अनिवार्य रूप से उत्पादित होते हैं, जिनमें प्राय: बड़ी मात्रा में प्रदूषक और पर्यावरणीय हार्मोन (अंतःस्रावी बाधक) होते हैं।
- पर्यावरण हार्मोन आसानी से विखंडित नहीं होते है और न केवल पर्यावरण को प्रभावित कर सकते हैं बल्कि मानव शरीर को भी प्रभावित कर सकते हैं।

पर्यावरणीय हार्मोन

- ये रासायनिक यौगिक होते हैं जो अंतःस्रावी हार्मोन से समान हैं।
- वे या तो प्राकृतिक या सिंथेटिक मूल के हो सकते हैं, उदाहरण- बिस्फेनॉल ए (बी.पी.ए.) है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

9. **हैंड-इन-हैंड मिलिट्री युद्धाभ्यास**

- भारत और चीन मेघालय में हैंड-इन-हैंड' नामक अपने वार्षिक सैन्य युद्धाभ्यास का आयोजन करते हैं।
- यह चीन और भारत के मध्य सैन्य युद्धाभ्यास का 8वां संस्करण है।
- डोकलाम पठार पर अपने सशस्त्र बलों के बीच गतिरोध की स्थिति के बाद दोनों देशों के मध्य तनाव के चलते 2017 में इस युद्धाभ्यास को निलंबित कर दिया गया था।
- डोकलाम पठार, भारत-गठबंधन भूटान द्वारा दावा किया गया क्षेत्र का एक टुकड़ा है जिस पर चीन द्वारा भी दावा किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

10. **केरल, देश का पहला अंतरिक्ष प्रणाली पार्क स्थापित करने जा रहा है।**

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- केरल सरकार इसे स्थापित करेगी, जिसे आने वाले नॉलेज सिटी में देश के पहले अंतरिक्ष प्रणाली पार्क के रूप में माना जाएगा।

अंतरिक्ष प्रणाली पार्क

- यह पार्क, अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक स्टार्ट-अप को आकर्षित करने में मदद करेगा और इसे अंतरिक्ष से संबंधित प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास के लिए एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में भी बनाएगा।
- अंतरिक्ष पार्क, केरल की राजधानी को देश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख केंद्र बना देगा।
- यह अंतरिक्ष पार्क, पूर्व राष्ट्रपति और शीर्ष अंतरिक्ष वैज्ञानिक के स्मारक के रूप में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वी.एस.एस.सी.) द्वारा विकसित किए जा रहे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ज्ञान केंद्र एवं अंतरिक्ष संग्रहालय का भी निर्माण करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

24.07.2019

1. **<u>मध्यप्रदेश सरकार, रातापानी अभयारण्य को टाइगर रिजर्व घोषित करने जा रही है।</u>**

- हाल ही में, मध्य प्रदेश सरकार ने रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को टाइगर रिजर्व घोषित करने का निर्णय लिया है।
- राज्य को 11 वर्ष पहले राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एन.टी.सी.ए.) से इसकी मंजूरी मिली थी।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

- यह केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय है।
- इसे वन्यजीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 द्वारा वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया था।
- यह बाघों के संरक्षण हेतु एक सांविधिक आधार प्रदान करके प्रशासनिक के साथ ही पारिस्थिक तंत्र से संबंधित चिंताओं को संबोधित करता है।
- यह पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों और लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए मजबूत संस्थागत तंत्र भी प्रदान करता है।
- यह बाघ संरक्षण और उसके अनुपालन की निगरानी हेतु दिशानिर्देशों को लागू करना सुनिश्चित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>मिशन शक्ति: दूरस्थ क्षेत्रों में प्रतिभाशाली एथलीटों हेतु एक मंच</u>**

- महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में ओलंपिक प्रतिभाओं को खोजने हेतु अपने कार्यक्रम को गति प्रदान करने के लिए "मिशन शक्ति" लांच करने का निर्णय लिया है।
- इसका उद्देश्य वर्ष 2024 तक जनजातीय छात्रों को ओलंपिक पदक हेतु तैयार करना है।
- अभी यह कार्यक्रम चंद्रपुर और गढ़चिरौली जिलों में लागू किया जा रहा है और शीघ्र ही राज्य के शेष हिस्सों में भी इसे आगे बढ़ाया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>सोनाली: कम लागत वाली बायो-डिग्रेडेबल सेलुलोज शीट है।</u>**

- बांग्लादेश के वैज्ञानिकों ने जूट फाइबर को कम लागत वाली बायोडिग्रेडेबल सेल्यूलोज शीट में बदलने की एक विधि विकसित की है, जिसका उपयोग सामग्री को लपेटने हेतु और कैरी बैग के निर्माण में किया जा सकता है। इस विधि का नाम "सोनाली" है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- सोनाली के बने जूट पॉली बैग का उपयोग कपड़ों और खाद्य पैकेजिंग के काम में किया जा सकता है और यह मानव स्वास्थ्य के प्रति हानिकारक नहीं हैं।
- सोनाली शीट को बड़े पैमाने पर अपनाने में मुख्य चुनौती, उत्पादन की अपेक्षाकृत अधिक लागत है जो लगभग पॉलिथीन की दोगुनी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>भारत में रूफटॉप सौर क्षमता में गुजरात शीर्ष पर है।</u>**

- गुजरात, सबसे अधिक रूफटॉप सौर पैनल स्थापित करने वाला राज्य बनकर उभरा है।
- गुजरात ने पूरे भारत के 1,700.54 मेगावॉट के मुकाबले 97 मेगावाट की रूफटॉप सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की है।
- स्थापित रूफटॉप क्षमता के संदर्भ में गुजरात के बाद महाराष्ट्र (52 मेगावॉट) और तमिलनाडु (151.62 मेगावॉट) हैं।
- ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सौर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2016-17 में 01 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता और 2018-19 में 446.7 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की है।
- केंद्र सरकार का लक्ष्य वर्ष 2022 तक 40,000 मेगावॉट की रूफटॉप सौर क्षमता स्थापित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ऊर्जा

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>भारत, दूसरा सबसे तेजी से प्रगति करने वाला गैस बाजार बन गया है।</u>**

- सरकार द्वारा शुरू की गई एक स्थायी नीति के परिणामस्वरूप भारत, वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे तेजी से प्रगति करने वाला गैस बाजार बन गया है, यह नीति उत्पादन, आयात और वितरण अवसंरचना के लिए $ 30 बिलियन के एक मजबूत निवेश की योजना द्वारा सहायता प्राप्त है।
- देश में 5 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता के साथ निर्माणाधीन पांच नए टर्मिनल हैं जिनके वर्ष 2020 तक पूरा होने की संभावना है।
- रिपोर्ट ने यह भी दर्शाया है कि बेहतरीन वृद्धि के बावजूद भारत अभी भी चीन से एक दशक पीछे है, जो सबसे तेजी से प्रगति करने वाला गैस बाजार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ढांचा

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. **<u>दक्षिण अफ्रीका का कार्बन टैक्स: इसका उद्देश्य लैंडफिल में शून्य अपशिष्ट को सुनिश्चित करना है।</u>**

- हाल ही में, दक्षिण अफ्रीका द्वारा शुरू किए गए कार्बन टैक्स से लैंडफिल में शून्य अपशिष्ट सुनिश्चित होगा, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होने के साथ ही न्यून कार्बन विकल्पों के लिए निवेश भी बढ़ेगा।
- कार्बन टैक्स का लक्ष्य वर्ष 2020 तक कार्बन उत्सर्जन को 34 प्रतिशत और वर्ष 2025 तक 42 प्रतिशत कम करना है।

सम्बंधित जानकारी

कार्बन टैक्स

- कार्बन टैक्स, वह कर है जो ईंधन की कार्बन सामग्री पर लगाया जाता है, जैसे कार्बन उत्सर्जन व्यापार, कार्बन मूल्य निर्धारण का एक रूप है।
- कार्बन टैक्स, पिगोवियन कर का एक प्रकार है।
- पिगोवियन कर, किसी भी बाजार गतिविधि पर लगने वाला वह कर है जो नकारात्मक बाहरी कारकों (बाजार मूल्य में लागत शामिल नहीं है) को उत्पन्न करता है।
- ऐसा इसलिए है क्यों कि जब कोयला, पेट्रोलियम या प्राकृतिक गैस जैसे हाइड्रोकार्बन को जलाया

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

जाता है तो इसका कार्बन CO2 में परिवर्तित हो जाता है और कार्बन के अन्य यौगिक, ग्रीनहाउस गैस उत्पन्न करते हैं जो ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनते हैं, जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं, जो कार्बन डाईऑक्साइड के नकारात्मक बाहरी कारकों को दर्शाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>टोल प्लाजा पर सभी लेन 'फास्टैग लेन' होंगी।</u>**

- सरकार ने 1 दिसंबर से राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल फ्री प्लाजा पर सभी लेनों को फास्टैग लेन घोषित करने का निर्णय लिया है।
- इससे निर्बाध यातायात सुनिश्चित करने और टोल प्लाजा पर भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी।
- हालांकि, सभी लेन में आयामी या ओवरसाइज्ड वाहनों की सुविधा और निगरानी के लिए प्रत्येक टोल प्लाजा पर एक 'हाइब्रिड लेन' की अनुमति प्रदान की जाएगी, जहां फास्टैग और भुगतान के अन्य माध्यम स्वीकार किए जाएंगे।

संबंधित जानकारी

फास्टैग लेन

- यह एक इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह डिवाइस है जिसे वाहन पर, विशेष रूप से विंडस्क्रीन पर स्थापित किया जाता है, जिससे कि चालक को टोल प्लाजा पर बिना रूके जाने में मदद मिल सके।
- वाहन चलाते समय प्रत्यक्ष टोल भुगतान को सक्षम करने हेतु यह रेडियो आवृत्ति पहचान (आर.एफ.आई.डी.) तकनीक का उपयोग करता है।
- टोल शुल्क स्वयं फास्टैग से संबद्ध बचत बैंक खाते के प्रीपेड से कट जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>प्रधानमंत्री अनुसंधान अध्येता (पी.एम.आर.एफ.) योजना</u>**

योजना के संदर्भ में जानकारी

- इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर ध्यान देने के साथ अत्याधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी डोमेन में अनुसंधान करने हेतु देश के प्रतिभावान छात्रों को भारतीय विज्ञान संस्थान (आई.आई.एस.सी), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) के डॉक्टरेट (D.) कार्यक्रमों के लिए आकर्षित करना है।
- वर्ष 2018-19 से शुरू करते हुए तीन वर्ष की अवधि में अधिकतम 3000 छात्रों का चयन किया जाएगा।
- पी.एम.आर.एफ. दिशानिर्देशों में निर्धारित चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित छात्रों को पहले दो वर्षों के लिए 70, 000 रूपए की मासिक फेलोशिप, 3 वर्ष के लिए रु 75, 000 और चौथे और पांचवें वर्ष में 80,000 रूपए की फेलोशिप प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

9. **<u>बायोडीजल की प्रत्यक्ष बिक्री (B100)</u>**

- सरकार ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्दिष्ट मानकों और विशिष्ट सम्मिश्रण सीमाओं के अनुसार सभी उपभोक्ताओं के लिए उच्च गति वाले डीजल के साथ सम्मिश्रण हेतु बायोडीजल (B100) की प्रत्यक्ष बिक्री की अनुमति प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय जैवईंधन नीति-2018

- इसे सरकार द्वारा अनुमति प्रदान की गई है, सरकार पेट्रोल में इथेनॉल के 20% सम्मिश्रण और वर्ष 2030 तक डीजल में बायोडीजल के

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

5% सम्मिश्रण के लक्ष्य की परिकल्पना करती है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह नीति जैव ईंधन को ईंधन में मिलाने हेतु "मूल जैव ईंधन" अर्थात पहली पीढ़ी (1G) बायोएथेनॉल और बायोडीजल और "उन्नत जैव ईंधन"- दूसरी पीढ़ी (2G) इथेनॉल, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एम.एस.डब्ल्यू.) के रूप में वर्गीकृत करती है, तीसरी पीढ़ी (3G) के जैव ईंधन, जैव CNG आदि हैं।
- यह नीति गन्ने के रस, चीनी युक्त सामग्री जैसे कि चुकंदर, स्वीट सोरघम, स्टार्च युक्त सामग्री जैसे मकई, कसावा का उपयोग करके इथेनॉल उत्पादन करने हेतु कच्चे माल के दायरे का विस्तार करती है।
- इसमें गेहूं, टूटे हुए चावल, सड़े हुए आलू जैसे खराब अनाज, मानव उपयोग हेतु अनुपयुक्त अनाज इथेनॉल उत्पादन हेतु शामिल थे।
- यह नीति गैर-खाद्य तिलहन, उपयोग किया गया कुकिंग ऑयल, लघु गर्भ फसलों से बायोडीजल उत्पादन के लिए आपूर्ति श्रृंखला तंत्र स्थापित करने को प्रोत्साहित करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

25.07.2019

1. **<u>भारत पांच पायदान की छलांग लगाकर 52वां सबसे अभिनव देश बना है।</u>**

- नई दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री द्वारा ग्लोबल इनोवेशन सूचकांक 2019 लॉन्च किया गया है।
- ऐसा पहली बार हुआ है कि जी.आई.आई. एक उभरती अर्थव्यवस्था में लॉन्च किया गया है।
- इस वर्ष की थीम- स्वस्थ जीवन का निर्माण करना- चिकित्सा नवाचार का भविष्य थी। जिसका उद्देश्य चिकित्सा नवाचार की भूमिका का अन्वेषण करना है क्यों कि यह स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को आकार देता है।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- स्विटज़रलैंड, विश्व का सबसे अभिनव देश है इसके बाद स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.), नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) हैं।
- भारत ने वर्ष 2019 में ग्लोबल इनोवेशन सूचकांक में अपने स्थान में सुधार कर 52वां स्थान प्राप्त किया है, भारत ने इस वर्ष पांच स्थानों का महत्वपूर्ण सुधार किया है।
- वर्ष 2018 में भारत 57वें स्थान पर था।

संबंधित जानकारी

ग्लोबल इनोवेशन सूचकांक (जी.आई.आई.)

- जी.आई.आई. वैश्विक रैंकिंग, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यू.आई.पी.ओ.) द्वारा प्रकाशित की जाती है- जो कॉर्नेल विश्वविद्यालय और ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल INSEAD से संबद्ध संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष संस्था है।
- यह वर्ष 2007 से प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जा रहा है और इसे पूरे विश्व में नवाचार की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए व्यापार कार्यकारियों, नीति निर्माताओं और अन्य लोगों के लिए प्रमुख बेंचमार्किंग उपकरण माना जाता है।
- यह सूचकांक राजनीतिक वातावरण, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और व्यावसायिक कृत्रिमता सहित 80 संकेतकों के आधार पर पूरे विश्व में 129 अर्थव्यवस्थाओं के अभिनव प्रदर्शनों को स्थान प्रदान करता है।
- भारत का भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.आई.), उन ज्ञान साझेदारों में से एक है जो वार्षिक रैंकिंग को निर्धारित करने में जी.आई.आई. टीम की सहायता करते हैं।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>प्रधानमंत्री लघु व्यपारी मान-धन योजना 2019: छोटे व्यापारियों हेतु एक पेंशन योजना है।</u>**

- छोटे व्यापारियों के लिए केंद्र की पेंशन योजना को अधिसूचित किया गया है और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार इसे परीक्षण के आधार पर पेश किया जा रहा है।
- यह योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना का विस्तार है, जो सभी लाभार्थियों को न्यूनतम मासिक योगदान करने पर 60 वर्ष की आयु के बाद 3000 रूपए की मासिक पेंशन हेतु पात्र बनाती है।

पात्रता

- जो व्यक्ति स्व-नियोजित हैं और दुकानदार, व्यापारियों, चावल मिल मालिकों, तेल मिल मालिकों, कमीशन एजेंटों, रियल एस्टेट दलालों, छोटे होटल मालिकों और अन्य छोटे व्यापारियों के रूप में काम कर रहे हैं, वे इस योजना के अंतर्गत पेंशन के लिए पात्र होंगे।
- सभी दुकानदारों और स्व-नियोजित व्यक्तियों के साथ ही 1.5 करोड़ से कम के जी.एस.टी. टर्नओवर वाले खुदरा व्यापारी, जो 18-40 वर्ष की आयु के हैं, वे योजना के लिए नामांकन कर सकते हैं।
- सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रबंधित योजना के संचालन हेतु पेंशन कोष स्थापित करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>राष्ट्रीय नाबालिग स्वास्थ्य निकाय का राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान में विलय हो गया है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय नाबालिग स्वास्थ्य निकाय को भंग करने और आई.सी.एम.आर.-राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संगठन के साथ इसके विलय/ मिलाने को मंजूरी प्रदान की है।
- नाबालिग स्वास्थ्य संस्थान (एन.आई.एच.एम.), खान मंत्रालय (एम.ओ.एम.) के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान है और आई.सी.एम.आर.-राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान (एन.आई.ओ.एच.), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एम.ओ.एच. & एफ.डब्ल्यू.) के अंतर्गत काम करता है।

प्रभाव:

- एन.आई.ओ.एच. के साथ एन.आई.एच.एम. का विलय/ मिलाना दोनो संस्थानों के लिए सार्वजनिक धन के कुशल प्रबंधन के अतिरिक्त व्यावसायिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उन्नत विशेषज्ञता के संदर्भ में लाभदायक साबित होगा।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय नाबालिग स्वास्थ्य संस्थान

- यह भारत सरकार द्वारा 1990 में स्थापित किया गया था और कर्नाटक सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1960 के अंतर्गत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- यह संस्थान, व्यावसायिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में अनुप्रयुक्त अनुसंधान करता है और एक धातु क्षेत्र के प्रति विशेष संदर्भ के साथ खनन और खनिज आधारित उद्योग हेतु तकनीकी सहायता समर्थन प्रदान करने में विशेषज्ञ है।
- एन.आई.ओ.एच. द्वारा ध्यान केंद्रित किए गए क्षेत्रों में व्यावसायिक स्वास्थ्य से संबंधित क्षेत्रों का एक व्यापक दायरा शामिल है जिसमें व्यावसायिक चिकित्सा और व्यावसायिक स्वच्छता भी शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>समुद्री घोंघा, गहन समुद्री खनन द्वारा आधिकारिक रूप से विलुप्त होने वाला पहला जानवर है।</u>**

- क्रिसोमैलोन स्क्वैमीफेरम नामक एक दुर्लभ घोंघा हिंद महासागर में केवल तीन स्थानों पर पाया जाता है, यह ऐसी पहली प्रजाति बन गई है जिसे गहन समुद्री खनन के कारण आधिकारिक रूप से विलुप्तप्राय घोषित किया गया है।
- मैडागास्कर के पूर्व में हिंद महासागर में तीन जलतापीय द्वारों पर स्केली-फुट घोंघा पाया जाता है।
- इनमें से दो द्वार जहां पर घोंघे पाए जाते थे, जिनका निकट भविष्य में मूल्यवान खनिजों हेतु खनन किया जा सकता है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) द्वारा 18 जुलाई, 2019 को लुप्तप्राय प्रजाति की अपडेटेड रेड लिस्ट में जोड़ा गया था।

जलतापीय द्वार के संदर्भ में जानकारी

- यह समुद्र तल पर एक दरार है जहां से भू-तापीय गर्म पानी निकलता है।
- जब ऐसा होता है तो गर्म पानी ठंडे समुद्री जल के साथ मिल जाता है, जिसके बदले में समुद्र तल पर तांबा और मैंगनीज जैसे खनिज जमा हो जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>इसरो अब सौर मिशन आदित्य-एल 1 की योजना बना रहा है।</u>**

- इसरो ने वर्ष 2020 की पहले छमाही के दौरान सौर मिशन "आदित्य-एल 1" लॉन्च करने की योजना बनाई है।
- आदित्य-एल 1, सूर्य के कोरोना का निरीक्षण करने के लिए है।
- यह प्रथम लाग्रेंज बिंदु से सूर्य की तस्वीरें खींचेगा और अध्ययन करेगा जिसे एल 1 लाग्रेंज बिंदु के रूप में भी जाना जाता है।
- एल 1 बिंदु, पृथ्वी से 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर स्थित है।
- आदित्य-एल 1, राष्ट्रीय संस्थानों की भागीदारी के साथ पूर्णतया से स्वदेशी प्रयास है।

लाग्रेंज बिंदु

- खगोलीय यांत्रिकी में, लाग्रेंज बिंदु उस स्थिति को चिह्नित करता है जहां दो बड़े द्रव्यमानों का संयुक्त गुरुत्वाकर्षण बल, उनके साथ कक्षा में घूमने हेतु आवश्यक अपकेंद्र बल सटीकता से प्रदान करता है।
- ऐसे पाँच बिंदु हैं, जिन्हें एल 1 से एल 5 कहा जाता है, ये सभी दो बड़े निकायों के कक्षीय समतल में स्थित हैं।
- पहले तीन बिंदु दो बड़े निकायों को जोड़ने वाली रेखा पर स्थित हैं, अंतिम दो एल 4 और एल 5, प्रत्येक दो बड़े निकायों के साथ समबाहु त्रिभुज बनते हैं।
- अंतिम दो बिंदु स्थायी होते हैं, जो यह दर्शाता है कि पिंड इनके चारों ओर दो बड़े निकायों से बंधे हुए घूर्णन ज्यामितीय प्रणाली में इनके परित: घूम सकता है।

सूर्य का वायुमंडल

सूर्य की सतह के ऊपर इसका वायुमंडल होता है, जिसमें तीन भाग होते हैं-

- **फोटोस्फेयर**- सूर्य के वायुमंडल का सबसे आंतरिक हिस्सा होता है और एकमात्र भाग होता है जिसे हम देख सकते हैं।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- **वर्णमंडल (क्रोमोस्फीयर)-** फोटोस्फेयर और कोरोना के बीच का क्षेत्र होता है। यह फोटोस्फेयर की तुलना में अधिक गर्म होता है।
- **कोरोना**- सबसे गर्म सबसे बाहरी परत होती है, जो क्रोमोस्फीयर से कई मिलियन मील की दूरी पर फैली हुई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>तियांगोंग-2 क्या है?</u>**

- तियांगोंग-2, एक मानवयुक्त चीनी अंतरिक्ष स्टेशन था जो 19 जुलाई को प्रशांत महासागर के ऊपर पृथ्वी के वायुमंडल में अपने नियंत्रित पुन:प्रवेश के दौरान नष्ट हो गया था।
- तियांगोंग-2 को अंतरिक्ष में अपने प्रयोगों को पूरा करने के बाद सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया गया था।
- इसे 2016 में लॉन्च किया गया था यह चीन का अभी तक का सबसे लंबा मानवयुक्त मिशन था, जिसमें दो अंतरिक्ष यात्रियों की 30 दिनों तक मेजबानी की गई थी।
- हाल ही में विघटित अंतरिक्ष प्रयोगशाला ने चीन के पहले अंतरिक्ष स्टेशन, तियांगोंग-1 का अनुसरण किया है, जो चीनी वैज्ञानिकों द्वारा मार्च, 2016 में अंतरिक्ष यान का नियंत्रण खो देने के बाद 1 अप्रैल, 2018 को दक्षिणी प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।
- हाल ही में, चीन ने अपने अंतरिक्ष स्टेशन तियान्हे को पूरा करने की उम्मीद जताई है, जो लगभग 2022 तक लंबी अवधि के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों की मेजबानी करने में सक्षम होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>भारत का पहला ड्रैगन का खून चूसने वाला पेड़</u>**

- शोधकर्ताओं ने असम के पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले में ड्रेकेना कैम्बोडियाना की खोज की है जिसे पहली बार भारत में रिपोर्ट किया गया है।
- ड्रेकेना कैम्बोडियाना, एक महत्वपूर्ण औषधीय पौधा होने के साथ-साथ एक सजावटी वृक्ष भी है।
- वह पौधा जो ड्रैगन के रक्त का उत्पादन करता है- यह चटक लाल रंग का रेसिन है, जिसका प्राचीन काल से दवा, शरीर का तेल, वार्निश, सुगंध और डाई के रूप में प्रयोग किया जा रहा है।
- यह ड्रैगन के रक्त का एक प्रमुख स्रोत है, जो चीन की एक बहुमूल्य पारंपरिक औषधि है।
- पौधे के विभिन्न भागों से कई कवकरोधी और जीवाणुरोधी यौगिक, एंटीऑक्सिडेंट, फ्लेवोनोइड्स आदि निकाले जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

26.07.2019

1. **<u>राष्ट्रीय डेटा गुणवत्ता फोरम</u>**

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) के राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान (ICMR-NIMS) ने जनसंख्या परिषद के साथ मिलकर राष्ट्रीय डेआ गुणवत्ता फोरम (एन.डी.क्यू.एफ.) लॉन्च किया है।
- यह वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित पहलों से सीखने को एकीकृत करेगा और आवधिक कार्यशालाओं और सम्मेलनों के माध्यम से कार्रवाई को निर्देशित करेगा।
- इसकी गतिविधियाँ प्रोटोकॉल और डेटा संग्रह, स्टोरेज, उपयोग और प्रसार की बेहतर प्रथाओं

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

को स्थापित करने में मदद करेंगी जिन्हें स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय डेटा पर लागू करने के साथ ही आई.सी.एम.आर. द्वारा जारी की गई एक अधिसूचना से संबद्ध उद्योगों और क्षेत्रों में भी लागू किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>समुद्री प्रदूषण की जाँच करने हेतु लिए गए निवारक कदम</u>**

- भारत, MARPOL (अंतर्राष्ट्रीय समुद्री प्रदूषण रोकथाम सम्मेलन) का एक हस्ताक्षरकर्ता है।
- मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 1958 के अंतर्गत बनाए गए मर्चेंट शिपिंग नियम, 1958 के अंतर्गत समुद्री प्रदूषण का निवारण आता है।
- वर्ष 2009 में समुद्री प्लास्टिक अपशिष्ट के मुद्दे से निपटने हेतु पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सभी संबंधित मंत्रियों और विभागों के हितधारकों के साथ एक संचालन समिति का गठन किया है।

संबंधित जानकारी

MARPOL

- भारत, वर्ष 1978 से जहाजों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम हेतु अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, MARPOL 73/78 का एक हस्ताक्षरकर्ता और उत्साही कार्यान्वयनकर्ता रहा है।
- इसका उद्देश्य जहाजों से होने वाले प्रदूषण को रोकना और न्यूनतम करना है, इसका लक्ष्य आकस्मिक प्रदूषण और नियमित संचालन से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण दोनो को कम करना है।
- सम्मेलन के नियम यह हैं कि विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के भीतर कहीं भी जहाज तेल, पेट्रोलियम उत्पाद या यहां तक कि बिल्ज जल, वह पानी जिसे इंजन शीतलक के रूप में प्रयोग करते हैं (जो जहाज के इंतलन से अवशेषों को ऊपर उठाता है) का निर्वहन नहीं कर सकते हैं, यह क्षेत्र समुद्र तट से 200 नॉटिकल मील की दूरी पर होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>आकाशीय बिजली</u>**

- हाल ही में, बिहार में पिछले 36 घंटों में आकाशीय बिजली गिरने से 29 लोगों की मौत हुई है।

संबंधित जानकारी

आकाशीय बिजली के संदर्भ में जानकारी

- आकाशीय बिजली बादलों, हवा या जमीन के मध्य के वातावरण में बिजली की एक विशाल चिंगारी है।
- विकास के शुरुआती चरणों में हवा, बादल में धनात्मक और ऋणात्मक आवेशों के मध्य और जमीन एवं बादलों के मध्य इंसुलेटर के रूप में काम करती है।
- जब विपरीत आवेशों का निर्माण पर्याप्त मात्रा में हो जाता है तो हवा की यह इन्सुलेटर क्षमता समाप्त जाती है और बिजली का तेजी से निर्वहन होता है जिसे हम आकाशीय बिजली के रूप में जानते हैं।
- आकाशीय बिजली की चमक अस्थायी रूप से वायुमंडल में आवेशित क्षेत्रों को उदासीन करती है जब तक कि विपरीत आवेश उत्पन्न नहीं हो जाता है।
- गरज वाले बादलों (इंट्रा-क्लाउड लाइटनिंग) के भीतर विपरीत आवेशों में या बादलों में विपरीत आवेशों में और जमीन में (बादल से जमीन पर आकाशीय बिजली) में भी आकाशीय बिजली हो सकती है।
- इसे ज्वालामुखी विस्फोट, अत्यंत तीव्र जंगल की आग, सतह के परमाणु विस्फोट, भारी तूफान,

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

बड़े तूफान में और सामान्यत: आंधी तूफानों में देखा जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>प्रोहैतुल्ला एंटिक: पश्चिमी घाट में बेल सांप की 26 मिलियन वर्ष पुरानी प्रजाति है।</u>**

- शोधकर्ताओं ने पश्चिमी घाटों से 26 मिलियन वर्ष पुरानी प्रोहातुल्ला एंटीक नामक बेल सांप की एक नई प्रजाति की खोज की है।
- यह प्रजाति दक्षिणी पश्चिमी घाटों के लिए स्थानिक है।
- इन सांपो के लिए सुझाया गया सामान्य कील्ड वेल सांप है।
- बेल सांपों को उनके पतले शरीर और बेल जैसे दिखने के कारण उनके नाम मिलते हैं।
- भारत में विशेष रूप से वितरित बेल साँपों की 4 प्रजातियां हैं और हाल ही में, ओडिशा में एक अन्य प्रजाति की खोज की गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इन शॉर्ट

5. **<u>प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के कार्यान्वयन में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।</u>**

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)

- प्रीमियम: 12 रू. प्रति वर्ष
- आयु वर्ग: 18 से 70 वर्ष
- इस योजना के अंतर्गत दुर्घटनावश होने वाली मृत्यु और स्थायी विकलांगता होने पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपलब्ध जोखिम कवरेज 2 लाख रूपए और आंशिक विकलांगता पर 1 लाख रूपए है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)

- पी.एम.जे.जे.बी.वाई. एक वर्ष की जीवन बीमा योजना है।
- यह वर्ष-दर-वर्ष रिन्यू हो जाती है, किसी भी कारण से होने वाली मृत्यु पर इसमें बीमा कवरेज शामिल है और यह योजना 18 से 50 वर्ष के आयु वर्ग के लोगो के लिए उपलब्ध है।
- प्रति सदस्य प्रति वर्ष रु 330 /- रूपए का प्रीमियम
- 2 लाख रूपए का लाइफ कवर शामिल है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2–सरकारी योजना

स्रोत-ए.आई.आर.

6. **<u>लोकसभा ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2019 में परिवर्तन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- यह विधेयक गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 में संशोधन करता है, जो आतंकवादी गतिविधियों और भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों और समूहों से निपटने के लिए विशेष प्रक्रियाएं प्रदान करता है।
- अधिनियम के अंतर्गत, केंद्र सरकार किसी संगठन को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित कर सकती है, यदि:
- आतंकवाद के कृत्यों में शामिल होता है या भाग लेता है,
- आतंकवाद के लिए तैयार होता है
- आतंकवाद को बढ़ावा देता है
- अधिनियम के अंतर्गत आतंकवाद से संबंधित संपत्तियों को जब्त करने हेतु एक जांच अधिकारी को पुलिस महानिदेशक की पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।
- विधेयक में कहा गया है कि यदि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एन.आई.ए.) के एक अधिकारी द्वारा जांच की जाती है तो ऐसी संपत्ति को जब्त करने के लिए एन.आई.ए. के महानिदेशक की मंजूरी की आवश्यकता होगी।
- अधिनियम के अंतर्गत, मामलों की जांच उप पुलिस अधीक्षक या सहायक पुलिस आयुक्त रैंक

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

के अधिकारियों द्वारा या उससे ऊपर के अधिकारियों द्वारा की जा सकती है।

- विधेयक, मामलों की जांच के लिए इंस्पेक्टर या उससे ऊपर के रैंक के एन.आई.ए. के अधिकारियों को अतिरिक्त अधिकार प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>जनगणना 2011 के आंकड़े पलायन पर क्या दर्शाते हैं।</u>**

- हाल ही में, प्रवासन पर जारी किए गए जनगणना 2011 के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि महाराष्ट्र में बिहार की तुलना में मध्य प्रदेश के अधिक प्रवासी थे और गुजरात में बिहार की तुलना में राजस्थान के प्रवासियों की संख्या लगभग दोगुनी थी।
- डेटा ऐसे समय में आया है जब प्रवासन दुनिया भर में एक बड़ी घटना है और "अवैध बांग्लादेशी" भारत में एक गर्म राजनीतिक मुद्दा है।
- जनगणना 2011 की गणना के दौरान 58 करोड़ से अधिक भारतीयों को विभिन्न कारणों से "प्रवासी" पाया गया था।
- पिछली जनगणना (2001) में प्रवासियों की संख्या 45 करोड़ थी- जो 2011 के आंकड़े से 30% कम है।
- भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त की वेबसाइट के अनुसार, "जब कोई व्यक्ति अपने जन्म स्थान से किसी अन्य स्थान पर जनगणना में गिना जाता है, तो उसे 'प्रवासी' माना जाता है।"
- 1872 की जनगणना के से प्रवासी डेटा एकत्र किया जाने लगा था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

29.07.2019

1. **<u>असम में पहला बांस औद्योगिक पार्क खोला गया है।</u>**

- उत्तर पूर्वी क्षेत्र का विकास मंत्रालय, एम.डीओ.एन.ई.आर. के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करता है।
- असम के डिमा हसाओ जिले में 75 हेक्टेयर क्षेत्र में पहला बांस औद्योगिक पार्क स्थापित किया गया है।
- बांस औद्योगिक पार्क परियोजना को मार्च, 2021 तक पूरा करने का लक्ष्य है।
- मंत्री को यह भी सूचित किया गया है कि अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में बांस पार्क के लिए एक अन्य परियोजना भी उत्तर पूर्वी परिषद द्वारा कार्यान्वित की जाएगी।

नोट:

- हाल ही में, भारतीय वन अधिनियम, 1927 के संशोधन के अंतर्गत बांस, अब एक पेड़ नहीं है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>डोलुटेग्रैविर (डी.टी.जी.): एक अभिनव एच.आई.वी. औषधि है।</u>**

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू.एच.ओ.) ने संपूर्ण जनसंख्या के लिए फर्स्ट लाइन उपचार और सेकेंड लाइन उपचार हेतु एच.आई.वी. औषधि डोलुटेग्रैविर (डी.टी.जी.) के उपयोग की सिफारिश की है, जिनमें गर्भवती महिलाएं और प्रसव की क्षमता वाली महिलाएं भी शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

डोलुटेग्रैविर

- यह अधिक प्रभावी है, खाने में आसान है और वैकल्पिक दवाओं की तुलना में इसके कम दुष्प्रभाव है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- इसमें दवा के प्रति प्रतिरोध विकसित करने के लिए एक उच्च आनुवंशिक बाधाएं भी है, जो प्रतिरोध की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए महत्वपूर्ण है।
- नई सिफारिशों का लक्ष्य अधिक राष्ट्रों की उनकी एच.आई.वी. नीतियों में सुधार करने में मदद करना है।

ह्यूमन इम्यूनोडिफीसिएंशी विषाणु

- यह एक विषाणु है जो प्रतिरक्षा प्रणाली में कोशिकाओं पर हमला करता है, जो बीमारी के विरूद्ध हमारे शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा है।
- यह टी-हेल्पर कोशिका नामक विषाणु प्रतिरक्षा प्रणाली में श्वेत रक्त कोशिकाओं के एक प्रकार को नष्ट करता है और इन कोशिकाओं के भीतर स्वयं की प्रतियां तैयार करता है।
- टी-हेल्पर कोशिकाओं को सी.डी.4 कोशिका भी कहा जाता है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>लुप्त होते वन्यजीव: भारत में 22 प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं।</u>**

- वन्यजीव सर्वेक्षण संगठन के अनुसार, भारत में पिछली कुछ शताब्दियों में जीवों की चार प्रजातियां और वनस्पतियों की 18 प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं।
- बी.एस.आई. द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पौधों की 18 प्रजातियां- चार गैर-पुष्प और 14 पुष्पजनित है- विलुप्त हो गई हैं।
- उनमें से उल्लेखनीय हैं

1. मणिपुर का एक फर्न, लैस्ट्रियोपसिसवत्ती
2. ऑफियोरिजा वंश की तीन प्रजातियां (ऑफियोरिजाब्रुनोसिस, ऑफियोरिजा कॉडेट और ऑफियोरिजा रैडिकन) प्रायद्वीपीय भारत से खोजी गईं हैं।
3. कॉरीफैटालीरारॉक्स्ब, म्यांमार और बंगाल क्षेत्र में विलियम रॉक्सबर्ग द्वारा खोजी गई ताड़ की एक प्रजाति है, जो विलुप्त हो रही है।

- स्तनधारियों में भारत में चीता और सुमात्रा गैंडों को विलुप्त माना जाता है।
- 1950 के बाद से गुलाबी सिर वाली बतख के विलुप्त होने की आशंका है और हिमालयी बटेर को अंतिम बार 1876 में देखा किया गया था।

विलुप्त होने के कारक

- प्रतियोगिता, भविष्यवाणी, प्राकृतिक चयन और मानव-प्रेरित कारक जैसे शिकार, निवास स्थान का क्षरण" कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कारण हैं जिनके कारण ये विलुप्त हो रहे हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>वर्ष 2020 और 2024 ओलंपिक के लिए रणनीति तैयार करने हेतु उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।</u>**

- वर्ष 2020 और 2024 ओलंपिक की तैयारी के समन्वय और रणनीति बनाने हेतु खेल मंत्री किरण रिजिजू की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय 10-सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।
- इस समिति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन ओलंपिक और अन्य बहु-विषयक कार्यक्रमों में अनुकूलित रहे।
- इस समिति में ओलंपिक पदक विजेता- टेनिस ऐस लिएंडर पेस और निशानेबाज गगन नारंग जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं।
- टोक्यो खेलों (2020) के लिए समिति का उद्देश्य संभावित और योग्य एथलीटों को हर संभव सहायता प्रदान करना होगा, जिससे भारतीय एथलीटों की भागीदारी के लिए सुगम लॉजिस्टिक व्यवस्था की सुविधा प्रदान की जा सके, जिससे श्रेणी के लिए निर्बाध अभ्यास और

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

मेहमाननवाज वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

- 2024 पेरिस खेलों के लिए समिति तैयारी हेतु एक रोड-मैप तैयार करेगी और जब भी आवश्यकता होगा तब लगातार समीक्षा और पाठ्यक्रम सुधार का सुझाव देगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- न्यू ऑन ए.आई.आर.

5. **<u>बैंगलोर, दिल्ली को ई.आई.यू. की विश्व के सबसे सस्ते शहरों की सूची शामिल किया गया है।</u>**

- इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ई.आई.यू.) ने विश्व के सबसे सस्ते शहरों (जीवन की लागत के अनुसार) की सूची जारी की है, जिसमें पांचवें स्थान पर बैंगलोर है, बैंगलोर के अतिरिक्त चेन्नई और नई दिल्ली ने क्रमशः 8वें और 10वें स्थान पर सूची में जगह बनाई है।
- ई.आई.यू., इकोनॉमिस्ट ग्रुप के भीतर एक ब्रिटिश बिजनेस कंपनी है जो अनुसंधान और विश्लेषण के माध्यम से पूर्वानुमान प्रदान करती है।
- वह सूची, जिसमें दुनिया भर के 10 शहर शामिल थे, इस सूची में वेनेजुएला का काराकस प्रथम स्थान पर है, इसके बाद दूसरे स्थान पर सीरिया का दमिश्क था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>विश्व बाघ दिवस: बाघों की आबादी में 30% की वृद्धि हुई है।</u>**

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व बाघ दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय बाघ अनुमान की चार-वार्षिकी रिपोर्ट जारी की है।
- अखिल भारतीय बाघ अनुमान रिपोर्ट 2018 के अनुसार, वर्ष 2014 में हुई पिछली जनगणना के बाद से लगभग 33% की वृद्धि के साथ बाघों की कुल संख्या 2,967 तक पहुँच गई है।
- जनसंख्या 1,411 दर्ज की गई थी, जो 2014 में बढ़कर 2,226 हो गई थी। नवीनतम गणना के अनुसार, अब इसके 2,967 होने का अनुमान है।
- विश्व वन्यजीव फाउंडेशन (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.) कार्यक्रम Tx2 के हिस्से के रूप में भारत के साथ-साथ 12 अन्य बाघ श्रेणी के देशों ने 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।
- मध्य प्रदेश ने 2014 में 308 बाघों की वृद्धि की तुलना में 526 बाघों के अनुमान के साथ अपनी बाघ आबादी में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है।
- इसके बाद कर्नाटक है, इस राज्य में 524 बाघ हैं। दोनों राज्यों में हिंसक जानवरों की आबादी सबसे अधिक है।
- हालांकि, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों में बाघों की स्थिति में लगातार पतन और गिरावट चिंता का विषय बना हुआ है।
- छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या 46 से घटकर 19 हो गई है, जबकि ओडिशा में यह 28 रह गई है।
- भारत में विश्व में बाघों की कुल आबादी के लगभग 75% (3,159 वयस्क मुक्त क्षेत्र बाघ) हेतु जिम्मेदार है, जो किसी भी देश के लिए सबसे अधिक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>डीप ओशियन (गहन समुद्री) मिशन</u>**

- केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने डीप ओशियन मिशन (गहन समुद्र मिशन) (डी.ओ.एम.) को मंजूरी प्रदान करेगा।
- इस मिशन का उद्देश्य लगभग 35 वर्ष पहले इसरो द्वारा शुरू किए गए अंतरिक्ष अन्वेषण के समान गहरे समुद्र का अन्वेषण करना है।
- भारत को केंद्रीय भारतीय महासागर घाटी (सी.आई.ओ.बी.) में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण द्वारा 75,000 वर्ग

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

कि.मी. का एक स्थल आवंटित किया गया है, यह स्थान भारत को पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल (पी.एम.एन) के अन्वेषण हेतु आवंटित किया गया है।

संबंधित जानकारी

पॉलिमेटेलिक नॉड्यूल

- इसे मैंगनीज नॉड्यूल के रूप में भी जाना जाता है।
- वे आलू के आकार के होते हैं, बड़े छिद्रो वाले नॉड्यूल होते हैं, जो विश्व के समुद्रो में गहरे समुद्र में समुद्र तल को ढके हुए प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
- मैंगनीज और आयरन के अतिरिक्त इनमें निकेल, तांबा, कोबाल्ट, सीसा, मोलिब्डेनम, कैडमियम, वैनेडियम, टाइटेनियम पाया जाता है।
- इन धातुओं में से निकेल, कोबाल्ट और तांबा आर्थिक और सामरिक महत्व के माने जाते हैं।
- पोलिमेटेलिक नॉड्यूल्स के अन्वेषण और उपयोगिता पर दीर्घकालिक कार्यक्रम के कार्यान्वन हेतु भारत, शीर्ष 8 देशों में से एक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>नागालैंड ने आर.आई.आई.एन. साधनों को तैयार करने हेतु एक पैनल का गठन किया है।</u>**

- नागालैंड सरकार ने नागालैंड के स्वदेशी निवासियों के रजिस्टर के तौर-तरीकों की रूपरेखा को निर्धारित करने हेतु एक आयोग का गठन किया है।
- इस आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त मुख्य सचिव बनुओ जेड. जमीर द्वारा की जा रही है और टी. कीहेतोसेमा और एस. चिंगवांग कोन्याक इसके सदस्य होंगे।
- न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ज़ेलरे अंगामी, आयोग के सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे।
- गृह आयुक्त और नागालैंड आयुक्त, पैनल के पदेन सदस्य होंगे।
- यह पैनल तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

संबंधित जानकारी

नागालैंड के स्वदेशी निवासियों का रजिस्टर (आर.आई.आई.एन.)

- आार.आई.आई.एन., राज्य के सभी स्वदेशी निवासियों का एक रजिस्टर है, जो अपात्र व्यक्तियों को स्वदेशी निवासी प्रमाण पत्र जारी करने से रोकने हेतु आवश्यक है।
- यह वास्तविक नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करेगा जो नागालैंड के स्थायी निवासी हैं।
- नागालैंड सरकार ने 10 जुलाई को आर.आई.आई.एन. तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की थी।
- आर.आई.आई.एन. 1 दिसंबर, 1963 से पहले नागालैंड में बसने वाले नागरिकों की पहचान करने में मदद करेगा, जिस दिन यह पूर्ण राज्य बना था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- न्यूज ऑन एयर

9. **<u>सी.आई.एस.एफ. ने सुरक्षा सेवाओं को मजबूत करने के लिए विश्वकोश लॉन्च किया है।</u>**

- केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने एक ऑनलाइन विश्वकोश- सिक्योरिटीपीडिया लॉन्च किया है- जिसमें दुनिया भर में सुरक्षा से संबंधित प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।
- सिक्योरिटीपीडिया में सी.आई.एस.एफ. ट्यूब भी है जहां अधिकारी सी.आई.एस.एफ. से संबंधित सभी वीडियो पा सकते हैं।
- सी.आई.एस.एफ. ट्यूब दिन-प्रतिदिन के आधार पर क्षेत्रीय इकाइयों की निगरानी को सुव्यवस्थित करता है, उन्होंने एक अभिनव डैशबोर्ड विकसित

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

किया है जो वास्तविक समय डेटा संग्रह प्रदान करता है।

- सी.आई.एस.एफ. ने हैदराबाद में राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (एन.आई.एस.ए.) में एक तकनीकी प्रयोगशाला भी स्थापित की है।
- यह प्रयोगशाला सुरक्षा और संरक्षण के क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों के बारे में तकनीकी ज्ञान को बनाए रखने और अद्यतन करने में मदद करती है जो हवाई अड्डों और सरकारी कार्यालयों जैसे स्थानों में उपयोग की जा सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

10. **<u>7वीं आर्थिक जनगणना त्रिपुरा से शुरू हुई है।</u>**

- सरकार ने त्रिपुरा से 7वीं आर्थिक जनगणना शुरू करेगी।
- इसे अगस्त और सितंबर के महीने में अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू किया जाएगा।
- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एम.ओ.एस.पी.आई.) द्वारा आयोजित आर्थिक जनगणना पांच वर्ष के अंतराल के बाद इस वर्ष आयोजित की जाएगी।
- सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम 2008 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रत्येक घर और व्यावसायिक प्रतिष्ठान के डोर टू डोर सर्वेक्षण के माध्यम से डेटा एकत्र किया जाएगा।
- फील्डवर्क, दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है और मार्च, 2020 तक राष्ट्रीय स्तर पर परिणाम उपलब्ध होने की उम्मीद है।

संबंधित जानकारी

- आर्थिक जनगणना, देश में महत्वपूर्ण रूप से बड़े असंगठित क्षेत्र की जानकारी का एकमात्र स्रोत है।
- 2013 में आयोजित अंतिम आर्थिक जनगणना के अनुसार, लगभग 131 मिलियन श्रमिकों को रोजगार देने वाले 58.5 मिलियन प्रतिष्ठान थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- न्यूज ऑन एयर

30.07.2019

1. **<u>प्रोजेक्ट सहारा: मातृत्व मृत्यु दर को कम करने में मदद करने हेतु एक नया उपकरण है।</u>**

- प्रोजेक्ट सहारा, अहमदाबाद जिला प्रशासन की एक पहल है, जिसका उद्देश्य नई माताओं को एक विशेष सूट- नॉन न्यूमैटिक एंटी-शॉक गारमेंट (एन.ए.एस.जी.) प्रदान करके रक्तस्राव से होने वाली मातृ मृत्यु को कम करना है।
- नॉन-न्यूमेटिक एंटी-शॉक गारमेंट का उपयोग प्रसवोत्तर रक्तस्राव के कारण होने वाली रक्त की हानि को सीमित करता है, इस प्रकार नई माताओं के जीवन को बचाया जा सकता है।
- प्रसवोत्तर रक्तस्राव (पी.पी.एच.) से निरंतर और अत्यधिक रक्तस्राव होता है।
- पी.पी.एच. के कारण तेजी से रक्तस्राव होने से शरीर का रक्तदाब कम हो जाता है और मृत्यु भी हो सकती है।
- 2016-17 के नमूना पंजीकरण योजना परिणामों के अनुसार, गुजरात का आई.एम.आर. (प्रति 1,000 जीवित जन्मों में) 30 और एम.एम.आर. (प्रति 100,000 जीवित जन्मों में) 91 था।

संबंधित जानकारी

- मातृत्व मृत्यु, गर्भावस्था से या बच्चे के जन्म के दौरान जटिलताओं के कारण होने वाली मृत्यु को संदर्भित करती है।
- मातृत्व मृत्यु दर (एम.एम.आर.) को प्रत्येक 1 लाख जीवित जन्मों में दर्ज की गई मातृ मृत्युओं की संख्या के रूप में लिया जाता है।

मातृत्व मृत्यु दर को कम करने हेतु उठाए गए कदम:

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 1 जून, 2011 को जननी शिशु सुरक्षा कार्यकम (जे.एस.एस.के.) लॉन्च किया है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- यह योजना उन गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित करने के लिए है जो अपने प्रसव के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग करती हैं।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 3.1 में भी वर्ष 2030 तक एम.एम.आर. को प्रति 100000 जीवित जन्मों में से घटाकर 70 से भी कम करना शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>एकीकृत युद्धक समूह</u>**

- एकीकृत युद्धक समूहों (आई.बी.जी.) की नई अवधारणा का निर्माण करने की सेना की योजना, कार्यान्वन के नजदीक है जो समग्र सेना परिवर्तन का एक हिस्सा है।

संबंधित जानकारी

एकीकृत युद्धक समूह

- ये ब्रिगेड-आकार के, फुर्तीले, आत्मनिर्भर युद्धक निर्माण हैं, जो शत्रुता के मामले में एक विरोधी के खिलाफ तेजी से हमले शुरू कर सकते हैं।
- इनमें से प्रत्येक (आई.बी.जी.) जोखिम, भूभाग और कार्य के आधार पर तदनुकूल हैं और तीन T के आधार पर संसाधनों को आवंटित किया जाएगा।

पृष्ठभूमि

- संसद पर आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना ने बड़े पैमाने पर लामबंदी की थी लेकिन सेना के गहन निर्माणों ने लामबंदी करने में हफ्तों का समय लिया था जो कि आश्चर्यजनक था।
- इसके बाद सेना ने तेजी से आक्रमण करने हेतु 'कोल्ड स्टार्ट' नामक एक सक्रिय सिद्धांत तैयार किया था लेकिन अतीत में इसके अस्तित्व को लगातार नकार दिया गया था।
- जनवरी, 2017 को जनरल रावत द्वारा पहली बार इसके अस्तित्व को स्वीकार किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –सुरक्षा

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>प्रति कृषि परिवार की औसत मासिक आय 6,500 रुपये से कम है।</u>**

- देश में प्रत्येक कृषि परिवार की औसत आय का नवीनतम उपलब्ध अनुमान राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एन.एस.एस.ओ.) द्वारा अपने 70वें राउंड (जनवरी, 2013-दिसंबर, 2013) के दौरान आयोजित किए गए कृषि परिवार स्थित मूल्यांकन सर्वेक्षण पर आधारित हैं।
- सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, सभी स्रोतों से प्रत्येक कृषि परिवार की औसत मासिक आय 6426 रू होने का अनुमान है।
- एन.एस.एस.ओ., जो सर्वेक्षण आयोजित कराने और डेटा एकत्र करने हेतु एक नोडल एजेंसी है, इसने वर्ष 2013 से प्रति कृषि परिवार की आय पर कोई भी सर्वेक्षण आयोजित नहीं किया है।
- सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने से संबंधित मुद्दों की जांच करने और उन्हें प्राप्त करने हेतु रणनीतियों की सिफारिश करने के लिए अप्रैल, 2016 को एक अंतर-मंत्रालयी समिति का गठन किया था।
- इस समिति ने सितंबर, 2018 को अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है।

टॉपिक- जी.एस.-3- कृषि

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **<u>अंतत: 'ओडिशा रसागोला' को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।</u>**

- पश्चिम बंगाल द्वारा रसगुल्ला के लिए भौगोलिक सांकेतिक (जी.आई.) टैग मान्यता प्राप्त करने के एक वर्ष बाद ओडिशा सरकार ने मिठास के स्वामित्व हेतु लड़ाई को पुन: खोल दिया और 'ओडिशा रसागोला' के लिए जी.आई. टैग प्राप्त किया है।
- उत्पादों के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण एवं संरक्षण), अधिनियम 1999 की धारा 16(।)

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

अथवा अधिकृत धारा 17 (3)(c) के अंतर्गत सामान के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम 1999 के अंतर्गत ओडिशा रसागोला को पंजीकृत किया गया था।

- जी.आई. के रजिस्ट्रार को सौंपे गए आवेदन के अनुसार, 'ओडिशा रसगोला' ओडिशा राज्य की मिठाई है, जिसे छेना (पनीर) से बनाया जाता है, इसे चाशनी में पकाया जाता है जो कि महसूस करने में बहुत ही मुलायम, रसदार और बिना चबाने वाला होता है और इसे दांतो को उपयोग किए बिना निगला जा सकता है।
- ओडिशा लघु उद्योग निगम लिमिटेड (ओ.एस.आई.सी.), ओडिशा रसागोला के जी.आई. टैग का पंजीकृत धारक होगा और यह उत्पाद के लिए उपलब्ध सभी कानूनी और बौद्धिक संरक्षणों का आनंद लेगा, जो ओडिशा की विशिष्टता है।

संबंधित जानकारी

भौगोलिक संकेत (जी.आई.)

- यह उन उत्पादों पर इस्तेमाल किया जाने वाला एक संकेत है, जिसमें एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और उसमें वे गुण या विशेषताएं होती है जो उस स्थान के कारण होती है।
- जी.आई. के रूप में कार्य करने के लिए किसी चिन्ह को किसी दिए गए स्थान पर उत्पन्न होने वाले उत्पाद की पहचान करनी चाहिए।

जी.आई. टैग- ट्रिप्स समझौते की आवश्यकता

- भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) के सदस्य के रूप में उत्पादों के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 को अधिनियमित किया है। यह 15 सितंबर, 2003 से प्रभावी हो गया है।
- दार्जिलिंग चाय, भौगोलिक संकेत टैग प्राप्त करने वाला पहला उत्पाद है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

5. **<u>प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों की समीक्षा सूची</u>**

- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री ने परियोजना में शामिल स्थलों की समीक्षा करने के लिए एक समिति के गठन को मंजूरी प्रदान की है।

ये स्थल हैं

- ताजमहल और फतेहपुर सीकरी (उत्तर प्रदेश), अजंता और एलोरा (महाराष्ट्र), हुमायूँ का मकबरा, लाल किला और कुतुब मीनार (दिल्ली), कोलवा (गोवा), आमेर का किला (राजस्थान), सोमनाथ और धोलावीरा (गुजरात), खजुराहो (मध्य प्रदेश), हम्पी (कर्नाटक), महाबलिपुरम (तमिलनाडु), काजीरंगा (असम), कुमारकोम (केरल) और महाबोधि मंदिर (बिहार) हैं।
- रेलवे से लेकर नागरिक उड्डयन तक कई मंत्रालय इसमें शामिल होंगे, जब कि पर्यटन मंत्रालय नोडल एजेंसी होगी।

संबंधित जानकारी

"एक विरासत को अपनाएं (अडॉप्ट ए हेरिटेज)" योजना

- एक विरासत को अपनाए (अडॉप्ट ए हेरिटेज): अपनी धरोहर, अपनी पहचान' 27 सितंबर, 2017 को शुरू की गई एक योजना है, यह पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.), राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश सरकारों का एक सहयोगी प्रयास है।
- वे नियोजित और चरणबद्ध तरीके से पर्यटन क्षमता और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ाने के लिए विरासत स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं के विकास और रखरखाव की परिकल्पना करने और उन्हें पर्यटन के अनुकूल बनाने में मदद करते हैं।
- यह परियोजना मुख्य रूप से बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने पर केंद्रित है जिसमें स्वच्छता, सार्वजनिक सुविधाएं, सुरक्षित पेयजल और

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

पर्यटकों के लिए संकेत, रोशनी, वाई-फाई आदि की सुविधा प्रदान करना शामिल हैं।

- इनमें से कई स्मारकों को पर्यटन मंत्रालय की "एक विरासत को अपनाएं (अडॉप्ट ए हेरिटेज)" योजना के अंतर्गत 2017 के अंत में अपनाने के लिए खोला गया था।
- लाल किले को डालमिया समूह ने अपनाया था, जबकि कुतुब मीनार और अजंता की गुफाओं को यात्रा ऑनलाइन द्वारा अपनाया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>डाटा संरक्षण पर सरकारी पैनल का कहना है कि विदेशी कंपनियों को भारत में व्यक्तिगत डेटा को प्रतिबिंबित करने की आवश्यक्ता नहीं है।</u>**

- हाल ही में, एक उच्च-स्तरीय सरकारी पैनल ने विदेशी फर्मों द्वारा भारत के भीतर सभी व्यक्तिगत डेटा की एक प्रति संग्रहीत करने की आवश्यकता पर विचार किया है।
- रियायतें, कई अमेरिकी और यूरोपीय फर्मों द्वारा व्यक्त किए गए आरक्षण का परिणाम हो सकती हैं।
- पैनल ने यह भी सुझाव दिया है कि सभी महत्वपूर्ण व्यक्तिगत डेटा को अभी भी देश में संग्रहीत और संसाधित किया जाना चाहिए।

संबंधित जानकारी

- न्यायमूर्ति श्रीकृष्ण पैनल ने सिफारिश की थी कि यदि व्यक्तिगत डेटा को विदेशों में संसाधित और संग्रहीत किया जाता है, तो उसकी एक प्रति यहां संग्रहीत करने की आवश्यक्ता है।
- श्रीकृष्ण समिति की रिपोर्ट के अनुसार, महत्वपूर्ण व्यक्तिगत डेटा में पासवर्ड, वित्तीय डेटा, स्वास्थ्य डेटा, आधिकारिक पहचानकर्ता, यौन जीवन, यौन अभिविन्यास, बॉयोमीट्रिक और आनुवांशिक डेटा शामिल होंगे और ऐसे डेटा जो ट्रांसजेंडर दर्जे, इंटरसेक्स दर्जे, जाति, जनजाति, धार्मिक या राजनीतिक विश्वास या किसी व्यक्ति की संबद्धता को दर्शाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>रेशम उद्योग के विकास हेतु तमिलनाडु को सिल्क समग्र प्रदान किया जाएगा।</u>**

- तमिलनाडु, जिसे देश के प्रमुख रेशम उत्पादक राज्यों में स्थान दिया गया है, तमिलनाडु को सिल्क समग्र के अंतर्गत लगभग 6.22 करोड़ रुपये मिलेंगे।
- सिल्क समग्र, केंद्र सरकार द्वारा केन्द्रीय रेशम बोर्ड (सी.एस.बी.) के माध्यम से कार्यान्वित एकीकृत रेशम उद्योग विकास योजना (आई.एस.डी.एस.आई.) है। इस योजना को 2161.68 करोड़ के परिव्यय पर 2017-18 से तीन वर्षों के लिए देश में रेशम के समग्र विकास हेतु शुरू किया गया है।
- इस योजना में प्रमुख घटक- अनुसंधान और विकास, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण और सूचना प्रौद्योगिकी पहल, बीज संगठन, समन्वय और बाजार विकास और गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली, निर्यात ब्रांड संवर्धन और प्रौद्योगिकी उन्नयन शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजनाएं

स्रोत- डेक्कन क्रॉनिकल

8. **<u>माइक्रोडॉट प्रौद्योगिकी</u>**

- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन किया है, जिससे मोटर वाहनों और उनके भागों, घटकों, असेंबली, सब-असेंबली को स्थायी और लगभग अदृश्य माइक्रोडॉट के साथ चिपका दिया जा सकता है।

माइक्रोडॉट प्रौद्योगिकी

- इसमें सूक्ष्म डॉट्स के साथ बॉडी और वाहन के हिस्सों या किसी अन्य मशीन को स्प्रे करना

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

शामिल है, जो इसे एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

- इस तकनीक का उपयोग वाहनों की चोरी और नकली स्पेयर पार्ट्स के उपयोग की जांच करने में मदद करेगा।
- माइक्रोडॉट्स और आसंजक स्थायी फिक्सचर/ अफिक्सेशन बन जाएंगे, जो वाहन को नुकसान पहुंचाए बिना हटाए नहीं जा सकते है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- पी.आई.बी.

9. **<u>डीप-फेक्स</u>**

- यह "गहन शिक्षण" और "नकली" का एक संयोजन है।
- यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) सॉफ्टवेयर है जो किसी मौजूदा वीडियो (या ऑडियो) पर एक डिजिटल मिश्रण का अध्यारोपण करता है।
- यह असली, नकली और भ्रामक वीडियो बनाता है, जो असली और नकली में पहचान करने को और भी अधिक कठिन और जठिल बनाता है।
- नकली सेलिब्रिटी फुटेज, काल्पनिक वीडियो या रिवेंज पोर्न सभी डीपफेक तकनीक के परिणाम हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

31.07.2019

1. **<u>मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) विधेयक, 2019</u>**

- संसद ने मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) विधेयक, 2019 पारित किया है।
- यह विधेयक मुस्लिम महिलाओं के लिए लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय को सुनिश्चित करेगा।
- यह विधेयक विवाहित मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और उनके पति द्वारा "तलाक-ए-बिद्दत" के प्रचलन से तलाक को रोकने में भी मदद करेगा।

विधेयक की मुख्य विशेषताएं:

- इस विधेयक को तीन तलाक की प्रथा को अमान्य और गैरकानूनी घोषित करने के लिए प्रस्तावित किया गया है।
- यह तीन साल तक की कैद और जुर्माने के साथ इस अपराध को दंडनीय भी बनाता है।
- यह विवाहित मुस्लिम महिलाओं और आश्रित बच्चों को निर्वाह भत्ता के भुगतान का भी प्रावधान प्रदान करता है।
- इस विधेयक में अपराध को संज्ञेय बनाने का भी प्रावधान है, यदि विवाहित मुस्लिम महिला द्वारा किसी थाने के प्रभारी अधिकारी को अपराध के आयोग से संबंधित की सूचना दी जाती है, जिसमें उससे खून के रिश्ते अथवा विवाह से संबंधित किसी व्यक्ति द्वारा बोलकर तलाक दिया जाता है।
- उस विवाहित मुस्लिम महिला के अनुरोध पर मजिस्ट्रेट की अनुमति से अपराध को संयोजनीय बना दिया जाता है, जिसे बोलकर तलाक दिया गया है।
- विधेयक में अपराधी को मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत पर छोड़े जाने से पहले बोलकर तलाक दी गई विवाहित मुस्लिम महिला की सुनवाई का भी प्रावधान प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>राष्ट्रीय शिशु-गृह योजना</u>**

- राष्ट्रीय शिशु-गृह योजना को राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है।
- यह योजना समुदाय में कामकाजी माताओं के बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष के आयु वर्ग) को शिशु देखभाल सुविधाएं प्रदान करती है।

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

- इस योजना का उद्देश्य पूरक पोषण, स्वास्थ्य देखभाल इनपुट जैसे कि टीकाकरण, पोलियो ड्रॉप्स, बुनियादी स्वास्थ्य निगरानी, नींद की सुविधा, 3-6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्री-स्कूल शिक्षा प्रदान करना है।

संबंधित जानकारी

राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु-गृह योजना (आर.जी.एन.सी.एस.)

- यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसे केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड (सी.एस.डब्ल्यू.बी.) और भारतीय बाल कल्याण परिषद (आई.सी.डब्ल्यू.डब्ल्यू.) के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है।
- बीड़ी एवं सिगार मजदूर (रोजगार की शर्तें) अधिनियम, 1966 के अंतर्गत भी शिशु देखभाल सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>नाइजीरिया, परागणों के संरक्षण हेतु एक वैश्विक गठबंधन में शामिल होने वाला चौथा अफ्रीकी राष्ट्र बन गया है।</u>**

- नाइजीरिया, वैश्विक परागण अनुकूलन गठबंधन में शामिल होने वाला चौथा अफ्रीकी राष्ट्र बन गया है।
- इथियोपिया, वर्ष 2017 में इस वैश्विक गठबंधन का हिस्सा बनने वाला पहला अफ्रीकी देश था। इस वैश्विक समूह में शामिल होने वाला बुरुंडी, दूसरा अफ्रीकी देश था।
- बोस्निया और हर्ज़ेगोविना, डोमिनिकन गणराज्य, आयरलैंड और मैक्सिको जैसे अन्य गैर-अफ्रीकी राष्ट्र पिछले वर्ष वैश्विक समूह में शामिल हो गए थे।

परागण के संदर्भ में जानकारी

- एक परागण, एक जानवर होता है जो पौधों को फल या बीज बनाने का कारण बनता है।
- वे एक पौधे के फूल के एक भाग से पराग को दूसरे भाग में स्थानांतरित करके ऐसा करते हैं।
- वे जैविक (मधुमक्खियों, चिड़ियों, मक्खियों आदि) के साथ-साथ एक अजैविक जैसे पानी, हवा आदि होते हैं।

संबंधित जानकारी

परागणों के संरक्षण हेतु वैश्विक गठबंधन

- इस गठबंधन में अब 28 हस्ताक्षरकर्ता हैं जिनमें 17 यूरोपीय देशों से, पांच लैटिन अमेरिका और कैरिबिया से और चार अफ्रीका से हैं।
- वे परागणों पर जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवा (IPBES) मूल्यांकन पर अंतर सरकारी विज्ञान-नीति मंच के निष्कर्षों का अनुसरण करते हैं।
- सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को संबोधित करने के लिए परागणों का संरक्षण भी महत्वपूर्ण होगा।
- परागणकों के लिए प्रासंगिक लक्ष्य, एस.डी.जी. 2 (शून्य भूख), एस.डी.जी. 15 (भूमि पर जीवन), एस.डी.जी. 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण) हैं, इन्हें पर्याप्त पौष्टिक भोजन (परागणकों पर अत्यधिक निर्भर) और एस.डी.जी. 8 (सभ्य काम और आर्थिक प्रगति) तक पहुंच के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है, 1.4 बिलियन लोग कृषि कार्य करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>पड़ोसी तारों के आसपास तीन एक्सोप्लैनेट खोजे गए हैं।</u>**

- तीन नए ग्रह, जो पृथ्वी से 73 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक तारे की परिक्रमा करते हैं, इसकी खोज नासा के सबसे नए ग्रह- हंटिंग उपग्रह का उपयोग करके की गई है।
- तीन नए एक्सोप्लैनेट्स में से एक चट्टानी है और पृथ्वी से थोड़ा बड़ा है, जब कि दो अन्य

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

गैसीय और मोटे तौर पर हमारे ग्रह के आकार से दोगुने आकार के हैं।

- नई सितारा प्रणाली, जिसे TESS ऑब्जेक्ट ऑफ इंटरेस्ट या टी.ओ.आई.-270 कहा जाता है, यह वही है जिसे ट्रांसिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वे सैटेलाइट या TESS खोजने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- 2021 के लिए प्रणाली पर फॉलोअप प्रणाली की योजना बनाई गई थी, जब जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरदर्शी लॉन्च किया गया था। यह ऑक्सीजन, हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड के लिए टी.ओ.आई-270 ग्रहों के वायुमंडल की संरचना को मापने में सक्षम होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डी.एस.आई.आर.) क्या है?</u>**

- धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र, कई ग्रीनफ़ील्ड शहरों में से एक है जो दिल्ली मुंबई औद्योगिक गलियारे (डी.एम.आई.सी.) पर योजनाबद्ध हैं।
- यह अहमदाबाद से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।
- यह दुनिया का पहला हरित शहर होने की उम्मीद है।
- यह अनुमानित 920 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में बसा हुआ है।
- धोलेरा एस.आई.आर. के सिंगापुर से बड़े होने की उम्मीद है।
- धोलेरा ग्रीनफील्ड का अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, डी.एस.आई.आर. का एक घटक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>महाराष्ट्र, स्वचालित मल्टीमॉडल बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली (ए.एम.बी.आई.एस.) अपनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।</u>**

- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने एक ए.एम.बी.आई.एस. का उद्घाटन किया है जिसका उद्देश्य आईरिस और फेस बॉयोमेट्रिक के द्वारा एक आपराधिक डेटाबेस बनाना है।
- ए.एम.बी.आई.एस., राज्य पुलिस विभाग के आधुनिकीकरण और अपराध का पता लगाने में सुधार करने हेतु राज्य सरकार की योजनाओं का हिस्सा है।
- इस प्रणाली के अंतर्गत अपराधी की उंगलियों के निशान और अपराधियों की तस्वीरों का एक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाएगा, जिससे सजा दर में अनुवर्ती बढ़ोतरी होगी।
- मुंबई पुलिस को परीक्षण के आधार पर स्वचालित मल्टीमॉडल बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली प्रदान की जाएगी, यह इस प्रकार की पहली बायोमीट्रिक आपराधिक निगरानी प्रणाली है।
- भारत में पुलिस बल द्वारा पहली बार इस प्रकार की बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली का उपयोग किया जाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>अटल सामुदायिक नवाचार केंद्र</u>**

- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सामुदायिक स्तर पर नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए नई दिल्ली में अटल सामुदायिक नवाचार केंद्र की शुरुआत की है।
- इस पहल का उद्देश्य समाज की सेवा करने की सोच के साथ डिजाइन की गई समाधान-चालित डिजाइन के माध्यम से नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना है।
- वर्ष 2025 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने में अटल नवाचार मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- ए.आई.आर.

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

8. **<u>अल्पसंख्यक पैनल ने अपने रेमिट को वापस लिया है।</u>**

- राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एन.सी.एम.) ने उन राज्यों में हिंदुओं को "अल्पसंख्यक समुदाय" घोषित करने की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है जहां वे बहुसंख्यक आबादी में नहीं हैं।
- एन.सी.एम. ने जॉर्ज कुरियन, मंजीत सिंह राय और आतिफ रशीद की एक उप-समिति का गठन किया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल केंद्र के पास नए समूहों की घोषणा करने की शक्ति है न कि अल्पसंख्यक आयोग के पास शक्ति है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एन.सी.एम.)

- केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के अंतर्गत एन.सी.एम. की स्थापना की थी।
- पांच धार्मिक समुदाय अर्थात मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी (पारसी) को केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- इन आयोगों के कार्य संसद और राज्य विधानमंडलों द्वारा लागू किए गए संविधान और कानूनों में प्रदान किए गए अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा और संरक्षण करना हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>आई. एंड बी. मंत्री ने प्रकाशन प्रभाग की ई-परियोजनाओं को लांच किया है।</u>**

- यह वेबसाइट प्रकाशन प्रभाग की पुस्तकों और पत्रिकाओं के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।
- सभी पुस्तकें बिक्री के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।
- मंत्री ने ई-पुस्तकों के संभावित चोरी पर एक नजर रखने के लिए डिजीटल डी.पी.डी. नामक डिवीजन का एक मोबाइल ऐप भी चालू किया है।
- उन्होंने रोजगार समाचार और ई-पुस्तक सत्याग्रह गीता का ई-संस्करण भी लॉन्च किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

***

उड़ान BPSC Prelims
A 75-Day Course to Clear GS Paper
START FREE TRIAL

Qualify for BPSC Mains

with the most comprehensive course

- Qualify for BPSC Mains with the most comprehensive course
- 45+ Live Classes & 120+ PDFs
- 11 Weekly Tests & 1700+ Practice Questions
- Expert Faculty with decades of teaching experience in UPSC, State PCS & Defence Exams

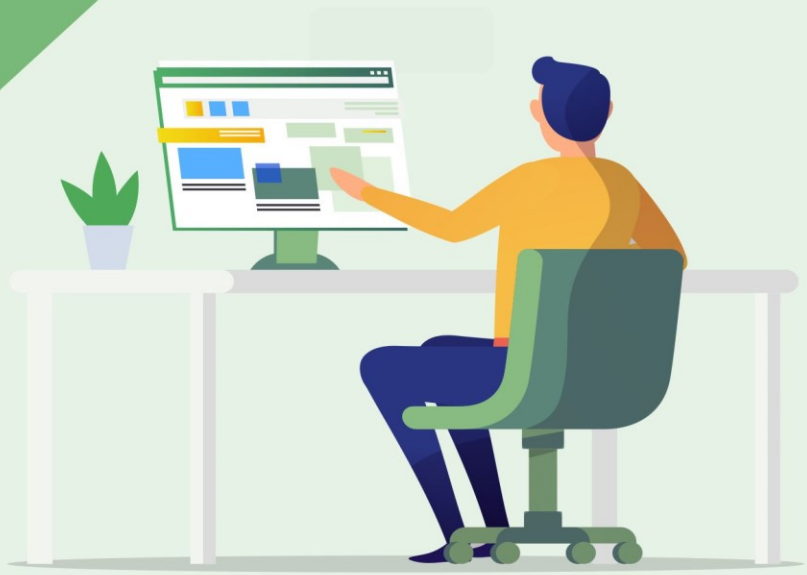

gradeup

Prep Smart. Score Better. Go gradeup — www.gradeup.co